आज़ादी का अमृत महोत्सव

वार्षिक प्रतिवेदन

2020-21

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

(केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 द्वारा स्थापित)

राया–सूचानी (बागला), ज़िला सांबा–181143, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)

दूरभाष : 01923–249660 वेबसाइट : www.cujammu.ac.in

वार्षिक प्रतिवेदन

2020-21

कुलाध्यक्ष

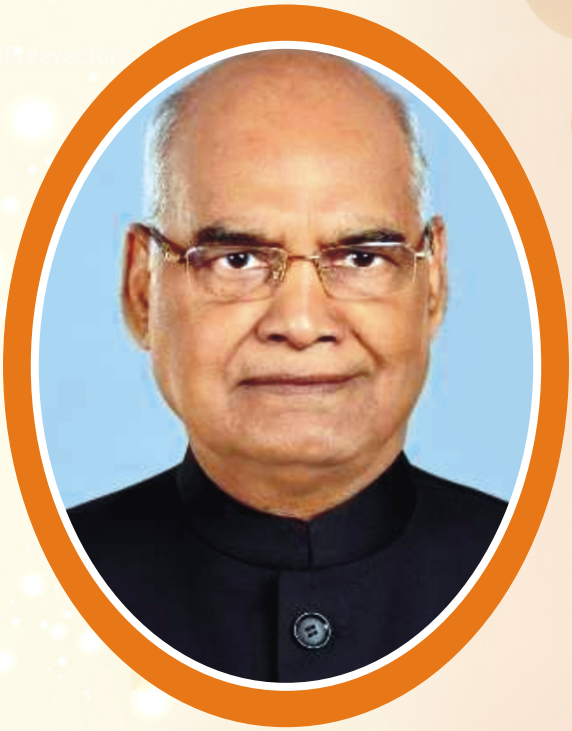

श्री राम नाथ कोविंद

भारत के राष्ट्रपति

वार्षिक प्रतिवेदन

2020-21

कुलाधिपति

श्री गोपालास्वामी पार्थासारथी

कुलपति का संदेश

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की 10 वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करना सम्मान और सौभाग्य दोनों है , विशेष रूप से विविध रंगो के इस वर्ष में – जब भारत कोविड -19 के बाद वापसी का प्रयास कर रहा है, विश्वविद्यालय 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' और राष्ट्रीय शिक्षा नीति - (एनईपी)2020 को लागू करने के लिए अत्याधिक प्रबल रूप से तैयार है। निसंदेह, एन.ई.पी - 2020 भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली के इतिहास में मील का पत्थर है, और इस तरह के व्यापक परिवर्तनों की दहलीज पर है। सत्र 2020-2021 के लिए जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की 10 वीं वार्षिक रिपोर्ट मुझमें आत्म प्रतिबिंब-पूर्ति के साथ मिलकर पूर्ति की एक विशेष भावना पैदा करती है, क्योंकि विश्वविद्यालय ने अपने एक छोटी सी अवधि में शिक्षा और अनुसंधान दोनों में एक जगह बनाई है। और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबिंब हुआ है । चूंकि रिपोर्ट भविष्य की कार्रवाई के लिए एक खाका तैयार करने के लिए आत्मनिरीक्षण के एक साधन के रूप में कार्य करता है।

प्रतिवेदन सत्र 2020-2021 के लिए हमारी पहल और उपलब्धियों के उद्देश्य को प्रतिबिंब करती है और शैक्षिक गतिविधियों, अनुसंधान परिणामों एवं अभिनव शिक्षण शिक्षाशास्त्र के माध्यम से सीयूजे परिसर में समग्र शिक्षा और शैक्षिक प्रतिबद्धता की झलक प्रस्तुत करता है । वर्तमान में, विश्वविद्यालय 54 कार्यक्रम को प्रस्तावित कर रहा है, 20 विभागों में 17 स्नातकोत्तर, 22 अनुसंधान उन्मुख, 04 पंचवर्षीय डिग्री, 01 चार वर्षीय एकीकृत, और 02 व्यावसायिक प्रकार के अंडरग्रेजुएट स्तर-, सामुदायिक कॉलेज, सीसीआरसी और योग केंद्र इत्यादि प्रत्येक में 05 डिप्लोमा और 03 प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रस्तावित कर रहा हैं। हाल ही में, विश्वविद्यालय भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन से (इसरो)पूर्ण वित्त पोषण के साथ अंतरिक्ष विज्ञान के लिए सतीश धवन केंद्र स्थापित करने में सफल रहा है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय यूजीसी और "लल्लेश्वरी लाल / दे चेयर " स्वीकृत "स्वामी दयानंद सरस्वती चेयर" द्वाराकिए जाने वाले कुछ केंद्रीय विश्वविद्यालयों में से एक है ।

बाधाएं जो एक संस्थान की उत्पत्ति और विकास का एक अभिन्न अंग हैं, विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित विभिन्न पाठ्यक्रमों के आवेदकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि शिक्षा और अनुसंधान के प्रति संकाय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वर्ष 2014-2015 में हमारे पास केवल 2798 (लगभग आवेदन थे), जो 2017-18 में बढ़कर 23400 और 2018-19 में 30000 हो गए, जो यह दर्शाता है कि विश्वविद्यालय की प्रगति के स्पष्ट संकेतकों में से एक है। प्रवेश परीक्षा के लिए दस केंद्रीय विश्वविद्यालयों

के कॉलेजियम के भाग के रूप में, विश्वविद्यालय अपने राष्ट्रवादी संबंध के लिए समान रूप से भागीदारी कर रहा है, जो विश्वविद्यालय के अखिल भारतीय लोकाचार को दर्शाता है।

विश्वविद्यालय ने 55 विधावाचस्पति एवं 108 एमफिल डिग्री से सम्मानित किया है।. विश्वविद्यालय अनुसंधान के लिए विभिन्न वित्त पोषित एजेंसियों से शोध परियोजनाएं प्राप्त करने में सफल रहा है I सीयूजे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय /अंतरराष्ट्रीय छात्रवृत्ति , वित्त पोषित परियोजना और मान्यताओं से सम्मानित किया गया हैI विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी क्षेत्रों में-अनुसंधान परामर्श एवं वाह्यगतिविधियों के माध्यम से लगातार योगदान दे रहा है। वर्तमान में 84 से अधिक सामाजिक महत्व के मुख्य शैक्षिक लघु शोध परियोजनाएं/संकाय सदस्यों ने प्राप्त किया है I जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य ने विभिन्न वित्त पोषित एजेंसियों जैसे -राष्ट्रीय उच्च गणित बोर्ड, परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार, एसआरबी, यूजीसी, आईसी एसएसआरबी, यूजीसी आईसीएसएसआर, डीएसटी, आईयूएसी, एमओ टेक्सटाइल/, भारत सरकार, एमएसएमई, भारत सरकार, एमओ न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी/, भारत सरकार, ईडीआईआई अहमदाबाद से 30 करोड़ के अतिरिक्त निधि प्राप्त करने में सक्षम हैं।

छात्र अनुकूल वातावरण एवं शैक्षिक सोहार्द के लिए विश्वविद्यालय छात्रों को बस सेवा एवं दूरदराज के क्षेत्रों से प्रविष्ट छात्र छात्राओं की सीमित संख्या को छात्रावास की सुविधा प्रदान कर रहा हैI परिसर और छात्रावास में वाईफाई सुविधा स्वचालित पुस्तकालय, बुनियादी खेल ढांचा आदि सुविधाएं प्रदान कर रहा है , विश्वविद्यालय के छात्र प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार प्राप्त करने में सफल हुए है, जिससे उत्साह में वृद्दि होती है तथा छात्रो को किसी भी प्रकार की प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए तैयार किया जाता है, इस व्यवस्था के अंतर्गत विश्वविद्यालय ने बुनियादी मानव मूल्यों एवं स्तरों को विभिन्न कार्यक्रमों एवं पाठ्यक्रमों को लागू करके प्रशांसा प्राप्त की है I

विश्वविद्यालय ने 23 राष्ट्रीय और 07 अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने के अतिरिक्त संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक प्रभाव, भारतीय उद्योग परिसंघ, एनएचआरडीएन, आईएसटीडी, एओआईटीए, एम्स, आईएसटीडी, जम्मू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज आदि जैसे शीर्ष उद्योग शैक्षणिक निकायों /की सदस्यता प्राप्त किए हैं। विश्वविद्यालय को सीयूएचपी, सीयूके के साथ एक बहुत ही असाधारण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने का गौरव प्राप्त है, जो छात्रों, शिक्षण संकाय, क्रेडिट के हस्तांतरण को सुविधाजनक बनान के लिए देश में अपनी तरह की प्रथम पहल है I

राष्ट्रीय एजेंडा और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप स्थानीय लोगों एवं छात्रों के बीच उद्यमशीलता कौशल विकस एवं स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए-, विश्वविद्यालय ने नवाचार संस्थान परिषद और विश्वविद्यालय व्यापार इनक्यूबेशन केंद्र की स्थापना की है। विश्वविद्यालय की प्रगति स्पष्ट रूप से शिक्षण और शिक्षा, अनुसंधान गुणवत्ता और प्रकाशन के क्षेत्र में देखी जा सकती है I यह प्रगति विकासात्मक प्रवृत्ति ढांचागत और सहयोगी सुविधाओं में स्पष्ट देखी जा सकती है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय अपनी सभी बहुआयामी गतिविधियों में गुनात्मक एवं बुनियादी सुविधाओं को बढ़ाने में आई सी टी का व्यापक उपयोग करने में भी सफल रहा है |

विश्वविद्यालय में पूरे देश से संकाय सदस्यों को नियुक्त किया गया है जो संकट के वर्तमान समय के दौरान ऑनलाइन शिक्षण शिक्षा की प्रक्रिया में पूरी प्रतिबद्धता के साथ शामिल रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित विशेषज्ञता के विभिन्न क्षेत्रों में

शैक्षिक अवसरों को बढ़ाने के लिए कई अभिनव प्रस्ताव भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के विचाराधीन हैI विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के सभी पहलुओं को संबोधित करने के लिए आगे बढ़ रहा है और अपने सामाजिक आउटरीच कार्यक्रम में उन्नत भारत अभियान के तहत आसपास के क्षेत्रों में पांच गांवों को भी गोद लिया है। स्कूल के लिए और पीएमएमएमएनएमटीटी के तहत शिक्षक व्यवस्थापक / और छात्र उन्मुख सहायता कार्यक्रमों में क्षमता निर्माण कार्यक्रम शुरू करने के लिए प्रत्येक गाँव के एक विद्यालय को अपनाया गया हैI

डिजिटल शिक्षणशिक्षा- प्रक्रिया के वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में, विश्वविद्यालय ने चार साल पहले पेपरलेस और कैशलेस बनने के लिए कई डिजिटल पहल शुरू कर चुका है। पिछले वर्षो में अन्य उल्लेखनीय गतिविधियों में गुणवत्ता सुधार उपायों, अंतरराष्ट्रीय छात्रवृत्ति, प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला, संकाय प्रेरण और विकास कार्यक्रम, प्रथम दीक्षांत समारोह, प्रतिस्पर्धी परीक्षाओ के लिए प्रशिक्षण कक्षाए, खेल कार्यक्रम के माध्यम से नेतृत्व इत्यादि पर जोर दिया गया है।

चुनौतियां और अवसर उच्च शिक्षण संस्थानों के सभी हितधारको, शिक्षण संकाय, शोधार्थी छात्रो प्रशासनिक कर्मचारियो का परिश्रम और सहयोग वास्तविक रूप से अमृत के समान और वास्तविक उत्प्रेरक है। मुझे उम्मीद है कि सभी हितधारको के निरंतर प्रयासो से विश्वविद्यालय के विजन को साकार करना जारी रहेगा। निरंतर स्मार्ट कार्य, समर्थन, सौहार्द और सद्भावना के साथ, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय आने वाले वर्ष में गौरव के नए शिखर प्राप्त करने के लिए बाध्य है।

प्रो.अशोक ऐमा

जय हिंद !

प्रतीक चिह्न तथा इसका विवरण

प्रतीक चिह्न

उगता सूर्य, बरगद का पेड़ तथा अनंत आकाश प्रकृति के कुछ सबसे महत्वपूर्ण तत्व हैं जो उसके सार को संक्षेप में वर्णित करते हैं तथा मानवता को उत्पादक जीवन जीने, ज्ञानार्जन करने तथा शांति व सुख को प्राप्त करने को प्रोत्साहित करते हैं।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रतिनिधित्व हेतु इन सभी तत्वों को प्रतीक चिह्न में एक साथ रखा गया है :

विवरण

उगता सूर्य :- बरगद के पेड़ के पीछे स्थित उगता सूर्य अंधकार पर विजय को दर्शाता है, जो अज्ञान पर ज्ञान की विजय है। छात्र प्रकाश में रहकर, ज्ञानार्जन करेंगे तथा बुद्धि में विकसित होंगे।

बरगद का पेड़ :- प्रतीक का यह भाग घोषणा करता है कि जिस प्रकार से बरगद का पेड़ अस्वच्छता को छानकर शुद्ध वायु उपलब्ध कराता है, तथा अपनी जड़ों के माध्यम से सहारा प्राप्त करता है, उसी प्रकार से विश्वविद्यालय अपने छात्रों के योगदान एवं भागीदारी से बुद्धि तथा ज्ञान को छानकर व्यवस्थित विचार, अंतर कर सकने वाली योग्यता तथा आत्म-अनुशासन की ओर ले जाने का संकल्प रखता है।

अनंत आकाश :- अनंत आकश की विशाल चादर जिसमें सूर्य की किरणें भरी हैं, उस विशाल विस्तार को दर्शाता है जो प्राप्त करने, विकसित करने तथा ज्ञान को फैलाने के लिए है, बढ़ता उत्साह विचारों को पोषित करने का अनंत आयाम है।

विश्वविद्यालय अनंत ज्ञान तथा बुद्धि का वास है, जो अर्थपूर्ण आत्म-निरीक्षण के लिए मार्ग बनाता है, जिनका परिणाम व्यक्तिगत बुद्धि का विकास होता है।

संक्षेप में बरगद के पेड़ तथा अनंत आकाश के संग उगता सूर्य वास्तव में विश्वविद्यालय के मूल्यों, आकांक्षाओं, लक्ष्यों तथा स्वाभाविक विशेषताओं को दर्शाता है, तथा यह गतिवान, ज्ञानवान तथा शक्तिवान युवाओं के माध्यम से उस प्रकाशवान समाज में पदार्पण करने की इच्छा को दर्शाता है जहाँ वे आधुनिक संसार के नये विचारों तथा उभरती प्रवृत्तियां को अपना सकें तथा उससे उठने वाली चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए आतुरता दर्शा सकें।

आदर्शोक्ति, दूरदर्शिता एवं उद्देश्य

आदर्शोक्ति

विश्वविद्यालय के आदर्श "बुद्धिर्ज्ञानेन शुद्ध्यति" का अर्थ है कि ज्ञान से बुद्धि शुद्ध तथा तीव्र होती है।

दूरदर्शिता

उच्च शिक्षा का अग्रंणी केंद्र होना जिससे संस्कृति, ज्ञान, दर्शन तथा हमारे मूल्यों का एकीकरण हो, जो हमारी प्राचीन धरोहर को आधुनिक तथा उभरते विचारों, योग्यताओं, तकनीकी तथा प्रबंध अभ्यासों से आत्मसात करें।

उद्देश्य

- ऐसी शिक्षा प्रदान करना जो अपने विस्तार में हमारे प्रतीक चिह्न के तीन मुख्य प्रतीकों का प्रतिनिधित्व करें-उगते सूर्य के समान चमक, बरगद के पेड़ के समान अनश्वर तथा आकाश के समान अनंत।
- आत्मविश्वास विकसित करना जो अनुशासित अध्ययन से मिश्रित हो, जो अपनी शक्ति तथा दृढ़-विश्वास हेतु श्रद्धा में परिणत हो ।
- शिक्षा, प्रशासन, व्यापार तथा शोध में निरंतर विकास के लिए योग्यता विकसित करना जिसके लिए संगठित विचार, आत्म-अनुशासन तथा अंतर कर सकने वाली योग्यता पर जोर दिया जाएगा।
- अंतर-विषय पर ध्यान केंद्र करने के लिए प्रोत्साहित करना, साथ ही अग्रणी संस्थानों के साथ एकीकृत शोध पर जोर देना जिसका उद्देश्य मानव संसाधन का विकास तथा नए विचारों तथा नवीनीकरण तथा एकीकरण करना।
- एक आधुनिक, स्थाई वातावरण अनुकूल, स्वस्थ तथा जीवंत परिसर उपलब्ध कराना जो 'ग्रीन तकनीकी' के सिद्धांतों के अनुकूल हो।
- आसपास के क्षेत्रों के निवासियों के मामलों में विशेष रूप से सभ्य समाज के मामलों में सामान्य रूप से सहयोगी प्रतिभागी बनना ।

विश्वविद्यालय के संबंध में

1. जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रथम कुलपति की नियुक्ति के साथ 08, अगस्त, 2011 को अस्तित्व में आया। इसकी स्थापना केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 (केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 के साथ 2009 के अधिनियम संख्या 25) द्वारा की गई थी। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का मुख्य परिसर गांव बागला, जिला सांबा में राया सुचानी में स्थित है, जो जम्मू से 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

2. परिसर स्थल

विश्वविद्यालय का प्रशासनिक कार्यालय राया -सुचानी(बागला) , जिला सांबा-, (जम्मू एवं कश्मीर) के परिसर में स्थित है। इसे कंप्यूटर नेटवर्किंग, फर्नीचर, साज-समान और अन्य उपकरणो जैसी सुविधाएं प्रदान करके कार्यात्मक बनाया गया हैं I सभी शैक्षणिक विभागों ने शैक्षणिक सत्र 2017-18 से विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर से अपना कामकाज शुरू कर दिया है।

शैक्षणिक सत्र 2020-21 के लिए, सभी शिक्षण विभागो और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रस्तावित किये जाने हैं जो हैं, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी, अर्थशास्त्र,शैक्षिक अध्ययन,अंग्रेज़ी,पर्यावर्णीय विज्ञान, व्यापार प्रबंधन,जनसंचार एवं नवीन मीडिया, गणित,राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन, लोक नीति एवं लोक प्रशासन, सामाज कार्य, पर्यटन प्रबंधन, हिंदी, वनस्पति,प्राणि विज्ञान , रसायन , भौतिक , समाग्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में पांच वर्षीय एकीकृत स्नातकोतर पाठ्यक्रम तथा वाणिज्य प्रबंधन में एमबीए के साथ दो अनुसंधान केंद्र भी हैं, वीवॉक खुदरा प्रबंधन में व्यावसायिक पाठ्यक्रम, वीवॉक (बैंकिंग और वित्तीय सेवाएँ) (व्यवसाय प्रशासन विभाग द्वारा), पर्यटन प्रबंधन (पर्यटन प्रबंधन विभाग द्वारा), सौंदर्य और कल्याण में डिप्लोमा, सौंदर्य और कल्याण में डिप्लोमा (मेकअप), परिधान में डिप्लोमा (ड्रेस डिजाइनिंग एवं टेलरिंग), खुदरा प्रबंधन में डिप्लोमा, सामुदायिक कॉलेज के तत्वावधान में पर्यटन प्रबंधन में डिप्लोमा।

विश्वविद्यालय क्लास रूम, शिक्षण संकाय, अनुसंधान शोधार्थियों और कंप्यूटर लैब के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय में विशाल कैंटीन, खेल का मैदान और नियुक्त योग्य डॉक्टरों सहित स्वास्थ्य केंद्र है। परिसर में वायर्ड और वायरलेस इंटरनेट सुविधा है। विश्वविद्यालय में 1जीवीपीएस की बैंडविड्थ की एनकेएन (नेशनल नॉलेज नेटवर्क) की संयोजकता है। वर्चुअल क्लास रूम सेटअप भी उपलब्ध है जो अन्य शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ एनकेएन कनेक्टिविटी के माध्यम से जुड़ा हुआ है।

3. विश्वविद्यालय की मुख्य विशेषताएँ

उच्च शिक्षा में सुधार के लिए तथा दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों के अनुभवों से सीखते हुए, विश्वविद्यालय ने निम्न नवाचारों को प्रारंभ किया है:

1. सत्र -आधारित शैक्षणिक कैलेंडर

विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक कार्यक्रम, एकीकृत स्नातकोतर डिग्री, स्नातकोत्तर उपाधि तथा पीएचडी कार्यक्रम यूजीस के दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रस्तावित किए जाते हैं तथा शिक्षण दिनों और अध्ययन-अध्यापन के लिए आवश्यक दिनों के संदर्भ में वैश्विक प्रथाओं के अनुरूप बनाया गया है। पीएचडी कार्यक्रम में सभी भर्ती उम्मीदवारों को छह महीने की अवधि के अनिवार्य पाठ्यक्रम से गुजरना पड़ता है।

2. व्यापक विकल्प आधारित क्रेडिट सिस्टम पर आधारित कार्यक्रम

विश्वविद्यालय ने यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार विकल्प आधारित क्रेडिट सिस्टम (CBCS) की शुरुआत की है।

3. अध्ययन कार्यक्रमों के निर्माण में नया दृष्टिकोण

विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित अध्ययन कार्यक्रमों को उनके संबंधित क्षेत्रों में विश्व स्तर पर छात्रों को प्रतिस्पर्धी बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। शिक्षार्थी की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को समायोजित करने, सीखने की सामग्री, मोड और गति में व्यापक विकल्प रखने के लिए पारंपरिक 'शिक्षक केंद्रित दृष्टिकोण ' के विपरीत 'अध्ययनकेंद्रित दृष्टिकोण-' पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

4. अध्ययन के अंतर-अनुशासनात्मक कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के शिक्षण विभाग बुनियादी विषयों पर आधारित है जिससे संकाय सदस्यों को उनके विशेष अध्ययन क्षेत्रों में अनुसंधान पर केंद्रित करने के लिए सक्षम बनाया जा सके। विश्वविद्यालय का प्रत्येक अध्ययन कार्यक्रम अंतर-अनुशासनात्मक है, जिससे छात्र को विश्वविद्यालय के अन्य विभागों द्वारा विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रमों में से आवश्यक संख्या में क्रेडिट प्राप्त करने के अधिकार को प्रस्तावित किया जाता है।

5. सभी शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए मूल्यांकन प्रक्रिया

सभी अध्ययन कार्यक्रमों के छात्रों को सभी स्तरों पर प्रश्नोत्तरी, असाइनमेंट, स्वतंत्र कार्य, समूहिक कार्य, मध्यसत्र और -क विभाग ेसत्र परीक्षाओं के आधार पर सतत आंतरिक मूल्यांकन के माध्यम से मूल्यांकित किया जाता है। प्रत्य-अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के तहतविभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए गतिविधियों की सूची से न्यूनतम चार गतिविधियां प्रदान करता है। मूल्यांकन प्रक्रिया में निम्नानुसार है:

सतत अंतरिक मूल्यांकन	25%
मध्य-सत्र परीक्षा	25%
अंतिम सत्र परीक्षा	50%

6. पी.एच.डी कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के पास पूर्णकालिक/अंशकालिक शोध उपाधि (RD) कार्यक्रम हैं, जिनका उद्देश्य शोध कौशल को उन्नत करना, शिक्षण क्षमताओं को संवारना, गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान प्रकाशनों का निर्माण तथा संगोष्ठी / सम्मेलनों में सक्रिय सहभागिता है।

4. विश्वविद्यालय शैक्षणिक ढांचा

7. कक्षाएं और व्याख्यान शालाएं

विश्वविद्यालय में अध्ययन के विभिन्न कार्यक्रमों की वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त संख्या में कक्षाएं और व्याख्यान शालाएं हैं। कक्षाएं अच्छी तरह से सुसज्जित हैं, और शिक्षण के लिए आवश्यक मल्टीमीडिया एड्स से सुसज्जित हैं।

8. पुस्तकालय

विश्वविद्यालय में पूरी तरह से स्वचालित पुस्तकालय है। पुस्तकालय विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत अध्ययन के विभिन्न विषयों / कार्यक्रमों से संबंधित पुस्तकों, पत्रिकाओं और संदर्भ सामग्री की पर्याप्त मात्रा में पुस्तकालय में रखा जाता है।

9. इंटरनेट और आईसीटी लैब्स

विश्वविद्यालय सहज वाई-फाई कनेक्टिविटी उपलब्ध है और छात्र परिसर में कहीं से भी अपने लैपटॉप के माध्यम से इंटरनेट का उपयोग कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के पास तीन अत्याधुनिक आईसीटी प्रयोगशालाएं हैं जो विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित अध्ययन के सभी कार्यक्रमों के छात्रों के लिए आवश्यक सॉफ्टवेयर के साथ उच्च स्तरीय कंप्यूटर से सुसजित हैं।

10. विश्वविद्यालय व्यवसाय ऊष्मायन केंद्र (यूबीआईसी)

विश्वविद्यालय व्यवसाय ऊष्मायन केंद्र (यूबीआईसी) की स्थापना वर्ष 2015 में नवप्रवर्तन, ऊष्मायन और उद्यमिता परिषद के तत्वावधान में की गई है, जो एमएसएमई, मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित है, जो स्थानीय लोगों के साथ-साथ छात्रों के बीच उद्यमशीलता की संस्कृति को बढ़ावा देता है। ऊष्मायन केंद्र का उद्देश्य व्यावसायीकरण के लिए नवीन विचारों प्रोत्साहित करना है और नवाचारकों को ढांचागत सहायता प्रदान करना है।

यूबीआईसी उभरते हुए नए उपक्रमों में मौजूदा और भावी उद्यमियों के अभिनव विचारों को आवश्यक सलाह प्रदान करके, आईपी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने और अपने विचारों के व्यावसायीकरण के लिए उद्यमियों को मंच प्रदान करने के अलावा अनुदानित दरों और आईपी संरक्षण पर विभिन्न वित्तीय संस्थानों से पूंजी जुटाने में मदद करता है । साथ ही, नवाचार को बढ़ावा देने के लिए परिसर स्टार्ट अप ट्रैक शुरू किया गया है। इस कड़ी में, वाणिज्यिक प्रासंगिकता वाले सर्वोत्तम नवीन विचार को बढ़ावा देने के लिए यूवीआईसी द्वारा 25000 / - नकद पुरस्कार की घोषणा की गई है। उद्यमशीलता के बारे में जागरूकता पैदा करने और छात्रों को संवेदनशील बनाने के लिए भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में यूवीआईसी और यूआईसी द्वारा व्याख्यान श्रृंखला का प्रारंभ किया गया है, जिसमें सफल उद्यमियों के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को भी व्याख्यान प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

11. उद्योग- अकादमी इंटरफ़ेस

विश्वविद्यालय ने उद्योग के साथ देश और विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों / विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं जिनमें चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, जम्मू, वीएलसीसी, नैसकॉम फाउंडेशन, नई दिल्ली, आश्रय इनक्यूबेटर, अहमदाबाद, एएससीआई, हैदराबाद और एपेक्स इंडस्ट्री बॉडीज अर्थात आईएसटीडी, आईएओटीए, सीII, एनएचआरडीएन, एआईएमए, यूनाइटेड नेशन एकेडेमिक इम्पैक्ट (UNAI) आदि की सदस्यता भी प्राप्त की है। इस कड़ी में छात्रों और संकाय के लाभ के लिए मजबूत उद्योग-अकादमिक इंटरफ़ेस तैयार किया है। विश्वविद्यालय ने प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला शुरू की है, जहाँ अपने-अपने क्षेत्रों में प्रमुख हस्तियों ने योगदान दिया है, उन्हें समय-समय पर छात्रों और संकायों के साथ बातचीत के लिए आमंत्रित किया जाता है।

विश्वविद्यालय ने हाल ही में विश्वविद्यालय और कॉर्पोरेट घरानों के बीच संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय एचआरडी कांग्रेस का आयोजन किया। कार्यक्रम में लगभग 30 उद्योगों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। राज्य के छात्रों के लिए सीमित ओद्योगिकी को ध्यान में रखते हुए, कार्यक्रम में ने न केवल सीयूजे के छात्रों को बल्कि क्षेत्र के अन्य शैक्षणिक संस्थानों को भी मंच प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से विश्वविद्यालय छात्रों में विषयों और संकायों के लिए अद्योगिक मार्गदर्शन और प्रशिक्षण प्रदान करने में सक्षम रहा। इसके अलावा, एचआरडी कांग्रेस के माध्यम से विश्वविद्यालय क्रमशः संकाय और छात्रों के लिए प्रशिक्षण, सलाह और नियुक्ति के अवसर पैदा करने में सक्षम रहा है।

विश्वविद्यालय ने उद्योग की वास्तविक समझ के प्रति पेशेवरों को संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से अद्वितीय कॉर्पोरेट विसर्जन और नेतृत्व विकास कार्यक्रमभी शुरू किया है जो कक्षा के शिक्षण को वास्तविक अनुभव प्रदान करने का " प्रयास करता है

12. सह पाठ्यक्रम गतिविधियां

विश्वविद्यालय परिसर में खेल और अन्य सह पाठयक्रम गतिविधियों के लिए सुविधाएं उपलब्ध-करवाई गई हैं। इनमें वॉलीबॉल, बैडमिंटन और बास्केटबॉल जैसे आउटडोर खेल शामिल हैं। इसके अलावा, टेबल टेनिस, शतरंज और कैरम जैसे इनडोर खेलों की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

13. एनएसएस गतिविधियाँ

छात्रों को सामुदायिक विकास और जागरूकता अभ्यानों जैसी सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों में संलग्न करने के लिए राष्ट्रीय स्वयं सेवा योजना (एनएसएस) इकाई को 2015 में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्थापित गया और विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से 120 से अधिक स्वयं सेवकों का नामांकन इसके अंतर्गत किया गया । इसने विभिन्न गतिविधियों, रक्तदान शिविर, पीआरए के तहत यात्रा (सहभागिता ग्रामीण मूल्यांकन), युवा महोत्सव में सहभागिता , गणतंत्र दिवस समारोह, डिजिटल इंडिया कार्यशाला आदि का आयोजन किया है।

14. व्यायामशाला

विश्वविद्यालय ने मुख्य परिसर में पूरी तरह से सुसज्जित व्यायामशाला की स्थापना की है

15. संयुक्त प्रशिक्षण क्लासेस

विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ साथ-एससी, एसटी, ओबीसी और पीडब्लूडी के छात्रों सहित अन्य विश्वविद्यालयों के छात्रों को भी संयुक्त केंद्रीय और राज्य सेवा की प्रारंभिक परीक्षाओं की प्रशिक्षण कक्षाएं प्रदान कर रहा है।

16. योग में पीजी डिप्लोमा कोर्स

छात्रों के लाभार्थ विश्वविद्यालय ने योग में वर्ष का पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किया है। 1

17. उड़ान

विश्वविद्यालय सांस्कृतिक उत्सव उड़ान का आयोजन करता है जहाँ छात्र विभिन्न क्षेत्रों जैसे गायन, नाच, चित्रकला, रंगोली बनाने आदि में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं।

18. सुविधायें

- **संकाय कक्ष और केबिन**

  शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए संकाय को पास आईटीसक्षम क्यूबिकल्स -

- **संगोष्ठी हॉल**

  170 की बैठने की क्षमता वाले एक सुसज्जित संगोष्ठी हॉल बनाया गया है। सभा, संगोष्ठी , शैक्षणिक गतिविधियों आदि के लिए मुख्य परिसर में समिति कक्ष स्थापित किए गए हैं।

- **चिकित्सा केंद्र**

  दोनों परिसरों में विश्वविद्यालय के छात्रों, कर्मचारियों और शिक्षकों के लिए इनडोर डॉ..क्टर की चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

- **कैंटीन कैफेटेरिया /**

  विश्वविद्यालय में विशाल, हवादार कैंटीन है जहां छात्रों और शिक्षण संकाय को परिसर में स्वच्छता पूर्वक तैयार स्वच्छ खाना खाने को मिलता है।

- **छात्रवास छात्रावास/**

  विश्वविद्यालय में तीन लड़कियों और एक लड़कों का छात्रावास है जो किराए के भवनों में चलाया जाता है। छात्रावास की सुविधा सीमित है और यह छात्रों योग्यता और उपलब्धता के आधार पर प्रदान की जाती है।

वर्ष के दौरान कुलपति के कार्यक्रम 2020-21

- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.अशोक ऐमा ने "नैक रजत जयंती समारोह" में भाग लिया, जिसे भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री एम वेंकैया नायडू ने 07 जनवरी 2020 को राजभवन, बंगलूरू के ग्लास हाउस में संबोधित किया। ।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो . अशोक ऐमा ने शनिवार 18 जनवरी, 2020 को यूजीसी डीआरएस एसएपी -III के लिए सलाहकार समिति में भाग लेने के लिए सरदार पटेल विश्वविद्यालय, गुजरात का दौरा किया और सरदार पटेल विश्वविद्यालय गुजरात के जी एच पटेल स्नातकोत्तर व्यापार प्रबंधन संस्थान में सम्मानित अतिथि के रूप में "भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था के रूपांतरण " विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भी भाग लिया।
- 23 जनवरी, 2020 को आंतरिक विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र , अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली के महर्षि कन्नड सभागार में योगिक विज्ञान हेतु आंतरिक विश्वविद्यालय, बेंगलुरु (आईयूसीवाईईएस) की एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर पूर्व माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ.रमेश पोखरियाल निशंक मुख्य अतिथि थे। कार्यशाला में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने शिक्षा विभाग की प्रोफेसर डॉ.किरण और लोक नीति एवं लोक प्रशासन विभाग की सहायक आचार्य डॉ.रूची चौधरी के साथ कार्यशाला में भाग लिया।
- 24 जनवरी, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो . अशोक ऐमा ने श्रीनगर के राज्य अतिथि गृह में माननीय शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' द्वारा बुलाई गई बैठक में भाग लिया।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने 27 से 28 जनवरी, 2020 तक यूजीसी द्वारा गठित टीम के अध्यक्ष के रूप में कॉलेज को स्वायत्त दर्जा देने के लिए भारतीय लागत एवं प्रबंधन अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान पुणे का दौरा किया।
- 30 जनवरी, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने नीति आयोग, संसद मार्ग, नई दिल्ली में नीति आयोग के उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में हिमालयीन राज्यों के 13 केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक में भाग लिया।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.अशोक ऐमा को 08 फरवरी, 2020 को आईआईएम जम्मू में आयोजित 'प्रथम नेतृत्व सम्मेलन' में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। जम्मू-कश्मीर क्षेत्र के अन्य कुलपतियों/निदेशकों के साथ " ज्ञान अर्थव्यवस्था में शिक्षा जगत की उभरती भूमिका" के पैनल पर चर्चा भी हुई।
- 04 मार्च, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.अशोक ऐमा ने नई दिल्ली के आजाद भवन स्थित आईसीसीआर में आयोजित आईसीसीआर की आम सभा की बैठक में भाग लिया।
- 14 मार्च, 2020 को जम्मू-कश्मीर के सरकारी डिग्री कॉलेज सांबा में साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित " डोगरी साहित्य में मानवतावाद और महानगरीयवाद" पर संगोष्ठी में कुलपति प्रो. अशोक ऐमा को साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

- 16 मार्च, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.अशोक ऐमा को राजकीय पीजी कॉलेज राजौरी ने दो दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान और कला सम्मेलन के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया था।
- 04 अप्रैल, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने केंद्रीय विश्वविद्यालयों के अकादमिक और प्रशासनिक कामकाज के लिए कोविड -19 महामारी से उत्पन्न खतरों से निपटने के बारे में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' जी, द्वारा आयोजित बैठक में भाग लिया।
- 07 मई, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो .अशोक ऐमा को परिणाम आधारित शिक्षा पर संकाय विकास कार्यक्रम" शीर्षक पर वेबिनार के लिए ए.पी.जी, शिमला विश्वविद्यालय आमंत्रित किया गया था।
- 08 मई, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो .अशोक ऐमा ने कोविड-19 महामारी के दौरान (जेएंडके) के विश्वविद्यालयों कामकाज पर चर्चा करने के लिए कुलपति मंच की ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।
- 12 मई, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो .अशोक ऐमा ने नीति आयोग के अध्यक्ष द्वारा बुलाई गई हिमालयी क्षेत्र के केंद्रीय विश्वविद्यालयों के सह व्यवस्था की ऑनलाइन बैठक में भाग लिया था।
- 27 मई, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने नीति आयोग के उपाध्यक्ष द्वारा बुलाई गई हिमालयी क्षेत्र के केंद्रीय विश्वविद्यालयों के सह-व्यवस्था की ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।
- 28 मई, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.अशोक ऐमा ने नैक वेब मंच पर माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' जी द्वारा चुनौतियों को अवसर बनाना कोविड- 19-महामारी और भारत की उच्च शिक्षा में समस्यों के उपाय पर ऑनलाइन संबोधन में भाग लिया।
- 10 जून, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.अशोक ऐमा ने कलाम विज्ञान एवं प्रौद्यिगिक केंद्र की ऑनलाइन शासन परिषद की बैठक में भाग लिया था।
- 13 जून, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.अशोक ऐमा ने हरियाणा के श्री विश्वकर्मा स्किल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दल के सदस्य के रूप में कुलपति ई-कॉन्क्लेव में भाग लिया।
- 15 जून, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.अशोक ऐमा को ग्लोब्ल काउंटर ट्रेयोज्यिम कॉऊंसिल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "सामाजिक-आर्थिक विकास के बाद जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन" विषय पर आभासी मंथन सत्र की एक श्रृंखला "जीसीटीसी मंथन" में अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- 23 जून, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने बाबा गुलाम शाह बदशाह विश्वविद्यालय राजौरी के अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी विद्यालय की 09 वीं शासकीय मंडल बैठक में भाग लिया जो ऑनलाइन माध्यम में आयोजित किया गया था।

- 26 जून, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो . अशोक ऐमा ने बाबा गुलाम शाह बादशाह विश्वविद्यालय राजौरी के अभियांत्रिकी एंव प्रौद्योगिकी विद्यापीठ की 10वीं शासकीय मंडल की बैठक में भाग लिया जो ऑनलाइन माध्यम में आयोजित किया गया था।

- 23 जुलाई को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.अशोक ऐमा को जम्मू-कश्मीर के बारामुला के एसएसएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पट्टन के बिजनेस स्कूल द्वारा आयोजित वेबिनार "क्रूसिबल्स ऑफ लीडरशिप इन पेंडेमिक सिचुयेशन" पर विशेष वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

- 27 जुलाई को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.अशोक ऐमा को शेरे कश्मीर कृषि विज्ञान प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू ने उजाला पीजी महिला छात्रावास और 3 बीएचके आवासीय क्वार्टरों के उद्घाटन समारोह में आमंत्रित किया गए थे।

- 07 सितंबर, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने उच्च शिक्षा को बदलने में राष्ट्रीय शैक्षिक नीति 2020 (NEP-2020) की भूमिका पर चर्चा करने के लिए माननीय राष्ट्रपति द्वारा बुलाए गए राज्य विश्वविद्यालयों के राज्यपाल/उप राज्यपाल/कुलपतियों के एक दिवसीय वीडियो कांफ्रेंसिंग में भाग लिया।

- 29 अक्तुबर, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने यूजीसी द्वारा एकीकृत उच्च शिक्षा प्रणाली विषय पर कार्यान्वयन योजना तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समूह की पहली वीडियो कांफ्रेंसिंग की बैठक में भाग लिया।

- 31 अक्तुबर , 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.अशोक ऐमा को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर के TEQIP-3 कार्यक्रम के तहत आयोजित ऑनलाइन कैरियर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

- 05 नवंबर, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने यूजीसी द्वारा एकीकृत उच्च शिक्षा प्रणाली विषय पर कार्यान्वयन योजना तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समूह की पहली वीडियो कांफ्रेंसिंग की बैठक में भाग लिया।

- 06 नवंबर, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा को अमेटी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश द्वारा "बदलते भारत के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन" पर वर्चुअल राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए विशिष्ट वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

- 06 नवंबर, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अशोक ऐमा ने नैक, बैंगलोर की ऑनलाइन कार्यकारी समिति की बैठक में भाग लिया।

- 27 नवंबर, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा को एचआरडीसी, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला ने कॉलेज/विश्वविद्यालय के शिक्षकों की व्यावसायिक क्षमता बढ़ाने हेतु नेतृत्व विकास कार्यक्रम पर ऑनलाइन कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया था।

- 30 नवंबर, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.अशोक ऐमा ने बाबा गुलाम शाह बादशाह विश्वविद्यालय राजौरी के अभियांत्रिकी एंव प्रौद्योगिकी विद्यापीठ की 11वीं शासक मंडल की बैठक में भाग लिया जो ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया था।
- 30 नवंबर, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.अशोक ऐमा ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने के संबंध में जम्मू सिविल सचिवालय में माननीय सलाहकार (बी) द्वारा बुलाई गई बैठक में भाग लिया।
- 31 दिसंबर, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.अशोक ऐमा ने बाबा गुलाम शाह बादशाह विश्वविद्यालय राजौरी के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की 12वीं बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक में भाग लिया, जो ऑनलाइन माध्यम में आयोजित की गई थी।

शैक्षिक सत्र 2020-21

शैक्षणिक सत्र **2020-2021** के लिए संबंधित विभागों में स्नातक, स्नातकोत्तर **4** वर्ष एकीकृत, **5** वर्षीय एकीकृत और पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले छात्रों/शोधार्थियों का विवरण इस प्रकार है।

स्नात्कोत्तर कार्यक्रम (**2** वर्ष) **2020-21**

क्रम संख्या	विद्यालय	विभाग	छात्रों का प्रवेश
1	व्यवसाय अध्ययन स्कूल	एचआरएम और ओबी विभाग	50
2		पर्यटन प्रबंधन और यात्रा विभाग	32
3		विपणन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग	45
		एम.बी.ए समान्य	30
4	ज्ञान प्रबंधन स्कूल, सूचना एंड मीडिया अध्ययन	जनसंचार विभाग और नया मीडिया	34
5	आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय	कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग	29
6		गणित विभाग	48
7		भौतिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	21
8	विद्यालय शिक्षा	शैक्षिक अध्ययन विभाग	41
9	मानविकी और सामाजिक विज्ञान विद्यालय	अर्थशास्त्र विभाग	48
10		लोक प्रशासन नीति और प्रशासन विभाग	30
11		समाजशास्त्र और सामाजिक कार्य विभाग	34
12		तुलनात्मक धर्म और सभ्यताएं	
13	भाषा स्कूल	अंग्रेजी विभाग	36
14		हिंदी और अन्य भाषाओं का विभाग	20
15	जंतु विज्ञान विद्यालय	पर्यावरण विज्ञान विभाग	47
16		आणविक जीव विज्ञान के लिए केंद्र	9
17	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विद्यालय	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग	12
18	सामुदायिक महाविद्यालय	योग में एमए	22

स्नात्क पाठ्यक्रम (**3** वर्ष) **2020-21**

व्यावसायिक अध्ययन विद्यालय	बी. वॉक (रिटेल मैनेजमेंट)	20
	बी. वॉक (पर्यटन प्रबंधन)	0
	बी. वॉक (बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं)	33

एकीकृत यूजी-पीजी कार्यक्रम **5** साल **2020-21**

विद्यालय शिक्षा	बी ए-बी एड	45

एकीकृत यूजी-पीजी कार्यक्रम **5** साल **2020-21**

क्रम संख्या	स्कूल	विभाग	छात्र प्रवेश
1	प्राणी विज्ञान विद्यालय	वनस्पति एकिकृत स्नात्कोत्तर पाठ्यक्रम	49
2		प्राणि विज्ञान एकिकृत स्नात्कोत्तर पाठ्यक्रम	37
3	आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय	रसायन विज्ञान एकिकृत स्नात्कोत्तर पाठ्यक्रम	49
4		भौतिक विज्ञान एकिकृत स्नात्कोत्तर पाठ्यक्रम	45

वॉकेशनल/प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

2020-21

क्रम संख्या	स्कूल	विभाग	छात्रो का प्रवेश
1.	सामुदायिक विद्यालय	सौंदर्य कल्याण में डिप्लोमा	
2.		योग	29
3.		सौंदर्य कल्याण में डिप्लोमा	24
4.		सौंदर्य कल्याण में डिप्लोमा (मेक-अप)	5
5.		शैववाद	21
6.		रहस्यमय विचार	12
7.		भारतीय लिपियाँ	15

पी.एच.डी. कार्यक्रम 2020-21 सत्र के लिए

क्रम संख्या	स्कूल	विभाग	छात्रो का प्रवेश
1.	मानविकी और सामाजिक विज्ञान के स्कूल	अर्थशास्त्र	5
2.	स्कूल ऑफ एजुकेशन	शिक्षा	9
3.	आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय	गणित	4
4.	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विद्यालय	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन	4
5.	मानविकी और सामाजिक विज्ञान विद्यालय	लोक नीति और लोक प्रशासन	6
6.	विज्ञान विद्यालय	पर्यावरण विज्ञान	8
7.	आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय	कंप्यूटर साइंस एंड आई टी	9
8.	स्कूल ऑफ नॉलेज, मैनेजमेंट, इंफॉर्मेशन एंड मीडिया स्टडीज	जनसंचार और नए मीडिया	1
10.	भाषा विद्यालय	अंग्रेज़ी	3
11.	व्यवसाय अध्ययन विद्यालय	मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठानत्मक व्यवहार	3
12.		पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन	4
13		सामान्य एम बी ए	3
14.		विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	6
15.	भाषा विद्यालय	हिंदी	8
16.	आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय	सामग्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	2
17.		भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान	2
18.		रसायन विज्ञान एवं रासायनिक विज्ञान	4
19.	जीव विज्ञान विद्यालय	वनस्पति विज्ञान	1
20.		प्राणि विज्ञान	2
21.		जैव प्रौद्योगिकी	6
22.	मानविकी और सामाजिक विज्ञान	सी सी आर सी	2

शैक्षिणक सत्र 2020-21 में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में अध्ययन हेतु विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले छात्रों का लिंगवार, श्रेणीवार और राज्यवार प्रतिनिधित्व की सूची

विभाग	Intakecapacity	सामान्य			ओ बी सी			एस सी			एस टी			ई डब्ल्यू एस			कुल योग		
		पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
पर्यावरण अध्ययन	50	4	20	24	2	8	10	4	2	6	1	2	3	1	3	4	12	35	47
अर्थशास्त्र	45	8	16	24	3	5	8	3	5	8	2	4	6	1	1	2	17	31	48
अंग्रेज़ी	45	4	21	25	1	1	2	0	5	5	0	1	1	0	3	3	5	31	36
गणित	50	7	10	17	10	4	14	2	8	10	2	1	3	3	1	4	24	24	48
शैक्षिक अध्ययन एम एड	50	0	27	27	0	4	4	0	9	9	0	0	0	1	0	1	1	40	41
कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी	40	11	13	24	3	0	3	1	0	1	1	0	1	0	0	0	16	13	29
मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार	45	10	14	24	11	3	14	2	7	9	1	0	1	0	2	2	24	26	50
पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन	50	10	11	21	5	1	6	2	2	4	0	0	0	1	0	1	18	14	32
एम बी ए सामान्य	22	12	4	16	6	2	8	1	2	3	1	0	1	1	1	2	21	9	30
विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	45	22	4	26	11	1	12	6	0	6	0	0	0	1	0	1	40	5	45
लोक नीति एवं लोक प्रशासन	50	9	13	22	0	0	0	1	1	2	2	3	5	1	0	1	13	17	30
सामाजिक कार्य	50	1	14	15	8	1	9	0	3	3	1	5	6	0	1	1	10	24	34
जनसंचार एवं नए मीडिया	50	14	9	23	5	2	7	0	3	3	0	0	0	1	0	1	20	14	34

हिदी	50	2	12	14	0	0	0	1	3	4	1	0	1	0	1	1	4	16	20
भौतिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	35	6	12	18	1	0	1	1	1	2	0	0	0	0	0	0	8	13	21
राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन	50	5	5	10	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0	0	0	5	7	12
स्नात्कोत्तर आणविक केंद्र	10	1	4	5	1	1	2	0	1	1	0	0	0	0	1	1	2	7	9
योग में एमए	35	11	11	22	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	11	11	22
भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान	45	10	4	14	11	5	16	2	6	8	3	1	4	2	1	3	28	17	45
रसायन विज्ञान एवं रासायनिक विज्ञान	45	10	11	21	11	3	14	3	5	8	2	1	3	2	1	3	28	21	49
वनस्पतिशास्त्र	45	10	22	32	1	2	3	2	5	7	2	2	4	1	2	3	16	33	49
जंतुविज्ञान	45	4	17	21	2	1	3	1	6	7	0	3	3	1	2	3	8	29	37
बीए बीएड	45	10	12	22	9	4	13	3	1	4	2	0	2	3	1	4	27	18	45
योग	30	12	15	27	0	0	0	1	1	2	0	0	0	0	0	0	13	16	29
सौंदर्य कल्याण में डिप्लोमा	30	0	21	21	0	2	2	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	24	24
सौंदर्य कल्याण में डिप्लोमा (मेकअप)	30	0	3	3	0	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	1	1	4	5
सौंदर्य कल्याण में सर्टिफिकेट कोर्स	30	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
शैववाद	25	6	14	20	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	6	15	21
रहस्यमय विचार	25	4	5	9	0	0	0	2	1	3	0	0	0	0	0	0	6	6	12
भारतीय लिपियां	25	8	3	11	1	1	2	0	0	0	2	0	2	0	0	0	11	4	15
बी. वॉक टी.एम	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
बी. वॉक .आर एम	30	14	1	15	2	0	2	1	0	1	0	1	1	1	0	1	18	2	20
बी. वॉक बी एफ एस	30	13	5	18	5	0	5	3	2	5	1	1	2	3	0	3	25	8	33
कुल	1252	238	353	591	109	53	162	42	81	123	24	26	50	25	21	46	438	534	972

स्नातकोत्तर कार्यक्रम में 2020-21 में प्रवेश लेने वाले छात्रों का राज्यवार प्रतिनिधित्व

	जम्मू	लेह	कर्नाटक	हिमाचल प्रदेश	केरल	पंजाब	बिहार	तेलंगाना	राजस्थान	हरियाणा	ओडिशा	झारखंड	दिल्ली	आंध्र प्रदेश	उत्तराखण्ड	आध्रप्रदेश	महाराष्ट्र	पश्चिम बंगाल	मध्यप्रदेश	तमिल नाडु	छतीसगढ
पर्यावरण अध्ययन	44	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अर्थशास्त्र	45	1	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अंग्रेज़ी	32	0	0	0	2	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
गणित	39	2	0	0	0	1	3	0	0	1	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
शैक्षिक अध्ययन एम.ई.एड	41	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी	27	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
मानव संसाधन प्रबंधन और संगठनात्मक व्यवहार	34	0	0	0	8	2	4	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0
पर्यटन और यात्रा प्रबंधन	20	0	0	1	5	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	0	0	0	0	0	0
एम.बी.ए समान्य	19	0	0	2	3	0	0	0	1	1	0	0	1	0	0	2	1	0	0	0	0
विपणन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	33	0	0	0	6	0	2	0	1	0	0	1	0	0	0	2	0	0	0	0	0
लोक नीति और लोक प्रशासन	28	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
सामाजिक कार्य	25	2	0	0	6	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
जनसंचार और नए मीडिया	23	0	0	0	5	0	2	0	1	0	0	0	1	0	0	1	1	0	0	0	0
हिंदी	19	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
भौतिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी	19	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0
राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन	10	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अणुजैविक केंद्र में स्नात्कोत्तर	9	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
योग में एमए	22	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

भौतिकी और खगोलीय विज्ञान	**29**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**5**	**1**	**9**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
रसायन विज्ञान और रासायनिक विज्ञान	**36**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**1**	**0**	**3**	**0**	**2**	**0**	**1**	**0**	**0**	**4**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**
वनस्पतिशास्त्र	**46**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
जंतुविज्ञान	**30**	**2**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
बीए बीएड	**29**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**9**	**1**	**2**	**0**	**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**
योग पाठ्यक्रम प्रमाणपत्र	**29**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
ब्यूटी एंड वेलनेस में डिप्लोमा	**24**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
ब्यूटी एंड वेलनेस **(Makeup)** में डिप्लोमा	**5**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
ब्यूटी एंड वेलनेस पाठयक्रम में प्रमाणपत्र	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
शैशववाद	**7**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**3**	**0**	**0**	**4**	**4**	**0**	**0**	**0**	**1**
रहस्यमय विचार	**10**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**
भारतीय लिपियां	**7**	**1**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**2**	**0**	**1**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**2**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
बी.वॉक. टीएम	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
बी.वॉक आर एम	**15**	**0**	**0**	**0**	**3**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**
बी.वॉक. बी एफ एस	**21**	**1**	**0**	**0**	**0**	**1**	**6**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**1**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**
	777	**11**	**1**	**4**	**44**	**6**	**46**	**8**	**18**	**4**	**6**	**4**	**9**	**3**	**1**	**18**	**7**	**2**	**1**	**1**	**1**

एकीकृत एम.फिल.-पी.एच.डी. कार्यक्रम में शैक्षिणक सत्र 2020-21 में प्रवेश प्राप्त विद्वानों का लिंगवार, श्रेणीवार और राज्यवार प्रतिनिधत्व

ए. श्रेणीवर्ग- लिंग, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ओबीसी/पीडब्ल्यूडी :

विभाग																			
पर्यावरण अध्ययन	7	3	1	4	0	2	2	0	1	1	0	1	1	0	0	0	3	5	
अर्थशास्त्र	2	0	2	2	0	1	1	2	0	2	0	0	0	0	0	0	2	3	
अंग्रेज़ी	3	0	2	2	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	2	
गणित	3	0	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	0	0	1	1	2	2	
शैक्षिक अध्ययन	5	1	3	4	0	2	2	1	1	2	1	0	1	0	0	0	3	6	
कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्यिगिकी	5	3	3	6	1	0	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	4	5	
मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार	5	1	1	2	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	1	2	
पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन	4	1	1	2	1	0	1	1	0	1	0	0	0	0	0	0	3	1	
एम बी ए सामान्य	5	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	3	
विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	8	2	2	4	1	0	1	1	0	1	0	0	0	0	0	0	4	2	
लोक नीति एवं लोक प्रशासन	4	2	0	2	1	1	2	0	0	0	0	1	1	1	0	1	4	2	
जनसंचार एवं नए मीडिया	3	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	
हिंदी	8	1	3	4	2	0	2	2	0	2	0	0	0	0	0	0	5	3	
पदार्थ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	5	1	1	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	
राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन	3	3	0	3	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	4	0	
भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान	2	1	1	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	
रसायन विज्ञान एवं रासायनिक विज्ञान	6	1	1	2	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0	0	0	1	3	
वनस्पतिशास्त्र	1	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	
जंतुविज्ञान	2	1	0	1	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	
सी एम बी	6	1	2	3	1	1	2	0	1	1	0	0	0	0	0	0	2	4	
सी सी आर सी	3	0	0	0	1	1	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	
	90	22	27	49	10	11	21	9	7	16	1	3	4	1	1	2	43	49	

पी.एच.डी. कार्यक्रमों में राज्यवार शोधार्थियों की भर्ती

राज्य विभाग	जम्मू	उत्तर प्रदेश	हिमाचल प्रदेश	बिहार	हैदराबाद	चंडीगढ़	केरल	महाराष्ट्र	ओडि श	आंध्र प्रदेश	नई दिल्ली	राजस्थान	झारखंड	उत्तराखंड	कोलकता	हरियाणा
पर्यावरण अध्ययन	7	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अर्थशास्त्र	4	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अंग्रेज़ी	2	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
गणित	3	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
शैक्षिक अध्ययन	8	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी	8	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
मानव संसाधन प्रबंधन और संगठनात्मक व्यवहार	2	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0
पर्यटन और यात्रा प्रबंधन	1	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0
एम बी ए समान्य	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0	0
विपणन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	1	1	1
लोक नीति और लोक प्रशासन	4	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0
जनसंचार और नए मीडिया	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0
हिंदी	3	3	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0
पदार्थ विज्ञान और प्रौद्योगिकी	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन	2	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
भौतिकी और खगोलीय विज्ञान	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
रसायन विज्ञान और रासायनिक विज्ञान	4	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
व वनस्पतिशास्त्र	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
जंतुविज्ञान	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
सीएमबी	3	1	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
सी सी आर सी	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0
	56	9	6	3	1	1	1	1	2	1	4	2	1	1	1	2

विभाग
गतिविधयां/उपलब्धियां

पर्यावरण विज्ञान विभाग

➢ विभाग के संबंध में

2012 में स्थापित पर्यावरण विज्ञान विभाग वार्षिक प्रविष्ट क्षमता 50 के साथ पर्यावरण विज्ञान में एम.एस.सी पाठ्यक्रम प्रस्तावित कर रहा है, 09वॉ बैच के छात्रों का प्रवेश हुआ है एवं 08वॉ बैच के छात्र पहले ही उत्तीर्ण हो चुके हैं। विभाग पर्यावरण विज्ञान में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए ध्यान केंद्रित कर रहा है, जो संघर्ष के दौर में विकास की स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण हो गया है, जो मानव सभ्यता का सामना करने वाले भू-पर्यावरणीय मुद्दों सहित ग्रह, पृथ्वी पर संयंत्र, पृथ्वी पर पशु और मानव जीवन को काफी हद तक प्रभावित करता है।

विभाग अपने छात्रों को रोजगार बाजार और अनुसंधान नवाचारों में वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए निरंतर समीक्षा, संशोधन और पाठ्यक्रम को अद्यतन करने के माध्यम से तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि इस अनुशासन में किए गए अग्रिम, अनुसंधान और विकास के उभरते क्षेत्रों और पर्यावरणीय समस्याओं को समझने और सुधारने के लिए नई प्रौद्योगिकियों के साथ तालमेल बनाए रखा जा सके । वर्तमान पाठ्यक्रम यूजीसी द्वारा अनुशंसित विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली के अनुरूप है जिसमें छात्रों को ऊर्जा संरक्षण, वायुमंडलीय विज्ञान, पर्यावरण भूविज्ञान और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के विशेषज्ञ को विकल्प दिया गया है। शिक्षण अभिक्षमता पारंपरिक कक्षा शिक्षण की तुलना में शिक्षार्थी उन्मुख है। प्रयोगशाला एवं कार्य क्षेत्रों में छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण देने पर जोर दे रहा है।

हमारे विभाग का शिक्षण और अनुसंधान दोनों में एक प्रतिष्ठित स्थान है। संकाय सदस्य उत्कृष्ट शैक्षिक स्तर के है। उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। कई संकाय सदस्यों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्डों में सेवा तथा एक नियमित आधार पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के लिए लेख की समीक्षा हेतु संगोष्ठी का आयोजन किया है । पाठ्यक्रम प्रतिष्ठित संकाय द्वारा शैक्षिक उत्कृष्टता और समर्पण एवं प्रतिबद्धता के साथ व्यावहारिक अनुभव के साथ सिखाया जाता है| हमारे पाठ्यक्रम का प्राथमिकता छात्रों को तकनीकी जानकारी प्रदान करना, उनकी समस्या को सुलझाने के कौशल और नई प्रौद्योगिकियों के नवाचार को बढ़ावा देना है| विभाग छात्रों को उनकी रुचि के अनुसार विकल्पों में व्यापक स्पेट्रम प्रदान करने के लिए बड़ी संख्या में वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। पाठ्यक्रम सामग्री को समय-समय पर नए वैज्ञानिक और तकनीकी विकास के साथ शुरू करने के लिए अद्यतन किया जाता है। विभाग एक संतुलित पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा है जिसका उद्देश जाने माने स्नातकों को तैयार करना हैं | हम अक्सर अपने शिक्षण पद्धतयों की समीक्षा करते हैं एवं शिक्षा की गुणवत्ता और पाठ्यक्रम के मामले में आगे रहने की दिशा में कुछ सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं और पहलों को लागू करने का प्रयास करते हैं । हमारे प्रदर्शन को मापने के लिए, नियोक्ताओं, छात्रों, संकाय सहित सभी हितधारकों से प्रतिक्रिया एकत्र

की जाती है, विश्लेषण किया जाता है और पाठ्यक्रम सामग्री और अभिकलन , वितरण पद्धति और मूल्यांकन प्रक्रियाओं सहित हमारी प्रक्रियाओं में सुधार के लिए उपयोग किया जाता है ताकि उन्हें बाजार की बदलती आवश्यकताओं के साथ लगातार जोड़ा जा सके।

इन सभी जानकारियों के साथ एक हमारे छात्रों को मेहनती, व्यावहारिक उन्मुख और किसी भी काम के माहौल में प्रभावी पाता है। हमने पेशेवर ज्ञान और व्यक्तिगत कौशल के बीच संतुलन बनाने के लिए अपना पाठ्यक्रम तैयार किया है। हमें विश्वास है कि हमारे वर्तमान पाठ्यक्रम ने नवोदित प्रबंधकों के समग्र विकास को कॉर्पोरेट जगत की अपेक्षाओं पर खरा उतरने में सक्षम बनाया है। हमारा विभाग सहयोगात्मक और अंत:विषय अनुसंधान करने के लिए सक्रिय अनुसंधान समूहों को बनाए रखता है। हमारे पास अपने अकादमिक कार्यक्रमों और अनुसंधान का समर्थन करने के लिए अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाएं हैं , अनुसंधान के लिए वित्तपोषण (पिछले पांच वर्षों के दौरान लगभग एक करोड) हमें अपने अनुसंधान के बुनियादी ढांचे को बनाए रखने और आधुनिक बनाने में मदद करते हैं। हमारे पूर्व छात्र प्रकोष्ठ हमारे सभी पूर्व छात्रों के साथ अच्छे संबंधों को बनाए रखने के लिए लगातार काम कर रहा है, जो विभाग के सबसे मूल्यवान उपलब्धियां हैं। हम हमेशा हमारे पूर्व छात्रों की सलाह लेते है कि वह किस प्रकार बेहतर रूप में सहयोग कर सकते है|

- **वर्ष के दौरान प्रमुख उपलब्धियां**

फिस्ट : जल/ अपशिष्ट जल प्रबंधन युक्त जैव ऊर्जा उत्पादन प्रक्रियाओं पर उन्नत केंद्र के लिए उपकरणीय सुविधाओं की स्थापना, (कुल अवधि– 5वर्ष)(2020 के लिए स्वीकृत राशि Rs.50,00,000/- स्वीकृत वर्ष 2020) (SR/FST/ES-I/2020/74)

Flag Off ceremony of source apportionment Study of Aerosols in jammu was today held in CUJ

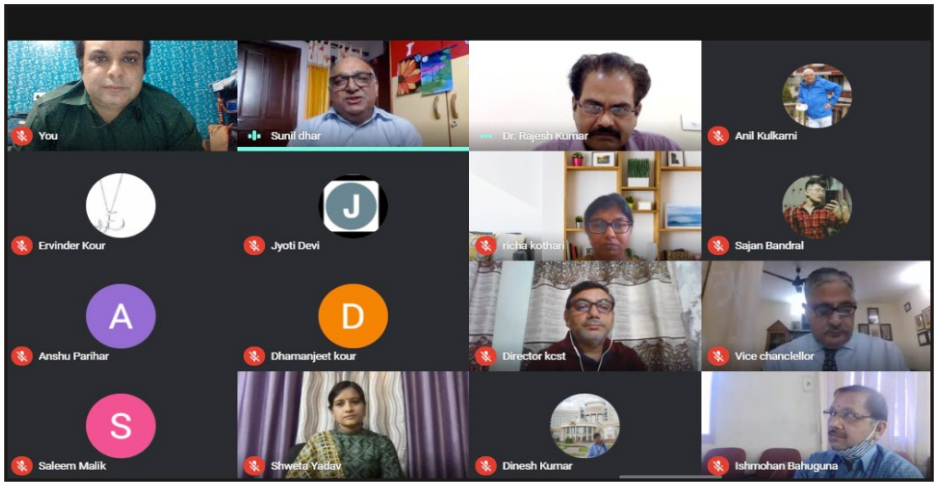

➢ **हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों का विवरण** :

- एमओईएफसीसी, जेकेपीसीबी और जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू के बीच त्रिपक्षीय समझौता

➢ **संकाय उपलब्धियां** 2020-21 **के दौरान** :

पर्यावरण विज्ञान विभाग के निदेशक प्रो. सुनील धर ने हिमालयन क्रायोस्फीयर पर 19-23 अक्टूबर, 2020 को Glacial recession and its impact on peri-glacial Geomorphology, Chandra basin, Lahaul and Spiti,Himcalpradesh,India, In an International Conference on Himalayan Cryosphere (ICHC-2020) पर एक आलेख प्रस्तुत किया।

डॉ. ऋचा कोठारी :

आमंत्रित अध्यक्षा, मुक्त प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गढ़वाल, 20 **जून** 2020 .

- **10** दिसंबर, **2020** को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग द्वारा आयोजित उन्मुखीकरण कार्यक्रम में "**Targets & Challenges of National Clean Air programme : Role & Responsibility of Media**" पर वार्ता आमंत्रित की गई।
- **24** नवंबर, **2020** को यूजीसी- मानव संसाधन विकास केंद्र , गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी अमृतसर द्वारा आयोजित पर्यावरण संरक्षण पर दो सप्ताह के ऑनलाइन पुनर्श्चया पाठ्यक्रम में "**Ice Nucleating Particles:sources, distribution and Implication**" पर वार्ता आमंत्रित किया गया।
- 25 सितंबर, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के वीगन आउटरीच एंड एनएसएस द्वारा आयोजित "Vegan diet a solution for better environment आमंत्रित किया।

- **सेमिनार, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में संकाय ने भाग लिया** (2020-21)

डॉ.अनीता सिंह ने गुरु नानक खालसा कॉलेज, यमुना नगर (हरियाणा), 02 जून, 2020 द्वारा आयोजित COVID 19 और पोस्ट लॉकडाउन अवसरों के दौरान पर्यावरण परिदृश्य पर ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

➢ संकाय प्रकाशन

एस धर, एस एस रंधवा, एस एस अरविंद, केवलइ., वी.चोउ, फु.भारी, एच अरूणकुमार (2021): भूकंपीय अध्ययन के लिए भारत के एन.डब्ल्यू हिमालय के धर्मशाला क्षेत्र में देखी गई निरंतर मृदागैस रा-डॉ.न. टाइम सीरीज के आंकड़ों का अपघटन। रेडियोएनालिटिकल और न्यूक्लियर केमिस्ट्री जर्नल https:/doi.org/10.1007/s10967-020-07575-x

प्रशांता एम, अरुण कुमार, धार एस, वर्मा ओ, और शर्मा एस.(2021): उत्तर भारत के डेहर वाटरशेड (हिमाचल प्रदेश) वाटरशेड की प्राथमिकता - में मृदा क्षरण संवेदनशीलता का आकलन करने के लिए मॉर्फोमेट्रिक लक्षण वर्णन और उप हिमालय भूविज्ञान, Vol 42(2) pp 140-154.

रंधावा, एस. एस, धर. एस, राठौड़, बीपी, कुमार, आर , ठाकुर, एन, राणा पी, राणा, डी.सी.और तालूर, ए, (2021): सतलुज रवि, और ब्यास बेसिन ओ हिमाकैल प्रदेश में हिमालय में जल, च्योस्फीयर और जलवायु परिवर्तन में मोरेन डैममेड झील की सूची। भौतिक पर्यावरण का भूगोल। स्प्रिंगर नेचर, स्विट्जरलैंड https://doi.org/10.1007/978-3-030-67932-3.

अजय कुमार तलूर, गिरीशचंद्र कोठियारी, द्रजिंदर सिंह मन्हास, हरिश बिष्ट, पंकज मेहता, मीनाक्षी शर्मा, सुगांधा महाजन, सागरिका रॉय, अनिल कुमार सिंह, साजिद अली (2021) भूई ग्लेशियर-जांस्कर हिमालय स्थानिक प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके लौकिक परिवर्तन क्वाटरर्नरी साइंस एडवांसेज -भारत में स्थानिक **https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S2666 033421000101**

आई. मुखर्जी, यू.के. सिंह, आर.पी.सिंह, डी. कुमारी, पी.के. झा, पंकज मेहता, (2020) पूर्वी भारत के मानवजाति और भूगर्भीय रूप से प्रभावित अर्ध-शुष्क क्षेत्र में भारी धातु प्रदूषण का लक्षण वर्णन और पारिस्थितिक और मानव स्वास्थ्य जोखिमों का आकलन *Science of the total Environment* https://doi.org/10.1 016/j.scitotenv.201 9.135801

सिंह. ए, बाजर. एस, देवी, ए और बिश्नोई. एन.आर, (2021) ठोस राज्य जैव परिवर्तन के माध्यम से सेल्यूलेस और जाइलनेस उत्पादन के लिए कृषि औद्योगिक कचरे के लिए मूल्य जोड़ना बायोमास रूपांतरण और-बायोरिफाइनरी, 1-10. **(IF 4.98)**

देवी ए , सिंह ए, बाजर, एस और पंत. डी (2021). लिग्नोसेल्यूलोसिक बायोमास से इथेनॉलउपचार विधियों-पूर्व :, किण्वन दृष्टिकोण और विषहरण प्रक्रियाओं का गहन विश्लेषण पर्यावरण रसायनिक अभियंत्रिकी पत्रिका 105798, 2021**(IF 5.9)**

देवी, ए, सिंह, ए, बाजर, एस और ओवामा , तरल जैव ईंधन उत्पादन में एच आई नैनोमटेरियल : एप्लीकेशन एंड परजेंटस सिच्युएशन पर्यावरणीय स्थिरता, 1-11, 2021

सिंह, ए, बाजर, एस, देवी, ए और बिश्नोई, एनआर . (2021). जलमग्न और ठोस राज्य किण्वन के तहत एस्परगिलुसिगर और एस्परगिलुशेटेरोमॉर्फस से सेल्यूलस उत्पादन का मूल्यांकन . *Environmental Sustainability*, 1-6.

सिंह, ए, बाजर, एस, देवी, ए और पंत, डी, (2021). फंगल सेल्यूलस उत्पादन और उनके औद्योगिक अनुप्रयोगों में हाल की घटनाओं पर एक अवलोकन बायोरेसोर्स टेक्नोलॉजी रिपोर्ट , 100652.

एस बाजर,एसिंह ., कौशिक, सीकौशिक .और ए .पी., (2021). पोषक तत्वों के इंटरैक्टिव प्रभाव के तहत लैंडफिल से मीथेन उत्सर्जन को कम करने के लिए डंपसाइट मृदा बायोकवर का उपयुक्तता आकलन पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान, *28*(2), 1519-1532.**(IF 4.2)**

कुमार, एसएस, घोष, पी., कटारिया, एन., कुमार, डी., ठाकुर, एस, डी पठानिया, वी कुमार, एम नसरुल्लाह और एल सिंह, 2021. अवायवीय पाचन में प्रवाहकीय नैनोकणों की भूमिकातंत्र :, वर्तमान स्थिति और भविष्य के दृष्टिकोण *Chemosphere*, *280*, p.130601.

पठानिया, डी, शर्मा, ए., कुमार, एसश्रीवास्तव ., एके ., कुमार, ए और सिंह, एल, 2021. सौर रोशनी के तहत ऑर्गेनोफॉस्फेट क्लोरपाइरिफोस के उत्प्रेरक क्षरण के लिए जैव संश्लेषित सीयू नैनोस्ट्रक्चर-जेडएनओ हेट्रो- *Chemosphere*, *277*, p.130315.

पठानिया, डी., धार, एस., शर्मा, ए. and श्रीवास्तव, ए के., 2021. अपशिष्ट जल से हानिकारक सैफरानिनटी का - रंगीकरण जो मंगेफेरा इंडिका को अग्रदूत के रूप में उपयोग करता है।पर्यावरणीय स्थिरता , *4*(2), pp.355-364.

चौधरी, एस, श्रियाचौहान , P., पठानिया, डी, पठानिया, एच, रितिका, चौधरी, एन. और शर्मा, एम, 2021. कैनबिस सतीवा एल, होर्डम वल्गेले एल और सिसर एरीटिनम पर सेवनिया सोमनिफेरा एल पत्ती अर्क के शाकनाशी प्रभाव L. *एलेलोपैथी जर्नल* , *53*(1), pp.69-81.

शर्मा, ए , पठानिया, डी . कुमार, ए., 2020. बायोपॉलिमर आधारित ट्रैगाकैंथ गम- (TG) Loaded Fe3O4 नैनोकम्पोसिट फॉर द सेक्रेस्टेशन ऑफ तेनासियस कांगो रेड डाई फ्राम वेस्ट वाटर *Journal of Material Science and Technology Research*, *7*, pp.92-100.

पठानिया, डी., श्रीवास्तव, ए.के. और ए. शर्मा, 2021. बायो-इंसपार्यड फेब्रीकेशन ऑफ **Cu-ZrO2** नैनोकम्पोसिटस फॉर द रेमिडियेशन ऑफ **Cr (VI)** फ्राम वाटर सिस्टम *Current Research in Green and Sustainable Chemistry*, *4*, p.100073.

कुमार, ए., पठानिया, डी., गुप्ता, एन., राज, पी . and शर्मा, ए., 2020. Photo-degradation of noxious pollutants from water system using Cornulaca monacantha stem supported ZnFe2O4 magnetic bio-nanocomposite. *Sustainable Chemistry and Pharmacy*, *18*, p.100290.

पठानिया, डी और श्रीवास्तव, एके 2020. Advances in nanoparticles tailored lignocellulosic biochars for removal of heavy metals with special reference to cadmium (II) and chromium (VI). *Environmental Sustainability*, pp.1-14.

पठानिया, डी., सूद, एस ., सैनी, एके, कुमारी, एसअग्रवाल ., एसऔर गुप्ता ., वी के, 2020. Studies on anticancerious and photocatalytic activity of carboxymethyl cellulose-cl-poly (lactic acid-co-itaconic acid)/ZnO-Ag nanocomposite. *Arabian Journal of Chemistry*, *13*(9), pp.6966-6976.

पठानिया, डी ., शर्मा, ए. और श्रीवास्तव, एके 2020. Modelling studies for remediation of Cr (VI) from wastewater by activated Mangifera indica bark. *Current Research in Green and Sustainable Chemistry*, *3*, p.100034.

वर्मा, सी., पठानिया, डीएस अंजुमन और गुप्ता बी . 2020. Smart designing of tragacanth gum by graft functionalization for advanced materials. *Macromolecular Materials and Engineering*, *305*(4), p.1900762.

पीनेगी., जी शर्मा, सी वर्मा, गर्ग पी, सी राठोर, सी कुलश्रेष्ठ, एस लाल, यू आर गुप्ता, बी डी पठानिया 2020. Novel thymoquinone loaded chitosan-lecithin micelles for effective wound healing: Development, characterization, and preclinical evaluation. *Carbohydrate polymers*, *230*, p.115659.

ए.के.पाण्डे, रेजी कुमार, आर बी कालिदसन, इमतिएज अली लघरी, एम.शय्कनो , रिचा कोठारी, अब्दुल्ल एम अबुसरोह, कमला शर्मा , वी .वी. त्यागी, 2021. Utilization of solar energy for wastewater treatment: Challenges and Progressive Research Trends. Journal of Environmental Management (Accepted)

प्रदीप के माझी , रिफ्ता आजम, रिचा कोठारी,एन.के.अरोरा, वी.वी.त्यागी July 2021.Impact of flow rate in integration with solar radiation on color and COD removal in dye contaminated textile industry wastewater: optimization study. Energy Engineering (ISSN:1546-0118). (Article in Press).

रिचा कोठारी, साहब सिन्हा, हर मोहन सिंह , राजीव प्रताप सिंह, भास्कर सिंह, दीपक पठानिया,अनीता सिंह श्वेता यादव, तनु अलीन, सोहिनी सिंह विनीत वीर त्यागी . 2021.COVID-19 and Waste management in Indian scenario: Challenges and possible solutions. Environmental Science and Pollution Research (Article in Press).

एस. फातिमा, ए. सहगल, एस.के.मिश्रा, यू.मीना, वी. गोयल, एन. विजयन, जेएस तावले, ऋचा कोठारी, अहलावत, सी. June 2021. "पार्टिकल कम्पोजिशन एंड मॉफोलोजी ओवर अर्बन एनवार्येनमेंट (नई दिल्ली) प्लासिबल इफैक्टस ऑन वीट लिव्ज़" Environmental Research (Article in Press).

ऋचा कोठारी, आर्य पांडे, शमशाद अहमद, हर मोहन सिंह, विनायक वी पाठक, वीवी त्यागी, कपिल कुमार, अहमत साड़ी 2021. यूटिलाईज़ेशन ऑफ कलोरिला प्रोनोइडोस फॉर रेमिडियेशन ऑफ कॉमन एफलुंयेंट ट्रीटमेंट प्लांट वेस्ट वाटर इन कपलिंग विद कोरिलेशन स्टडी : एन एक्सपेरिंमेंटल अप्रोच" Bulletin of Environmental Contamination and Toxicology; https://doi.org/10.1007/s00128-021- 03292-7.

शमशाद अहमद, ऋचा कोठारी, विनायक वी पाठक, वी.वी.त्यागी, एके पांडे, अहमत साड़ी 2021. रिसपॉन्स सर्फेस मैथडोलोजी-बेस्ड एक्सट्रेक्शन ऑप्टीमाईज़ेशन विद एप्लीकेशन ऑफ ‘तब्स४ एज़ नॉवल क्यैन्चिंग एजेंट फॉर एन्हान्समेंट ऑफ बायो आयल यील्ड फ्राम जटोरफा क्यूरकस एंड क्लोरिला प्रायीनोईडोस. बायोमास कनर्वज़न एंड बायोरिफाईनरी (Article in Press).

वी वी त्यागी, के.चोपड़ा, बी.कालीदान, आदित्य चौहान, यू. स्ट्रीडीह, संजीव आनंद, एके पांडे, अहमत सारिका, ऋचा कोठारी October 2021. फेज़ चेंज़ मैटिरियल बेस्ड एडवांस सोलर थरमल एनर्जी स्टोरेज सिस्टम फॉर बिल्डिंग हीटिंग एंड कूलिंग एप्लीकेशनज़ : ए प्रासपैक्टिव रिसर्च अप्रोच, सस्टेनेबल एनर्जी टैक्नोलोज़िस एंड असैसमेंटज़ Volume 47. https://doi.org/10.1016/j.seta.2021.101318

ऋचा कोठारी, अनीता सिंह, एके पांडे, वीवी त्यागी, Dilfuza Egamberdieva, Sonoko D Bellingrath-Kimura, नवीन कुमार अरोड़ा , May, 2021. Valorization of bio-wastematerial: future dimensions for path towards sustainability; Environmental Sustainability 4, pages199–200; https://doi.org/10.1007/s42398-021-00191-9.

गगनदीप कौड़, ऋचा कोठारी, सुनील धर, दीपक पठानिया, वीवी त्यागी। May 2021. Impact assessment on water quality in the polluted stretch using a cluster analysis during pre- and COVID-19 lockdown of Tawi river basin, Jammu, North India: an environment resiliency. Energy Ecology and Environment.https://doi.org/10.1007/s40974-021-00215-4.

सोनिका कुमारी, ऋचा कोठारी, विनोद कुमार, पंकज कुमार, वीवी त्यागी May 2021. Kinetic assessment of aerobic composting of flower waste generated from temple in Jammu, India: a lab-scale experimental study. Environmental Sustainability. 4, pages393– 400. https://doi.org/10.1007/s42398-021-00179-5.

बी कालीडासन, के दीपिका, आर शंकर, एके पांडे, ऋचा कोठारी, प्रियंक अग्रवाल. May 2021. Numerical simulation of emission gas in coal thermal power plant for sustainable development. Environmental Sustainability. 4, 385–392.https://doi.org/10.1007/s42398-021-00180-y

प्रदीप के माझी, ऋचा कोठारी, एनके अरोड़ा, विमल चंद्र पांडे, वीवी त्यागी . May 2021. Impact of pH on Pollutional Parameters of Textile Industry Wastewater with Use of *Chlorella pyrenoidosa* at Lab Scale: A Green Approach. Bulletin of Environmental Contamination and Toxicology. https://doi.org/10.1007/s00128-021-03208-5.

शमशाद अहमद, ऋचा कोठारी, हर मोहन सिंह, वीवी त्यागी, भास्कर सिंह, अहमत सारी ; May 2021, Experimental investigation of microalgal harvesting with low cost bottom ash: Influence of temperature and pH with zeta potential and thermodynamic function; Environmental Technology & Innovation. Volume 22, 101376.

ऋचा कोठारी, शमशाद अहमद, एम सम्यकानो, वीवी त्यागी, एके पांडे, आर सैदुर ; 2021, Optimization of Extraction Process of Jatropha Oil by Using Quenching Agent; IOP Conference Series: Materials Science and Engineering, Vol.1127.(doi:10.1088/1757- 899X/1127/1/012003)

वीवी त्यागी, धीरज कुमार नगिला, जीवराज सेल्वाराज, कपिल चोपड़ा, ऋचा कोठारी, एके पांडे ; 2021, Thermal Energy Storage in Phase Change Material Integrated Solar Collectors for Air Heating Application, IOP Conference Series: Materials Science and Engineering,

आशीष पाठक, ऋचा कोठारी, मारी विनोबा, नाजिमा हबीबी, वीवी त्यागी , 2021, Fungal bioleaching of metals from refinery spent catalysts: A critical review of current research, challenges, and future directions, Journal of Environmental Management, Volume 280, 15February 2021, 111789.

गगनदीप कौर, रीचा कोठारी, हर मोहन सिंह दीपक पठानिया सुनील धर , 2021, Microbial leaching for valuable metals harvesting: versatility for the bioeconomy, Environmental Sustainability, Pp.1-15.

जितेंद्र कुमार सिंह, भावा चौरसिया, अनामिका दुबे, एलेक्सिस मैनुअल फैनीट नोगुएरा, अदिति गुप्ता, ऋचा कोठारी, चंद्रम प्रकाश उपाध्याय, अश्विनी कुमार, अबीर हालीम, अब्दुलअजीज ए अलकारवी, एलसईद फथी अब्द अल्लाह , 2021, Biological Characterization and Instrumental Analytical Comparison of Two Biorefining Pretreatments for Water Hyacinth (Eicchornia crassipes) Biomass Hydrolysis; Sustainability.

आजम, आर, कोठारी, आर, सिंह, एच.M, अहमद, एस, कुमार, वी ए और त्यागी, वी,वी, Production of algal biomass for its biochemical profile using slaughterhouse wastewater for treatment under axenic conditions. *Bioresource Technology*, 123116,2020 **(IF 5.087)**

पाठक, ए, विनोबा, एम और कोठारी, आर Emerging role of organic acids in leaching of valuable metals from refinery-spent hydroprocessing catalysts, and potential techno-economic challenges: A review. *Critical Reviews in Environmental Science and Technology*, 1-43,2020 **(IF 6.960)**

मकबूल, यू, त्यागी, ए, वी त्यागी और आर कोठारी .वी.. Optimization of the renewable-energy-based micro-grid for rural electrification in northern region of India. *Clean Technologies and Environmental Policy*, 1-12, 2020**(I F 2.4)**

एस अहमद., आर कोठारी , आर शंकरायण .. and वी त्यागी.वी.. Temperature dependent morphological changes on algal growth and cell surface with dairy industry wastewater: an experimental investigation. *3 Biotech*, 10:1, 24, 2020 **(IF 2.270)**

आईमुखर्जी., यूके सिह., आरकुमारी.पी., डी झा,पी मेहता .के.Characterization of heavy metal pollution in an anthropogenically and geologically influenced semi-arid region of east India and assessment of ecological and human health risks. *Science of The Total Environment*, 705, 135801, 2020 **(IF 5.9)**

यादव, **एस**, **गीतातू**, **एन .**स्वेन, बी., कुमारी, के., ओझा, एन और गुंथे, एस .impact on crop health over India due to emerging fungal diseases (EFDs): an important missing link. *Environmental Science and Pollution Research*, 27, 12802-12829, 2020 **(IF 3.0)**

यादव एस., बामोत्रा, एस, एवम टंडण, ए वायुविलय .-associated non-polar organic compounds (NPOCs) at Jammu, India, in the North-Western Himalayan Region: seasonal variations in sources and processes. *Environmental Science and Pollution Research*, 27, 18875-18892, 2020 **(IF 3.0)**

बाजर, एस. सिंह, ए. और बिश्नोई, एन .आर Exploration of low cost agro- industrial waste substrate for cellulase and xylanase production using *Aspergillus heteromorphus. Applied water science* 2020.DOI: 10.1007/s13201-020-01236-w

धर एस, अरुण कुमार, राय, शशि कांत. (2020): Spatio-Temporal disposition of Chandra basin Glaciers from 1980-2011, Lahaul and Spiti district, Himalayan Region, Himacahal Pradesh. International Journal of Emerging Technologies. 11(2); 1005-1012.

यादव आर, भट्टी, एमएस, कंसल, एस.के. . *et al.* Comparison of ambient air pollution levels of Amritsar during foggy conditions with that of five major north Indian cities: multivariate analysis and air mass back trajectories. *SN Appl. Sci.* 2, 1761 (2020). https://doi.org/10.1007/s42452-020-03569-2

कौशल. डी, बमोतरा , एस, यादव, एस, चटर्जी, एस. टन्डन 2020. "पर्टिकुलेट बाउंड पॉलीसाइकिल्क ऐरोमेटिक हाइड्रोर्काबन ओवर धोलाधर रीजन ऑफ नार्थ-वैस्ट्रन हिमालायन कीमोसेफयर" 263 (2021), 128298, https://doi.org/10.1016/j.chemosphere.2020.128298.

कौशल, डी., यादव, एस., टंडन, A., 2020. "वाटर सोल्युबल आयोनिक स्पेस इन एटमोफेरिक ऐरोसोल्स ओवर धोलाधर रीजन ऑफ नार्थ-वैस्ट्रन हिमालयन" Environ Sci Pollut Res., 89, 1- 13. https://doi.org/10.1007 /s11356-020-10117-3

कौशल, डी., बमोत्रा, एस., यादव, एस., टंडन , A., 2020. "एरोसोल एसोसियेटड एन-अल्केनिज़ ओवर धोलाधर रिजन ऑफ नार्थ-वेस्ट्रन हिमालयन : सिज़नल वैरियेशन इन सोर्सिज़ एंड प्रोसेसिज़ Environ Monit Assess 192 (8), 1-18. https://doi.org/10.1007/s10661-020-08483-z

यादव, एस., बमोत्रा, एस., टंडन , A., 2020. "एरोसोल एसोसियेटड नान-पोलर आर्गेनिक कपाउंडस (एन पी ओ सी) एट जम्मू, इंडिया, इन द नार्थ-वेस्ट्रन हिमालयन रीजन : सीज़नल वैरियेशनज़ इन सोर्सेज़ एंड प्रोसेज़" Environ. Sci. Pollut.Res. 27,18875- 18892. https://doi.org/10.1007/s11356-020-08374-3

➢ अनुसंधान परियोजनाओं का विस्तार :

अन्वेषक का नाम	परियोजना एवं अवधि का शीर्षक	स्वीकृत राशि *(लाख)*	फंडिंग एजेंसी
प्रो. सुनील धर (पी.आई) प्रो. दीपक पठानिया (सह –पी आई) डॉ.पंकज मेहता (सह - पी.आई) डॉ. दिनेश कुमार (सह –पी आई)	ग्लेशियरों के ब्रह्मा समूह के ग्लेसिओ-हाइड्रोमेटोरोलॉजी और पोलेओ-इतिहास, चिनाब बेसिन, जम्मू एंड कश्मीर (03 वर्ष)	62	डीएसटी-हिसाब
प्रो. सुनील धर	चंद्रमा के मॉर्फो-टेक्टोनिक डेवल्पमेंट एंड मॉन्स एंड ओरिएंटल बेसिन का अध्ययन (03 वर्ष)	20	इसरो, जीओआई
प्रो. सुनील धर, डॉ. ऋचा कोठारी	किश्तवाड़ हाई एल्टीट्यूड नेशनल पार्क के जंगली वनस्पतियों और जीवों की पीआरआई आधारित भू-संदर्भित जैव विविधता आकलन, प्रलेखन और संरक्षण योजना तैयार करना	20	वन्य जीव संरक्षण विभाग, जे एंड के सरकार (संघ प्रदेश)

प्रो.सुनील धर, डॉ.पंकज मेहता	जम्मू-कश्मीर के हिमालयी क्षेत्र में जल सरक्षण और संचयन रणनीतियों को भारतीय हिमालयी क्षेत्र के केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कंसोर्टियम के तत्वावधान में किया जाएगा।	10	नीति आयोग, भारत सरकार
डॉ. दिनेश कुमार	पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में मौसम पैटर्न के लिए भूमि सतह मापदंडों की भूमिका का आकलन (03 वर्ष)	40	डी.एस.टी.डी. एस टी मेजर परियोजना
डॉ. अनीता सिंह	लिग्नोसेल्यूलोसिक ++हाइड्रोलिसिसेट में पाए जाने वाले अवरोधकों को चयनात्मक रूप से हटाना और माइक्रोबियल कंसोर्टियम का उपयोग करके मिश्रित शर्करा को जैव-इथेनॉल में एक साथ रूपांतरण (03 वर्ष)	27.5	डीएसटी –एस ई आर बी
डॉ.पंकज मेहता (पी आई) डॉ.दिनेश कुमार (सह – पी आई)	**जम्मू प्रांत के आठ जिले में यूरेनियम और अन्य संबद्ध जल गुणवत्ता पैरामीटर का स्थानिक वितरण संस्तुति** 01 June (03 वर्ष)	23	BRNS-DAE, GOI.
डॉ. श्वेता यादव	जम्मू में कार्बोनेशियस एयरोसोल के जन संरचना और स्रोतों में बहु-पैमाने पर लौकिक विविधताओं और प्रवृत्ति की जांच, उत्तर-पश्चिमी हिमालय के तलहटी क्षेत्र में एक शहरी स्थान (03 वर्ष)	15.97	यूजीसी प्रमुख अनुसंधान परियोजना
डॉ. अनीता सिंह	सब्सट्रेट के रूप में कृषि-औद्योगिक अवशेषों का उपयोग करके स्थानीय थर्मोफिलिक कवक से सेल्यूलास एंजाइम उत्पादन (02 वर्ष)	6	यूजीसी स्टार्ट-अप- अनुदान
डॉ.पंकज मेहता	जम्मू प्रांत में जलोढ़ियम (सिरोवाल) कंडी और शिवालिक संरचनाओं में भूजल/पेयजल गुणवत्ता का भौतिक-रासायनिक लक्षण वर्णन (02 वर्ष)	5	यूजीसी माइनर प्रोजेक्ट (through CUJ)
डॉ. श्वेता यादव	जम्मू/श्रीनगर के एनएसी में परिवेशी एयरोसोल और वहन क्षमता का स्रोत विभाजन	218.76	जेकेपीसीबी

फिस्ट : जल/अपशिष्ट जल प्रबंधन युक्त जैव ऊर्जा उत्पादन प्रक्रियाओं पर उन्नत केंद्र के लिए उपकरणीय सुविधाओं की स्थापना, (कुल अवधि–5 वर्ष) (2020 के लिए स्वीकृत राशि Rs. 50,00,000/- स्वीकृत वर्ष 2020) (SR/FST/ES-I/2020/74)

रसायन विज्ञान एवं रासायनिक शास्त्र विभाग

➢ **विभाग के संबंध में :**

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान एंव रसायनिक शास्त्र विभाग की स्थापना पांच साल के एकीकृत स्नात्कोत्तर रसायन विज्ञान कार्यक्रम (वर्तमान प्रविष्टिया : 45 सीटें) के साथ की गई। विभाग ने 2018-19 शैक्षणिक सत्र से रसायन विज्ञान में पीएचडी कार्यक्रम प्रारंभ किया है। संकाय सदस्यों के अनुसंधान कार्यक्षेत्रों में ऑर्गेनिक संश्लेषण, ग्रीन केमिस्ट्री, उत्प्रेरक, समन्वय रसायन, बायो ऑर्गेनिक रसायन, सैद्धांतिक और कम्प्यूटेशनल रसायन और औषधीय रसायन सहित रसायनिक शास्त्र की व्यापक श्रृंखला शामिल है।

➢ **संकाय सदस्यों द्वारा अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजन /उपस्थिति का विवरण** :

- **डॉ.टी. के. रॉय**
  अनुसंधान विकास एवं सेवा प्रकोष्ठ के सहयोग से अध्ययन अध्ययापन केंद्र, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पीएमएमएमएनएमटीटी के तहत 02 जुलाई से 17 जुलाई 2020 तक शुरू होने वाले मूक्स के विकास करने हेतु उन्नत अवधारणाओं पर दो सप्ताह के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

➢ **वर्ष के दौरान संकाय उपलब्धियां** :

- **डॉ. वी श्रीधरण**
  डॉ.वी. श्रीधरण को भारतीय रसायन शोध सोसायटी (सी.आर.एस.आई) स्थानीय अध्यय जेएंडके का संयोजक चुना गया है। सी.आर.एस.आई से आजीवन सदस्यता भी प्राप्त किया।

- **डॉ. टी. के. रॉय**
  सी.आर.एस.आई आजीवन सदस्यता भी प्राप्त की|

- **डॉ. सुजाता कुंदन** :
  राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजौरी, जम्मू द्वारा आयोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन इमर्जिंग रिसर्च ट्रेंड्स इन केमिकल साइंसेज (ई.आर.सी.सी.एस-2020) 24-26 जुलाई, 2020 में एक व्याख्यान शीर्षक नोवल टाइप A3B-प्रकार सी.आर (III) सीएल पोर्फिरिन हाइब्रिड आधारित ग्राफीन ऑक्साइड-तैयारी और लक्षण वर्णन के लिए।

- **पुस्तक अध्याय**
  - पुस्तक शीर्षक : Copper in N-Heterocyclic Chemistry
    संपादक : डॉ. अन्नाय श्रीवास्तव

अध्याय 7	:	Copper catalysis for the synthesis of quinolines and isoquinolines
लेखक	:	एम.कुरूपस्वामी, बी.एस. बचन और वी. श्रीधरण *
डीओआई	:	10.1016/B978-0-12-821263-9.00007-2
आईएसबीएन	:	9780128212639
प्रकाशक	:	एल्सेवीर 2020

- पुस्तक शीर्षक : Green Sustainable Process for Chemical and Environmental Engineering and Science: Organic Synthesis in Water and Supercritical Water 1st Edition

संपादक	:	**डॉ. इनामुद्दीन , डॉ. राजेन्द्र बोद्दुला, प्रो. अब्दुल्लह अंसारी**
अध्याय 6	:	Stereoselective organic synthesis in water : Organocatalysis by proline and its derivatives
लेखक	:	बी. एस. वचन, एम करूपस्वामी, पी. विनोथ, वी. श्रीधरण और जे. सी. मेनेडेज *
डीओआई	:	10.1016/B978-0-12-819542-0.00006-3
आईएसबीएन	:	9780128195420
प्रकाशक	:	एल्सेवीर 26th जून 2020.

➢ **सेमिनार, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में संकाय ने भाग लिया** (2020-2021)

- **डॉ. सुजाता कुंदन** :
  - 16 सितंबर, 2020 को एस. सी. आई. आर. ओ. एक्स , जी.एन.डी.यू, अमृतसर, भारत द्वारा आयोजित "ओजोन परत की रोकथाम के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस" के वर्चुअल समारोह में भाग लिया।
  - जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित जलवायु परिवर्तन और सतत कृषि पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार-12-13 जून, 2020 को मनाया गया|
  - सीएसआईआर / गेट में एनएमआर स्पेक्ट्रोमिकी के परिप्रेक्ष्य पर एक दिवसीय वेबिनार -12 जून, 2020, स्नातकोत्तर और शोध रसायनिक विभाग, विवेकानंद कॉलेज, तिरुवेदाकम वेस्ट, मदुरै- 34, भारत द्वारा आयोजित किया गया।
  - अमेरिकन केमिकल सोसायटी (जीवन के लिए रसायन विज्ञान) द्वारा "प्रभावी मौलिक विज्ञान लेखन : पांडुलिपियों और अनुदान" पर एक दिवसीय वेबिनार- 9 जून, 2020. को आयोजित हुआ |
  - जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के तुलनात्मक धर्मों और सभ्यता केंद्र द्वारा "आचार्य अभिनवगुप्त जयंती" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार- 2 जून, 2020.को आयोजित हुआ|

- "शहरी खेती" पर एक दिवसीय वेबिनार- 1 जून, 2020, वनस्पति विज्ञान विभाग, कैरियर कॉलेज, भोपाल, भारत द्वारा आयोजित किया गया|
- जम्मू विश्वविद्यालय में एल्सवियर के सहयोग से दिनांक - 29 मई, 2020 को एक दिवसीय वेबिनार " एल्सवियर द्वारा स्कोपस एवं विज्ञान का प्रत्यक्ष प्रयोग आपके योजना अनुसंधान को प्रभावी " का आयोजन किया गया|
- भारत सरकार के मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय के पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) की योजना के तहत विद्यालयी शिक्षा द्वारा आयोजित कोविड-19 और भावनात्मक कल्याण पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार- 15-16 मई, 2020 को आयोजित किया गया।
- फेसबुक पर त्रिपुरा विश्वविद्यालय, एडीपी कॉलेज, नौगांव और एमआईटी औरंगाबाद, भारत के सहयोग से बोडोलैंड विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सामग्री विज्ञान और अभियांत्रिकी (COMSE-2k20) के वर्तमान आउटलुक पर अंतरराष्ट्रीय ई-पोस्टर सम्मेलन में "बायोमास वाया बायोमास फॉर सस्टेनेबल लाइफ" शीर्षक का पोस्टर प्रस्तुत किया।
- सुजाता कुंदन (सहभागिता) जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का जम्मू-कश्मीर के विद्यालय शिक्षा (पीएमएमएमएनएमटी) द्वारा आयोजित "एप्लीकेशन ऑफ एक्शन रिसर्च एंड प्रोफेशनल डेवलपमेंट: रिफरेंस एंड प्रैक्टिकल" पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित हुई।
- मानव संसाधन विकास मंत्रालय के नवाचार केंद्र, नई दिल्ली की औद्योगिकी नवाचार परिषद (आईआईसी) द्वारा आयोजित आईआईसी ऑनलाइन सत्र- 28 अप्रैल से 22 मई, 2020 में भाग लिया।

➢ **संकाय प्रकाशन** :

- **डॉ. वी. श्रीधरण** :
  - एक **InCl3-**केटलाइज्ड सीक्यूश्न थ्री कॉम्पोनेट्स बी.एस.वचन, एम. कुरूपस्वामी, जी.जन, एन.भुवनेश, सी.यू महेश्वरी * और वी.श्रीधरन के माध्यम से पाटेकर और क्रोमेन के लिए सीधी पहुंच J. Org. Chem. 2020, 85,8062–8073
  - पैलेडियम (II) –केतलाइज्ड डायरेक्ट एक्ससेस इंडेनो [1,2-सी] आइसोक्रोमेन-5 (11H) वनस तक इंट्रामोल्यूलर ऑक्सीपलालेडेशन- इएनिसियेटेड केशकेड प्रोसेस एम. करूपस्वामी , बी.एस. वाचन, टी. जांडियाल, एस.बी. एनेस, एन भुवनेश, सी यू महेश्वरी और वी. श्रीधरण * Adv. Synth. Catal. 2020, 362, 2716–2724.
  - केमोडाइवर्जेंट सेंथेशी ऑफ फंशंलाइज्ड मेथोनो डिबेन्जो [बी, एफ] [1,5] डायजोसिन-13मिथेनोज और टेट्राहाइड्रोक्विनोलिन वाय शोलवेंट-डिपेंटेड AB3 और A2B2 मल्टी कॉम्पोंट एनूयल रियेकशन , आई. मुथुकृष्णन, एम.करुपास्वामी, बी.एस.वचन, डी. राजपूत, एस. नागराजन, सी.यू.महेश्वरी और वी. श्रीधरण* Org. Chem. Front. 2020, 7, 1616–1625.

- एन-हेट्रोसाइक्लाइक कार्बेन ने टेस्क्यड्रू एपोक्साइड्स के संश्लेषण को टैंपरिंग एमिडेशन/एपोक्सीडेशन सीक्वेंस के माध्यम से उत्प्रेरण किया ई. शंकरी देवी , टी पाविथरा, ए. तमिलसेल्वी, एस. नागराजन, वी. श्रीधरण, सी. यू.महेश्वरी Org. Lett. 2020, 22, 3576–3580.

- पोरोलाइन एंड ईट्स ड्रूवेटाइज ओग्नोकटेलाइज्ड शेंथेसी ऑफ ऑर्गेनोक्रैस के रूप में प्रोलाइन और इसके डेरिवेटिव: हेट्रोसाइकिल के हरे संश्लेषण के लिए सहक्रियागत रास्ते बी.एस.वचन, एम करुपस्वामी , पी. विनोथ, एस. वी. कुमार, एस. पेरुमल, वी. श्रीधरण * जे. कार्लोस मेनेंडेज़ * *Adv. Synth. Catal*. 2020, *362*, 87–110

- एंटीबायोफिल्म और डायबिटिक वूंड स्किन की मरम्मत के गुणों के साथ एक इंजेक्शन आत्म-चिकित्सा संवेदनाहारी ग्लाइकोलिपिड आधारित ओलिओजेल । वाई. एस. प्रसाद, एस. मिरियाला, के. ललिता, बी. सारिका, सी. यू. महेश्वरी, वी. श्रीधरण, सी. श्रीनंदन, एस. नागराजन Sci. Rep. 2020, 10, 18017

- टेट्राहाइड्रोक्विनोलिन विसिन और एंटी-न्यूक्लियोप्लायडेशन-शुरू की गई झरना प्रक्रियाओं के रेजियोसइलेक्टिव संश्लेषण एम. करूपस्वामी, पी. विनोत, एन. प्रदीप, एस. नागराजन, सी. यू. महेश्वरी, वी. श्रीधरण Org. Biomol. Chem. 2020, 18, 8474–8485

- सुपरामोलेकुलर जेल ऑफ ग्लूकोनामाइडस ड्राइवड फरोम रिन्यूबल सोर्से : एंटीबैक्टीरियल और एंटी-बायोफिल्म अनुप्रयोग । वाई.एस. प्रसाद, एस. मणिकंदन, के. ललिता, एम. संदीप, आर. वी. प्रसाद, आर. ए कुमार, सी. एस. श्रीनंदन, सी. यू . महेश्वरी, वी. श्रीधरण, एस. नागराजन Select2020, 1, 510–524.

- एक नोवेल इंडेनोन ड्रवेटिभ स्लेक्टिभ इंडुक्स सेंसेस- एमडीए -एमबी-231 (ब्रेस्ट एडेनोकेर्कोनोम) कोशिकाओं. जे प्रियंगा, बी. एस. कुमार, आर. महालक्ष्मी, के. निरक्षना, पी. विनोथ, वी. श्रीधरण , डी. भक्त-गुहा, जी. गुहा Chem. Biol. Interact. 2020, 331, 109250.

- आणविक जांच के रूप में एंटीऑक्सीडेंट: जैविक रूप से प्रासंगिक ऑक्सीडेंट्स के लिए बारी-ऑन फ्लोरेसेंस केमोडोसीमीटर के रूप में संरचनात्मक रूप से उपन्यास डियेड्रो-एम-टेर्फेनइल वी गोंजालेज-रुइज़, जे राजेश, ए आई ओलिवस , डी रूची, जे गोमेज़ –कारपेंटर , जे एफ गोंजालेज, वी श्रीधरन, एम ए मार्टिन, जे.सी मेनेनडेज Antioxidants 2020, 9, 605

➢ **प्रकाशन** (2021)

- **संक्रमण धातु-**1, 2-**डाइकेटोन के संश्लेषण उत्प्रेरित: एक अवलोकन**

- ए .कुमार और वी.श्रीधरण *Asian J. Org. Chem.*2021, *10*, 1619-1637

- सल्फर उत्प्रेरक धातु- और सॉल्वेंट-फ्री एबीबी सी फोर-कंपोनेंट संश्लेषण का

  N-Arylidene-2-aryl-imidazo[1-2-*a*]azin-3-amines via Strecker Reaction

- टी. पवीथरा , ई. शंकरी देवी , एस. नागारंजन, वी .श्रीधरण,सी यू महेश्वरी *ChemistrySelect*2021, *6*, 3548-3552

- **डॉ. टी. के. रॉय** :
  - डिजाइन संश्लेषण, लक्षण वर्णन और पानी की कैंसर विरोधी गतिविधि का मूल्यांकन-घुलनशील आधा सैंडविच रूथेनियम (II) अरेणे हलिदो कॉम्प्लेक्स तनवीर ए खान, किशनलाले भर, रामालिंगम थिरुमूर्थी, ताप्ता कंचन रॉय * और अनुज के शर्मा *, नई जरनल ऑफ केमिस्ट्री , 44, 239-257 (2020), ISSN: 1144-0546,. Impact Factor: *3.288*
  - संयुग्मित छोटे कार्बनिक अणु : Synthesis and Characterization of 4-
  - आर्ल्पिराजोल-सजाए गए डिबेनोथिओफेन्स ; सत्यजीत पाण्डा,राम सिंह जाट ,आमीर फैज , जोनी शाह, रामलिंगम थिरूमुर्ति, ताप्ता कंचन रॉय और एम. भानुचंद्रा , New Journal of Chemistry, (2020) 44, 8944-8951, Impact Factor: *3.288*
  - डाइन्यूक्लियर गोल्ड (I)-N-heterococic carbene परिसरों: संश्लेषण, लक्षण वर्णन, और टर्मिनल एल्किनेस के हाइड्रोहाइड्राज़िडेशन के लिए उत्प्रेरक आवेदन . सीमा यादव , श्रीप्रेरण रॉय, अजीत सिंह, साक्षी एम मोबिन, टी.के.रॉय, चन्द्रकान्त दास. Applied Organometallic Chemistry, (2020) 34, e5942, Impact factor: 3.581.
  - प्रोटोनेटेड एसिटिलीन में प्रोटोन शटल मोशन पर: एक इलेक्ट्रॉनिक संरचना परिप्रेक्ष्य सुब्रत बनिक, अंकित कुमार सांसी, शिव नंदन और ताप्ता कंचन रॉय, ChemistrySelect, (2020) 5, 9288 –9295, Impact factor: 1.811.
  - सीडी 1-xMgxS QDs में बैंड गैप और नैनोट्विनिंग का व्यापक विश्लेषण तानिया कलसी, हरिश मित्रा, ताप्ता कंचन रॉय, सचिन कुमार गोदारा और प्रगति कुमार, Cryst. Growth Des. 2020, 20, 10, 6699–6706, Impact factor: 4.153
  - कंपन स्पेक्ट्रोस्कोपी की एबी इनितियो अनहरमोनिक गणनाओं के लिए दोहरी आधार दृष्टिकोण : माइक्रो-सॉल्वेटेड बायोमॉलिक्यूल्स के लिए आवेदन , ताप्ता कंचन रॉय और आर बेनी जर्बर, J. Chem. Theory Comput. 2020, 16, 11, 7005–7016, Impact factor: 5.313
  - अनहारमोनिक आणविक कंपन के लिए आधार सेट की सटीकता के लिए व्यापक बेंचमार्क परिणाम, हरिशित मित्रा और ताप्ता कंचन रॉय , J. Phys. Chem. A, 2020, 124, 44, 9203–9221, Impact factor: 2.600
  - रोडियम (III) -2-आर्यलिमिडाज़ो [1,2-ए] मालेमिड्स के साथ पाइरिडियन: 1H-Benzo [ई] पाइरिडो का संश्लेषण [1′, 2′:1,2] इमिडाज़ो [4,5-ग्राम] आइसोइंडोल-1, 3 (2H)-डायोनेस और उनके फोटोफिजिकल

स्टडीज, विक्की.एन.शिंदे, तप्ना कंचन रॉय ,सोनम जश्पाल, धन्नजय एस निपटे , नेहा मीना, कृष्णन रंगन, दलीप कुमार, अनील कुमार, Adv. Synth. Catal., 2020, 362, 5751-5764, Impact Factor: 5.851

- डॉ. प्रिंसी गुप्ता :
  - *हैलोयसाइट नैनोट्यूब आधारित विषम ठोस एसिड उत्प्रेरक*
    अमन महाजन और प्रिंसी गुप्ता *,
    New J. Chem., 2020, *44*, 12897-12908.
  - संभावित डेंगू अवरोधकों के विकास के लिए दृष्टिकोण ,
    प्रिंसी गुप्ता और अमन महाजन ,
    Synth. Commun., 2020, *50*, 2250-2265.
  - कार्बन आधारित ठोस एसिड: एक समीक्षा
    अमन महाजन और प्रिंसी गुप्ता
    Environ. Chem. Lett., 2020, *18*, 299-314.

➢ **प्रकाशन** (2021)

- पवन कुमार, प्रिंसी गुप्ता *और चंदन शर्मा (सरफेस मोडिफाइड नोवेल चुंबकीय रूप से दिखते हैं, सुल्फोनिक एसिड कार्यात्मक: संश्लेषण, लक्षण वर्णन और उत्प्रेरक गतिविधि , *Catal. Sci. Technol*., 2021,*11*, 3775-3786.
- *प्रिंसी गुप्ता *, नयन प्रकाश, योगेश्वर रामावत, पल्लवी राजपूत, अमीर फैयाज, टी.के.रॉय, हल्लोयसाइट नैनोट्यूब्स फंक्शनलाइज्ड सल्फोनिक एसिड: सिंथेसिस, स्पेक्ट्रोस्कोपिक कैरेक्टराइजेशन, कम्प्यूटेशनल स्टडीज और 1,4-डिमिड्रॉपिडियन्स के संश्लेषण के लिए आवेदन, Letters in organic chemistry*, 2021, DOI: 10.2174/1570178618666210302160130.
- अमन महाजन * और प्रिंसी गुप्ता *, कोरोनावायरस (COVID-19): जैविक हित की रासायनिक संस्थाएं , *Mini reviews in medicinal chemistry*, 2021, DOI: 10.2174/1389557521666210125145700.

➢ **अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण** :-

- **डॉ. वी. श्रीधरन** :

शीर्षक	:	Inert C–H Bond Activation-Initiated Cascade Processes via Oxidative Organocatalysis
फंडिंग एजेंसी	:	डीएसटी-एसबीआर
बजट	:	Rs. 53,38,300/ (EMR/2016/001619)
अवधि	:	03 वर्ष (2018-2021)
भूमिका	:	प्रधान अन्वेषक (PI)
शीर्षक	:	Development of Sensing Technologies for Explosives Detection Involving Metal Organic Frameworks (MOFs)

फंडिंग एजेंसी	:	डीआरडीओ
बजट	:	Rs.1,36,51,000/-
अवधि	:	03 वर्ष (2020-2023)
भूमिका	:	प्रधान अंवेषक (Co-PI) PI:- डॉ. पवन कुमार

- **डॉ. टी. के रॉय**

शीर्षक	:	Theoretical Investigation on Conformationally Resolved 3D-structures of Large Biomolecules by Quantum Anharmonic Vibrational Spectroscopy
फंडिंग एजेंसी	:	डीएसटी – एसईआरबी
बजट	:	Rs. 55,00,000/- (EMR/2017/000512)
अवधि	:	3 वर्ष (2018-2021)

अंग्रेज़ी विभाग

➢ **विभाग के संबंध में**

वर्ष 2011 में स्थापित अंग्रेजी विभाग की स्थापना का वही वर्ष है जो विश्वविद्यालय की स्थापना का है। विभाग स्नातकत्तोर और पीएचडी स्तर पर उपाधियां प्रस्तावित करता है| विभाग में शिक्षणशास्त्र व्यापक है जिसे व्याख्यान, सूचना संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) आधारित शिक्षण, समूह चर्चा, फिल्म स्क्रीनिंग, आलेख प्रस्तुति, और वाद-विवाद में प्रतिभागिता सत्र के माध्यम से पढ़ाया जाता है। इसके अलावा, विभाग विभिन्न प्रकार के मंचों में कक्षा के अंदर और बाह्य छात्रों को सलाह प्रदान प्रदान करता है । अत: विभिन्न विषयों पर विस्तृत व्याख्यान, संगोष्ठी, सम्मेलन और वार्तालाप आदि का शैक्षिक कैलेंडर को तैयार किया जाता है| समकालीन संस्कृति और समाज, अनुशासनात्मक कौशल के विभिन्न संभावित अनुप्रयोगों में विभिन्न पाठ्यवस्तु के साथ साहित्य के अंतरफलक हेतु छात्रों को विशेष रूप से उजागर करने में विभाग विशेष रूप से सक्रिय है| विभाग विशेष रूप से प्रदान कर रहा है...

- अनुवाद अध्ययन
- तुलनात्मक साहित्य
- विभिन्न संस्कृतियों में महिला लेखन

➢ विजन

- शैक्षणिक उत्कृष्टता, प्रासंगिक अनुसंधान और पेशेवर विशेषज्ञता के एक केंद्र के रूप में विभाग को परिकल्पित करना।

➢ मिशन

- प्रारम्भिक काल से लेकर आज तक भाषा की वैश्विक पहुँच और इसकी सभी साहित्यिक अभिव्यक्तियों की विविधता और उसके क्षेत्र पर पर्याप्त ध्यान देने के साथ, अंग्रेजी भाषा में साहित्यिक रचना में पृष्ट भूमि को माध्यम प्रदान करना है।
- साहित्यिक शोधा के शास्त्र छात्रों को परिचित करने और साहित्यिक अभिव्यक्ति के सभी रूपों की व्याख्या और मूल्यांकन करने की उनकी आलोचनात्मक क्षमता को वृद्धि करना है।
- छात्रों को उनकी पेशेवर दक्षताओं का सम्मान करते हुए विविध क्षेत्रों में रोजगारपरक के लिए तैयार करना।
- विश्वविद्यालय का श्रेष्ट सृज्ति पाठ्यक्रम /सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से एक वैश्विक दृष्टिकोण को मजबूत करना है।।
- प्रौद्योगिकी और अंग्रेजी अध्ययन के बीच अंतरफलक तैयार करना।

➢ **वर्ष के दौरान प्रमुख उपलब्धियां**

- ऑनलाइन शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया की रिपोर्ट के तहत विभाग सक्रिय रूप से ऑनलाइन शिक्षण और अनुसंधान में सक्रिय था।

- तीन पीएचडी डिग्री प्रदान की गई और देश और दुनिया भर के शिक्षाविदों के साथ व्यापक बातचीत की गई जहां शोधार्थी, छात्र और विभाग के शिक्षक चर्चा और विचार-विमर्श में भाग लिये।

- विभाग प्रसिद्ध ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन करके कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय और जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के बीच हस्ताक्षरित एमओयू के कार्यान्वयन की पहल में गौरव प्राप्त करता है।

➢ **अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय संगोष्ठि/कार्यशालाएं/अन्य कार्यक्रम**

- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग ने 9 दिसंबर से 11 दिसंबर 2020 तक साहित्यिक अध्ययन में अनुसंधान पद्धति पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया।

- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग ने 2 जून 2020 को "साहित्यिक स्थान और कोविड-19: दुर्दशा और संभावनाएं" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।

➢ **लेखक श्रृखला की स्मृति**

- 18 दिसंबर, 2020 को ऑनलाइन माध्यम से श्री. रोकिय सैखावत हुसैन जयंती कार्यक्रम की व्यवस्था सुश्री तानिया, अंग्रेजी विभाग की शोधार्थी ने किया।

- 27 नवंबर 2020 को ऑनलाइन माध्यम से इंदिरा गोस्वामी जयंती कार्यक्रम की व्यवस्था सुश्री सोनम शर्मा, अंग्रेजी विभाग की शोधर्थी ने किया।

- 16 अक्टूबर 2020 को दोपहर 3 बजे ऑनलाइन माध्यम से कवि जॉन कीट्स जयंती की व्यवस्था श्री साहिल भगत, अंग्रेजी विभाग के शोधार्थी ने किया।

- 25 सितंबर 2020 को ऑनलाइन माध्यम से किरण देसाई जयंती की व्यवस्था श्रीमती कमलजोत कौर अंग्रेजी विभाग के शोधार्थी ने किया।

- 4 सितंबर 2020 को लेखक श्रृंखला के उपलक्ष्य में सुधा मूर्ति जयंती मनाया गया, इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. वंदना शर्मा, अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष ने किया |

➢ **प्रसिद्ध व्याख्यान**

- 11 नवंबर 2020 को प्रो (डॉ.) अन्ना-मार्गरिटा होरात्शेक, उपाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग ज़ू कील यूनीवर्सिट (कील विश्वविद्यालय, जर्मनी) ने "अनुभव मामलों: साहित्यिक प्रतिनिधित्व से अनुभवात्मक वास्तविकताओं तक" पर प्रसिद्ध व्याख्यान दिया।

- 15 अक्टूबर 2020: जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की पीएचडी शोधार्थी सुश्री रितिका पठानिया की ओपन मौखिक परीक्षा लिया गया प्रोफ़ेसर मोनिका सेठी, अंग्रेजी विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय ने ओपन मौखिक परिक्षा लिया।

- **डॉ. वंदना शर्मा**

संयोजक :

- 2 जून 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा "साहित्यिक स्थान और कोविड-19: दुर्दशा और संभावनाएं" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा साहित्यिक अध्ययन में अनुसंधान पद्धति पर 9 दिसंबर से 11 दिसंबर 2020 तक तीन दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया |

- **डॉ. नीना गुप्ता विज**
- अंग्रेजी विभाग, पण्डेचेरी विश्वविद्यालय, पण्डेचेरी ने 22से 28 जून 2020 तक "समकालीन साहित्य में कठीन समस्यो का दौर " पर सात दिवसीय एफडीपी आयोजित किया गया |
- जम्मू क्लस्टर विश्वविद्यालय के राज्यकीय मौलाना आजाद मेमोरियल कॉलेज 01से 03 जून 2020 तक "ई-लर्निंग: टूल्स फॉर टीचिंग एंड लर्निंग" पर तीन दिवसीय एफडीपी वेबिनार का आयोजन किया गया |
- टीटीटी पर ऑनलाइन मॉड्यूल- 22 अप्रैल से 15 मई 2020 तक फ़्लिप कक्षा का उपयोग कर शिक्षक पढ़ाने के निकट पहुंचे।

➢ वेबिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला का आयोजन

- 2 जून 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा "साहित्यिक स्थान और कोविड-19: दुर्दशा और संभावनाएं" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा साहित्यिक अध्ययन में अनुसंधान पद्धति पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला, 9 दिसंबर- से 11 दिसंबर 2020 तक आयोजित किया गया।

- **डॉ. मिर्जा अहमद अफजल फारूक**

- 27 नवंबर से 5 दिसंबर 2020 तक खुन खुन जी बालिका महाविद्यालय, लखनऊ के सहयोग से भारतीय शिक्षक शिक्षा समुदाय द्वारा "ऑनलाइन शिक्षा" पर नौ दिवसीय एफ डी पी कार्यक्रम में भाग लिया।
- 6 नवंबर से 12 नवंबर 2020 तक बी सी जी शिक्षा महाविद्यालय, मध्यप्रदेश के सहयोग से भारतीय शिक्षक शिक्षा समुदाय द्वारा गुणात्मक अनुसंधान पर सात दिवसीय एफ डी पी कार्यक्रम में भाग लिया।

➢ **वेबिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला का आयोजन** :

- 2 जून 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा "साहित्यिक स्थान और कोविड-19: दुर्दशा और संभावनाएं" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

- **डॉ. राज ठाकुर**

  - 2 जून 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा "साहित्यिक स्थान और कोविड-19: दुर्दशा और संभावनाएं" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

  - जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा साहित्यिक अध्ययन में अनुसंधान पद्धति पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला, 9 दिसंबर- 11 दिसंबर 2020 तक आयोजित किया गया।

- **डॉ. परवीन कुमारी**

  यूजीसी, एचआरडीसी, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर द्वारा 25-11-2020 से 22-12-2020 तक आयोजित ऑनलाइन संकाय प्रेरणा प्रोग्राम (एफआईपी-02) में भाग लिया।

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी

(पीएचडी शोधार्थियों को सम्मानित किया गया)

- सुश्री तनिष्क भगत, पीएचडी शोधग्रंथ " दी कोंटेक्ट ज़ोन : ट्रान्शलेशन एंड ट्रेसमिशन ऑफ स्लेक्टेड दलित नरेटिव्स " शीर्षक पर पर्यवेक्षक: डॉ.. नीना गुप्ता विज ने किया है।

- श्री अनिल कुमार, पीएचडी थीसिस "विकेंद्रिंग मानवकेंद्रितवाद: मार्गरेट एटवुड के मैडुडम त्रयी का एक मरणोपरांत अध्ययन" शीर्षक पर पर्यवेक्षक डॉ.वंदना शर्मा ने किया है।

- सुश्री रितिका पठानिया, पीएचडी थीसिस "जम्मू-कश्मीर में युद्ध स्मारकों की सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था: एक प्रतीकात्मक अध्ययन" शीर्षक पर पर्यवेक्षक प्रो.दीपशिखा कोत्तवाल और डॉ...राज ठाकुर ने किया है ।

➢ **संगोष्ठी, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में संकाय ने भाग लिया** (2020-21)

डॉ. वंदना शर्मा

सम्मेलनों/संगोष्ठियों/ कार्यशालाओं का विषय भाग लिया	क्षेत्रीय/राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय	तिथि	आयोजक	मुख्य वक्ता/अध्यक्ष/ सह-अध्यक्षता/ संसाधन व्यक्ति	शीर्षक/ आलेख प्रस्तुतीकरण
दो सप्ताह का ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स "अंग्रेजी भाषा, साहित्य और संस्कृति"	राष्ट्रीय	17 दिसम्बर 2020	अंग्रेजी विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय	रिसोर्स पर्सन	विषय पर दिया भाषण "अंग्रेजी में अनुसंधान के तरीके"
ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार पर "21 वीं सदी के दक्षिण एशियाई कथा अंग्रेजी में: रुझान और संक्रमण"	राष्ट्रीय	22 अक्तुबर 2020		स्रोत वक्ता	आलेख प्रस्तुती "दक्षिण एशियाई साहित्यों में पॉलीफोनिक अंडरकरंट्स और सांस्कृतिक क्रॉसकरेंट्स"
एक सप्ताह अंतर्राष्ट्रीय ई-कार्यशाला पर "भाषा अनुवाद कौशल"	अन्तर्राष्ट्रीय	8-13 अगस्त 2020	राष्ट्रीय अनुवाद मिशन के सहयोग से उच्च शिक्षा विभाग, जम्मू-कश्मीर , सीआई आईएल	मुख्य भाषण	
"Imagination, Expression and Transformation : Creating the world with words" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार	अन्तर्राष्ट्रीय	22-24 मई 2020	श्री संगमेश्वर शिक्षा महाविद्यालय चाचन कर्नाटक	पूर्ण वक्ता	शीर्षक वार्ता- "साहित्य में नारीवादी काल्पनिक डिस्टोपियन प्रतिमान "

डॉ. नीना गुप्ता विज

सम्मेलनों/संगोष्ठियों/ कार्यशालाओं का विषय भाग लिया	क्षेत्रीय/राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय	तिथि	आयोजक	मुख्य वक्ता/अध्यक्ष/ सह-अध्यक्षता/ संसाधन व्यक्ति	शीर्षक/ आलेख प्रस्तुतीकरण
कार्याशाला :					
तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला (ऑनलाइन) “सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान के लिए उपकरणों का विकास और मानकीकरण"	राष्ट्रीय	6-18 जून 2020	आकलन और मूल्यांकन के लिए केंद्र, " पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय अध्यापक एवं अध्यापन मिशन के तत्वावधान में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यालय	सहभागी	
वेबिनार और व्याख्यान प्रतिभागिता :					
"अंग्रेजी भाषा क्षमता: समय की जरूरत है, " पर एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार	अन्तर्राष्ट्रीय	25 जुलाई 2020	अंग्रेजी विभाग, अनवरुलुलूम कॉलेज, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद		
"अंग्रेजी साहित्य में महामारी" पर राष्ट्रीय वेबिनार,	राष्ट्रीय	18 जुलाई 2020	सेंट फिलोमेना कॉलेज, मैसूर के सहयोग से अंग्रेजी और आईक्यूएसी	प्रतिभागिता	

			विभाग, डॉ..न बॉस्को कॉलेज, गोलाघाट, असम		
डॉ. हेमलता के द्वारा दिया गया "डायस्पोरिक साहित्य" पर व्याख्यान	राष्ट्रीय	07 जून 2020	अंग्रेजी विभाग, इसाबेला थोबर्न कॉलेज, लखनऊ	भाग लिया	
"शेक्सपियर: साहित्य और संस्कृति में भारतीयकरण" पर वेबिनार	राष्ट्रीय	06 जून 2020	अंग्रेजी विभाग, मीडिया अध्ययन और मानविकी संकाय, एमआरआईआर, फरीदाबाद	भाग लिया	
"महामारी, साहित्य और जीवन संकट," पर एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी	अन्तर्राष्ट्रीय	04 जून 2020	बीए जैन (पीजी) कॉलेज, अंबाला शहर	भाग लिया	
औपनिवेशिक विवेचना : इतिहास, साहित्य और संस्कृति पर अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार	अन्तर्राष्ट्रीय	03 जून 2020	अंग्रेजी विभाग, एस के बी विश्वविद्यालय, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल	भाग लिया	
"ऑनलाइन भाषा शिक्षण: संसाधन, चुनौतियां और अवसर" पर राष्ट्रीय वेबिनार	राष्ट्रीय	3 जून 2020	पीजी अंग्रेजी विभाग, राजपाल्यम राजस कॉलेज, राजपालयम-626117 तमिलनाडु	भाग लिया	
"साहित्यिक रिक्त स्थान और कोविड -19: दुर्दशा और संभावनाएं" पर अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार	अन्तर्राष्ट्रीय	2 जून 2020	अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	भाग लिया	

"भारत में अंग्रेजी अध्ययन के लिए पाठ्यक्रम: कोरोना के बाद चुनौतियां" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार	राष्ट्रीय	19 मई 2020	अंग्रेजी विभाग, गवर्नमेंट पी.जी. कॉलेज, सेक्टर -1, पंचकूला	भाग लिया	
प्रस्तुत किए गए आलेख :					
"लोकतंत्र के लिए अवसर और चुनौतियों की असमानता" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार	राष्ट्रीय	16-17 मई 2020	शिया स्नातकोत्तर कॉलेज, लखनऊ	आलेख प्रस्तुतीकरण	"वैश्वीकृत गरीबी: एक असमान विश्व व्यवस्था का नतीजा
भाषा और साहित्य पर दो दिवसीय राष्ट्रीय ई-सम्मेलन	राष्ट्रीय	28- 29 मई 2020	भाषा विभाग, सरोजनी नायडु वनीता महाविद्यालय	आलेख प्रस्तुतीकरण	"कोविड-19 के" दौरान डायस्पोरिक काल्पनिक पर पुनर्विचार"
"सांस्कृतिक : कोरोना नुकसान पर अंतर-राष्ट्रीय वेबिनार	अन्तर्राष्ट्रीय	2-3 जून 2020	अंग्रेजी विभाग, पीजी डीएवी कॉलेज, वाराणसी द्वारा आयोजित	आलेख प्रस्तुतीकरण	Lockdown Literature : "A prequel to Post-Pandemic awakening"

➢ आमंत्रित अतिथि व्याख्यान/स्रोत वक्ता :

स्रोत वक्ता :

- यूजीसी-एचआरडीसी, डॉ.हरिसिंह गौड़ विश्वविद्यालय, सागर द्वारा आयोजित 25 नवंबर से 31 दिसंबर 2020 की अवधि के दौरान ऑनलाइन माध्यम से तीसरा इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। "नारीवाद और लिंग अध्ययन." व्याख्यान का शीर्षक था।
- संयुक्त विश्व में अनुसंधान पर विषय संकाय विकास के कार्यक्रम रूप में अंग्रेजी विभाग, मानव संरचना अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान एवं अध्ययन संस्थान, भारत और केप कोमोरिन ट्रस्ट, इंडिया, ग्रैंड एकेडमिक पोर्टल इन एसोसिएशन (ज्ञान-आध्यान-परमपारा), भारत और लैवेंडर लिटरेरी क्लब, इंडिया द्वारा 01-07 सितंबर 2020 से आयोजित किया गया। व्याख्यान का शीर्षक दिया: "अनुसंधान में महत्वपूर्ण रुझान: एक अवलोकन" कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 21-22 जुलाई 2020 को अंग्रेजी विभाग, जी जी डी एस डी कॉलेज, चंडीगढ़ द्वारा "वर्ड मैटर: स्मार्ट स्टेप्स टू बिल्ड ए प्रभावी शब्दावली" नामक दो दिवसीय कार्यशाला पर व्याख्यान दिया जिसका का शीर्षक "शब्दावली: अनुवाद में भाषा का एक महत्वपूर्ण घटक" था।

- आईक्यूएसी सेल, गवर्नमेंट नर्मदा कॉलेज होशंगाबाद (मप्र) द्वारा आयोजित 13 जून 2020 को लाइव वेबिनार में "उत्कृष्टता के लिए अभिनव शैक्षणिक तकनीक पर व्याख्यान दिया जिसका का शीर्षक "संचार और उसकी बाधाएं था।"

सत्र की अध्यक्षता :

केप कोमोरिन ट्रस्ट, इंडिया और लावेंडार लिटरेरी क्लब द्वारा आयोजित लिंग अध्ययन पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन (16-18 सितंबर 2020), अल-मारिफ यूनिवर्सिटी कॉलेज, इराक; जटिया काबी काजी नजरुल इस्लाम विश्वविद्यालय, बांग्लादेश, लोककथाओं का विभाग; रचनात्मक प्रौद्योगिकी चटगांव विश्वविद्यालय, बांग्लादेश, अंग्रेजी भाषा और साहित्य विभाग; खरासान विश्वविद्यालुय, अफगानिस्तान, सामाजिक विज्ञान संकाय, अंग्रेजी भाषा और साहित्य विभाग; ग्रेट इमाम कॉलेज, इराक, धर्म मूल बातें विभाग के सहयोग से आयेजित किया गया।

डॉ. मिर्जा अहमद अफजल फारूक

सम्मेलनों/संगोष्ठियों/ कार्यशालाओं का विषय भाग लिया	क्षेत्रीय/राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय	तिथि	आयोजक	मुख्य वक्ता/अध्यक्ष/ सह-अध्यक्षता/ संसाधन व्यक्ति	शीर्षक/ आलेख प्रस्तुतीकरण
राष्ट्रीय वेबिनार "सर्वाइकल कैंसर"	राष्ट्रीय	11 अक्तुबर 2020	गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर के सहयोग से फुलकारी कैन	भाग लिया	

डॉ. राज ठाकुर

सम्मेलनों/संगोष्ठियों/ कार्यशालाओं का विषय भाग लिया	क्षेत्रीय/राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय	तिथि	आयोजक	मुख्य वक्ता/अध्यक्ष/ सह-अध्यक्षता/ संसाधन व्यक्ति	शीर्षक/ आलेख प्रस्तुतीकरण
"सांस्कृतिक अध्ययन बोलचाल में दिया बात"	राष्ट्रीय	19-20 जून 2020	अंग्रेजी सीआरएम कॉलेज, हिसार, हरियाणा के विभाग द्वारा आयोजित	वक्ता	"सांस्कृतिक अध्ययन: पाठ और पाठ"

डॉ. परवीन कुमारी

सम्मेलनों/संगोष्ठियों/ कार्यशालाओं का विषय भाग लिया	क्षेत्रीय/राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय	तिथि	आयोजक	मुख्य वक्ता/अध्यक्ष/ सह-अध्यक्षता/ संसाधन व्यक्ति	शीर्षक/ आलेख प्रस्तुतीकरण
ऑनलाइन अन्तर्राष्ट्रीय "वैश्वीकरण के युग में प्रवासी पर सम्मेलन: एक अंत:विषय सम्मेलन "	अन्तर्राष्ट्रीय	23-24 जुलाई 2020	अंग्रेजी विभाग, वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा शेक्सपियर एसोसिएशन (इंडिया) के सहयोग से	आलेख प्रस्तुत	"दलित डायस्पोरिक गवाही में पहचान और अंतरिक्ष की समस्या "
अंग्रेजी साहित्य वेबिनार श्रृंखला में दिया भाषण 15-24 जून 2020	राष्ट्रीय	20 जून 2020	अंग्रेजी विभाग, बैकुंठी देवी कन्या महाविद्यालय, आगरा	वक्ता	"दलित महिला जीवन आख्यान: आवाज और एजेंसी का अध्ययन"
दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय "संकट के समय में मानव लचीलापन" पर ई-सम्मेलन	अन्तर्राष्ट्रीय	27-28 मई 2020	अंग्रेजी और मनोविज्ञान विभाग, सेंट जॉन कॉलेज, आगरा	आलेख प्रस्तुतीकरण	"Baby Kamble's The Prisons we broke and Baby Halder's A life less ordinary : narratives of resilence"

➢ **संकाय प्रकाशन**

डॉ. नीना गुप्ता विज

लेखक(ओं) का नाम (मुख्य लेखक तो सह लेखक)	लेख/शोध पत्र/पुस्तक/पुस्तक अध्याय/कोई अन्य	प्रकाशक का नाम	पत्रिका/जर्नल /पुस्तक का नाम	आई एस एस एन /आई एस बी एन न.	काशन का वर्ष
संपादक: नीना गुप्ता विज और राज गौरव वर्मा	Book : Diasporic Writings: Narratives Across Time and space	मूल्य प्रकाशन		आई एस बी एन 819445817X	2020

डॉ. मिर्जा अहमद अफजल फारूक

लेखक(ओं) का नाम (मुख्य लेखक तो सह लेखक)	लेख/शोध पत्र/पुस्तक/पुस्तक अध्याय/कोई अन्य	प्रकाशक का नाम	पत्रिका/जर्नल/पुस्तक का नाम	आईएसएसएन/ आईएसबी एन न.	प्रकाशन का वर्ष
डॉ. मिर्जा अहमद अफजल फारूक	आलेख शीर्षक "बंगाली साहित्य में सुआलकों का प्रतिरोध: बंकिम चंद्र चटर्जी की कृष्णकांता की इच्छा का पूर्वभूमि"		अन्तर्राष्ट्रीय मानव रचना विश्वविद्यालय, फरीदाबाद, हरियाणा द्वारा आयोजित सम्मेलन की कार्यवाही		2020

डॉ. राज ठाकुर

लेखक(ओं) का नाम (मुख्य लेखक तो सह लेखक)	आलेख : "एक मीडिया विशिष्ट घटना के रूप में आतंकवाद: उड़ी और पुलवामा भारतीय समाचार मीडिया के प्रदर्शनात्मक फ्रेम"		*Media Watch*. Vol . 11 (1)	आईएसएसएन न. 0976-0911 ई-आई एसएसएन न. 2249-8818	2020

डॉ. परवीन कुमारी

लेखक(ओं) का नाम (मुख्य लेखक तो सह लेखक)	लेख/शोध पत्र/पुस्तक/पुस्तक अध्याय/कोई अन्य	प्रकाशक का नाम	पत्रिका/जर्नल/पुस्तक का नाम	आई एस एस एन/ आई एस बी एन न.	प्रकाशन का वर्ष
डॉ. परवीन कुमारी सह लेखक: प्रो अनुपमा वोहरा और प्रो जसबीर सिंह)	आध्यय : "महिला सशक्तिकरण और स्वामी दयानंद सरस्वती"	इंदु बुक सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (नई दिल्ली)	पुस्तक का शीर्षक : स्वामी दयानंद सरस्वती का सामाजिक दर्शन	आई एस बी एन: 9789386754622	2020

अर्थशास्त्र विभाग

➢ विभाग के संबंध

अर्थशास्त्र विभाग ने सितंबर, 2011 से कार्य करना शुरू किया। अर्थशास्त्र विभाग ने शुरू में एम.ए. कार्यक्रम प्रस्तावित किया फिर अगले ही वर्ष इसने एकीकृत एम.फिल.-पीएचडी कार्यक्रम प्रस्तावित किया । अभी तक, 8 बैचों ने अपना एम.ए. डिग्री पूरा कर लिया है, 10 शोधार्थी अपने एमफिल की उपाधि और 02 शोधार्थियों को उनकी पीएचडी उपाधि प्रदान की गई । अब, विभाग सीधे पीएचडी कार्यक्रम प्रस्तावित करता है। वर्तमान में, सहायक आचार्य सहित संकाय सदस्यो की संख्या चार है। विभाग के संकाय स्वास्थ्य अर्थशास्त्र, कृषि अर्थशास्त्र, श्रम अर्थशास्त्र, सार्वजनिक अर्थशास्त्र और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्रों पर कार्य कर रहे है ।

विभाग गेम थ्योरी, इकोनॉमिक्स, लेबर इकोनॉमिक्स, कोऑपरेटिव इकोनॉमिक्स, हेल्थ इकोनॉमिक्स जैसे विभिन्न विशिष्ठ पाठ्यक्रम प्रस्तावित करता है । विभाग के पूर्वछात्र विभिन्न क्षेत्रों अर्थात शिक्षा, योजना, बैंकिंग, कॉर्पोरेट आदि में अवस्थित है ।

अर्थशास्त्र विभाग ने विभिन्न जातियों, धर्मों के लोगों के संबंधों को मजबूत करने और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में आपात स्थिति से मुकाबला करने में कौशल और ज्ञान वृद्धि के लिए प्रोत्साहित करने के लिए सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम के तहत 8 मार्च, 2021 को ग्रामीण महिलाओं के लिए " महिला दिवस" के अवसर पर एक जागरूकता अभियान का आयोजन किया है।

➢ **संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित/प्रतिभागी उन्मुखीकरण कार्यक्रमों का विवरण**

- **प्रीति गुप्ता**
  - **24** से **28** जून**, 2020** तक सरकारी कॉलेज परेड ग्राउंड**,** जम्मू द्वारा 'डेवलेपमेंट ऑफ ई कंटेंट एवॉडिंग ' पर पांच दिवसीय एफडीपी का आयोजन किया ।
  - पीएमएमएमएनएमटी योजना के तत्वावधान में स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा आयोजित 1 फरवरी से 7 फरवरी तक शिक्षा में आईसीटी टूल्स पर सात दिवसीय एफडीपी, उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार द्वारा आयोजित किया गया।

- डॉ. सुशांत नाग
  - 23 मई, 2020 (शनिवार) को शिक्षा विद्यापीठ द्वारा आयोजित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय "एस टी एम" में महिलाओं के स्वत्वाधिकारी विषय पर अतंर्राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।
  - 7 जून से 13 जून 2020 तक आईक्यूएसी, पैट्रिशियन कला एवम विज्ञान महाविद्यालय, चैन्नई द्वारा प्रभावी और गुणवत्ता अनुसंधान लेखन पर एक सप्ताह के राष्ट्रीय स्तर के संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

- 22 जून से 26 जून 2020 तक चेन्नई के पैट्रिशियन कला एंव विज्ञान महाविद्यालय में ज्ञान संसाधन केंद्र द्वारा आयोजित "रिसर्च इंडिकेटर, संसाधन, साहित्यिक चोरी और अकादमिक अखंडता" पर संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
- 2 जून 2020 को लोयला महाविद्यालय (स्वायत्त), चेन्नई द्वारा आयोजित "महामारी और लोक स्वास्थ्य: औपनिवेशिक भारत का अनुभव" विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।
- 29 मई 2020 को अर्थशास्त्र स्नात्कोत्तर एंव अनुसंधान विभाग, नेशनल कॉलेज (स्वायत्तशासी), तिरुचिरापल्ली- 620 001, तमिलनाडु द्वारा आयोजित "कोविड-19 एंड भारतीय अर्थ्ववस्था का अस्तित्व" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन वेबिनार में भाग लिया।
- मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै के सामाजिक परिवर्तन केंद्र द्वारा आयोजित 28 मई 2020 को आयोजित "भारत में असंगठित कामगारों के लिए कोविड-19 और भारत में असंगठित श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा उपाय" पर राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।
- 03 जून, 2020 को यूजीसी प्रकोष्ट श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज द्वारा आयोजित "नोवल करोना एंड नोवल चैलेंजेज : लाइफ अहेड विथ कोविड-19 " पर आयोजित एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में भाग लिया।
- मद्रास विश्वविद्यालय, जून 2020 में मार्च ग्रेगोरियोस कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
- 04 जून, 2020 को चंडीगढ़ के सेक्टर-26 स्थित भाई काहन सिंह नाभा पुस्तकालय, श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज द्वारा आयोजित एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

- प्रीति गुप्ता
  - कैसर इनोवेटिभ सल्यूशन , मुंबई द्वारा 20 जून, 2020 को नवीकरणीय ऊर्जा में निष्क्रिय आय के अवसरों पर राष्ट्रीय स्तर का वेबिनार आयोजित किया गया।

- अनिल कुमार भारती
  - 23 जून, 2020 को अर्थशास्त्र स्नात्कोत्तर एवं अनुसंधान विभाग, अमेरिकन कॉलेज, मदुरै द्वारा आयोजित "कोविड-19 और भारतीय उद्योग-चुनौतियां आनेवाली " पर राष्ट्रीय स्तर का वेबिनार आयोजित किया गया |
  - 19 जून, 2020 को भारतीय अर्थशास्त्र संगठन के सहयोग से पोस्ट ग्रेजुएट एंड रिसर्च डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स, अमेरिकन कॉलेज, मदुरै द्वारा आयोजित "भारत के बाहरी क्षेत्र पर कोविड-19 का प्रभाव" पर राष्ट्रीय स्तर का वेबिनार।

- 11 जून, 2020 को अमेरिकन कॉलेज, मदुरै के अर्थशास्त्र स्नातकोत्तर और अनुसंधान विभाग द्वारा आयोजित "कोविड-19 और भारतीय अर्थव्यवस्था" पर राष्ट्रीय स्तर का वेबिनार आयोजित किया गया।
- 10 जून 2020 को राजीव गांधी राजकीय पीजी कॉलेज अंबिकापुर के अर्थशास्त्र स्नातकोत्तर विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक अवसाद एवं कोविड-19 और पर्यावरण एवं अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव विषय पर ई-राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- 6 जून 2020 को आईक्यूएसी सेल एमएमएच कॉलेज, गाजियाबाद द्वारा आयोजित "ट्रांसफ्यूसिंग द ओरिजनलिटी इन रिसर्च: एवाडिंग प्लेगेरिज्म विद टूल्स एंड टेक्निक्स " पर राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।
- 28 अगस्त, 2020 को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, जम्मू क्षेत्रीय आउटरीच ब्यूरो द्वारा आयोजित वेबिनार में "वित्तीय समावेशन: राष्ट्रीय विकास के लिए अनिवार्य (PMJDY पर विशेष ध्यान देते हुए) विषय पर व्याख्यान दिया।

- **श्वेता कोहली**

  आलेख प्रकाशन "जम्मू-कश्मीर में खाद्य सुरक्षा और सार्वजनिक वितरण प्रणाली" में स्कोपस अनुक्रमित पत्रिका आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक : Vol. 55, निर्गत संख्या 51, 26 Dec, 2020

अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण

श्रीमति प्रीति गुप्ता और श्री अनिल कुमार भारती ने "जम्मू-कश्मीर अनुसूचित जाति, अनुसूची जनजाति, पिछड़ा वर्ग विकास निगम के प्रभाव आकलन" अध्ययन के लिए जांचकर्ताओं के रूप में एक परियोजना पूर्ण किया जिसका निधि जेकेएससीएसटीबीसीडीसी द्वारा निर्गत किया गया था

जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग

➢ **2020–21 के दौरान संकाय उपलब्धियां**

- डॉ. बच्चा बाबू
  - वैश्विक अकादमिक लेखन और अनुसंधान के लिए अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार **2020** प्राप्त किया।
  - शिक्षा के क्षेत्र में अतिरिक्त साधारण पेशेवर कौशल और योगदान के लिए वैश्विक संकाय पुरस्कार **2020** प्राप्त किया।

➢ संकाय प्रकाशन

डॉ. बच्चा बाबू ने प्रतिष्ठित समाचार पत्र में 2 लेख प्रकाशित किए (यूजीसी-सीईसी, शिक्षा मंत्रालय) एनईपी 2020 पर पुस्तक अध्याय प्रकाशित किया (संलग्नक 2)

परियोजना अंवेषक का नाम	अनुसंधान परियोजना का शीर्षक	वित्तीय पोषित	परियोजना की अवधि	प्रमुख अनुसंधान परियोजना/लघु अनुसंधान परियोजना	स्थिति	
					जारी	समाप्ति की तिथि
डॉ. बच्चा बाबू	सोशल मीडिया टेकनोलोजी एंड कोंफ्लिक्ट रेजुलेशन : एस्टीडज इन कश्मीर घाटी	आई सी एस एस आर	2019-2021	प्रमुख अनुसंधान परियोजना	जारी	2021

कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

➢ **विभाग के संबंध में**

आधारिक एंव अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय के तत्वावधान में कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की स्थापना वर्ष **2012** में की गई थी। शुरुआत में विभाग ने **30** प्रविष्टियों के साथ एम.एस.सी (कंप्यूटर विज्ञान) कार्यक्रम प्रस्तावित किया। वर्ष **2013** में, इस कार्यक्रम का नाम बदलकर एकीकृत एमसीए (कंप्यूटर विज्ञान) कर दिया गया। वर्ष 2017 तक एम.सी.ए के तीन बैच सफलतापूर्वक उत्तीर्ण हो चुके है। अनुसंधान परिणाम , बाजार परिदृश्य और उद्योग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभाग ने 30 सीटों की प्रविष्ट क्षमता के साथ एमटेक (कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी) कार्यक्रम प्रस्तावित किये सत्र 2016-17 से एकीकृत एमएससी (कंप्यूटर विज्ञान)- एमसीए पाठ्यक्रम को बंद कर दिया। एमटेक पाठ्यक्रम को एआईसीटीई द्वारा सत्र 2017-18 से अनुमोदित किया गया है। विभाग शैक्षणिक सत्र 2016-17 से पीएचडी अनुसंधान पाठ्यक्रम भी प्रस्तावित कर रहा है। विभाग के पास अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित छ: उच्च योग्य और अनुभवी संकाय सदस्यों की एक टीम है। कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने वर्ष 2018, 2019, 2020 और 2021 में "कंप्यूटिंग में हालिया नवाचार" (आईसीआरआईसी) विषय पर तीन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का सफलतापूर्वक आयोजन किया है।

"जीवन कौशल प्रबंधन नेतृत्व और उत्कृष्टता" विषय पर एआईसीटी (अटल) ने 5 **दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) / कार्यशाला (ऑनलाइन माध्यम से** 12 **अक्तूबर से** 16 **अक्तूबर** 2020 **तक आयोजित हुआ)**

एआईसीटीई प्रशिक्षण एवं अधिगम अकादमी (अटल), एआईसीटीई, नई दिल्ली, भारत सरकार के सहयोग से जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा "**जीवन कौशल प्रबंधन नेतृत्व और उत्कृष्टता**" विषय पर **5** दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)/ कार्यशाला का आयोजन किया गया। सहायक आचार्य डॉ.भावना अरोड़ा ने संकाय विकास कार्यक्रम का समंवयक की थी। कार्यक्रम का उद्घाटन 12 अक्तूबर, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के आधारिक एंव अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. देवानंद ने ऑनलाइन माध्यम से किया था। कम्प्युटर विज्ञान एंव सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.यशवंत सिंह ने स्वागत भाषण दिया। कार्यशाला में राज्य और पड़ोसी राज्यों के विभिन्न संस्थानों के लगभग **56** प्रतिभागियों ने भाग लिया| कार्यशाला कार्य और जीवन में संतुलन, मानव जरूरतों, भावनात्मक बुद्धि और अधिकाधिक कौशल के नेतृत्व और उत्कृष्टता से संबंधित कई विषय पर केंद्रित रही। कार्यशाला का समापन 16 अक्तूबर, 2020 को हुआ था और अंत में संकाय विकास कार्यक्रम के अधिगम परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए यह परीक्षा आयोजित की गई थी। अंत में 5 दिवसीय कार्यशाला का समापन डॉ.भावना अरोड़ा ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया।

➢ **बाह्य विशेषज्ञों की यात्रा का विवरण।**

- प्रो. विनोद शर्मा, जम्मू विश्वविद्यालय, सितंबर, **2020**
- प्रो. मनु सूद , हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, अक्तूबर, **2020.**

➢ **संकाय का नाम :**

प्रो. देवानंद (2020-2021)

सम्मेलनों / संगोष्ठी/ कार्याशाला/ प्रतिभागी का विषय	सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ एफडीपी	क्षेत्रीय/राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय	दिनांक	आयोजक	मुख्य वक्ता /पीठ/ सह-पीठ/ स्रोत वक्ता
जीवन कौशल प्रबंधन नेतृत्व और उत्कृष्टता	एफडपी	राष्ट्रीय	12-16 अक्टूबर, 2020	सीएसआईटी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	संरक्षक

डॉ. भावना अरोड़ा (2020-2021)

सम्मेलन / संगोष्ठी/ कार्याशाला / प्रतिभागी का विषय	सम्मेलन/संगोष्ठी /कार्यशाला /एफडीपी	क्षेत्रीय/राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय	दिनांक	आयोजक	मुख्य वक्ता /पीठ/सह-पीठ/ स्रोत वक्ता
साइबर सुरक्षा और फोरेंसिक	एफडीपी/ कार्यशाला	राष्ट्रीय	3-7 अक्तूबर 2020	गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय	प्रतिभागिता
डेटा विज्ञान, छवि और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण में हालिया प्रगति	सम्मेलन	अन्तर्राष्ट्रीय	21-25 सितंबर 2020	एनआईटी जालंधर	प्रतिभागिता
सोशल मीडिया एनालिटिक्स के लिए मशीन लर्निंग	एफडीपी/ कार्यशाला	राष्ट्रीय	19-23 अगस्त 2020	सीडेक के द्वारा जारी जागरूकता का आई आई टी गुवहाटी के अंर्तगत आयोजन	प्रतिभागिता

कोविड- 19 युग में साइबर सुरक्षा का एकीकृत समाधान	सम्मेलन	अन्तर्राष्ट्रीय	28-07-2020	एम.एम इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर टेक्नोलॉजी एंड बिजनेस मैनेजमेंट महर्षि मारकंडेश्वर, अंबाला हरियाणा	प्रतिभागिता
परिणाम आधारित शिक्षा	एफडीपी/कार्यशाला	राष्ट्रीय	22-26 जून 2020	शिक्षा निदेशालय, मणिपाल शिक्षा विश्वविद्यालय जयपुर	स्रोत वक्ता
ई-लर्निंग: शिक्षण और सीखने के लिए उपकरण	एफडीपी/कार्यशाला	राष्ट्रीय	01-03 अगस्त 2020	एमएएम कॉलेज, जम्मू	स्रोत वक्ता

डॉ.अरविंद सेलवाल (2020-2021)

सम्मेलन / संगोष्ठी/ कार्याशाला /प्रतिभागी का विषय	**सम्मेलन/संगोष्ठी/ कार्यशाला/ एफडीपी**	**क्षेत्रीय/राष्ट्रीय /अंतर्राष्ट्रीय**	**दिनांक**	**आयोजक**	**मुख्य वक्ता /पीठ/सह-पीठ/ स्रोत वक्ता**
अभियात्रिकी में एकीकृत नवाचार अंतरानुशासन (ICIIIE 2020),	सम्मेलन	अंतर्राष्ट्रीय	28-30 अगस्त 2020	पंजाब विश्वविद्यालय	सहभागिता
कंप्यूटर विजन एंव इमेज प्रोसेसिंग	एक सप्ताह संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)	र्राष्ट्रीय	14-24 दिसम्बर ,2020	आइआइटी रुड़की	सहभागिता

डॉ. दीप्ति मल्होत्रा (2020-2021)

सम्मेलन / संगोष्ठी/ कार्याशाला/ प्रतिभागी का विषय	सम्मेलन/संगोष्ठी/ कार्यशाला /एफडीपी	क्षेत्रीय/राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय	दिनांक	आयोजक	मुख्य वक्ता /पीठ/सह-पीठ/ स्रोत वक्ता
"शिक्षकों के लिए जीवन कौशल "	एफडीपी	5 दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम	2-6 **नवंबर** 2020	टीचिंग लर्निंग सेंटर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बीएचयू) वराणसी यू.पी.	प्रतिभागिता
"साइबर और नेटवर्क सुरक्षा: एक अंत:दृष्टि ",	एसटीसी	3 दिन ऑनलाइन संक्षेप पाठ्यक्रम	18-20 **सितंबर** 2020	कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग जीसेट जम्मू द्वारा टेक्यूआईपी-3 के तहत आयोजित	प्रतिभागिता

- **संकाय प्रकाशन**

प्रो. देवानंद

लेखक का नाम (मुख्य लेखक तथा सह लेखक)	शीर्षक	लेख/ अनुसंधान आलेख/ पुस्तक/ अध्याय/ अन्य कोई	प्रकाशक	पत्रिका /जर्नल / पुस्तक का नाम	आईएसएसएन/ आईएसबीएन सं.	प्रकाशन वर्ष
रोहिणी महाजन और देवानंद पाधा	पिक्सेल-वाइज एडप्टीव एल.बी.पी और जी.एल.सी.एम बेसड फिचर एक्स्ट्रेकेशन फॉर ह्युमन मोशन एसटिमेशन	शोध आलेख	जर्नल ऑफ क्रिटिक्ल रिव्यू	जर्नल ऑफ क्रिटिक्ल रिव्यू	2394-5125	2020

डॉ. यशवंत सिंह (2020-2021)

लेखक का नाम (एस) (मुख्य लेखक तथा सह लेखक)	शीर्षक	लेख/शोध पत्र/पुस्तक अध्याय/ कोई अन्य	प्रकाशक का नाम	पत्रिका/जर्नल/ पुस्तक का नाम	आईएसएसएन/ आईएसबीएन संख्या	प्रकाशन का वर्ष
भारती राणा, यशवंत सिंह, प्रदीप कुमार सिंह	ए सिस्टमैटिक सर्वे ऑन इंटरनेट थिंगस : एनर्जी एफिसिएंसी एंड इंट्रोपेरबिलिटी पर्सपेक्टिभ	अनुसंधान आलेख	विले	उभरते दूरसंचार प्रौद्योगिकियों पर चर्चा	https://doi.org/10.1002/ett.4166	2020
पूजा आनंद, यशवंत सिंह, अरविंद सेलवाल, मामूनाअलजब, सुदीपतंवर, नीरज कुमार	आईओटी वुलनेर एबिलिटी एस्सेमेंट फॉर सस्टेनेबल कंप्यूटिंग: थ्रेटस करेंट सॉल्यूशन एंड ओपन चैलेन्ज	अनुसंधान आलेख	आईईईई	आईईईई प्रवेश	आईएसएसएन : 2169-3536	2020
पूजा आनंद, यशवंत सिंह, अरविंद सेलवाल, प्रदीप कुमार सिंह, रालुया एड्रिया फवसगी, मारिया सिमोनारेविका	आईओवीटी : इंटरनेट ऑफ वुलनेरएबल थिंगस ? थ्रेट आर्किटेक्चर ऐट्क सर्फेश एंड वुल्नेरबिलिटिज इन इंटर्नेट ऑफ थिंगस एंड इट्स अप्लिकेशन टुवाड्स स्मार्ट गिरिड	शोध आलेख	एमडीपीआई	एनर्जी	आईएसएसएन:1996-1073	2020

दीप कुमार बंगोत्रा, यशवंत सिंह, अरविंद सेलवाल, नागेश कुमार, प्रदीप कुमार सिंह, वी-चियांग हांग,	एन इंटीलिजेटश ओपरचुनिटिज राउटिंग एलोग्रिथम फॉर वाइरलेस सेंसोर नेटवर्क और इट्स एप्लीकेशन टुवार्डस ई-हेल्थ केयर	शोध आलेख	एमडीपीआई	सैंसर	आईएसएसएन 1424-8220	2020

डॉ. अरविंद सेलवल

लेखक का नाम (मुख्य लेखक तथा सह लेखक)	उपाधि	लेख/शोध पत्र/पुस्तक अध्याय/कोई अन्य	प्रकाशक का नाम	पत्रिका/जर्नल/पुस्तक का नाम	आईएसएसएन/आईएसबीएन संख्या	प्रकाशन का वर्ष
दीपिका शर्मा, अरविंद सेलवाल	**ऑन डाटा ड्राइवन एपरोच फॉर परजेंटेसन एटैक डिटेकशन इन आइरिस रिकोगिनेशन सिस्टम**	**पुस्तक अध्याय**	**स्प्रिंगर**	**कंप्यूटिंग में हाल ही में नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन**	आईएसबीएन 978-981-15-8296-7	2020
सैयद उमायनायत, अरविंद सेलवाल	**टेम्पल्ट ऐट्क एंड प्रोटेकशन इन मल्टी-बायोमेट्रिक सिस्टम: ए सिस्टमैटिक रिवु**	**पुस्तक अध्याय**	**स्प्रिंगर**	**कंप्यूटिंग में हाल ही में नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन**	आईएसबीएन 978-981-15-8296-7	2020

दीपिका शर्मा, अरविंद सेलवाल	**मल्टी-बायोमेट्रिक सिस्टम में टेम्पलेट ऐट्क और सुरक्षा: एक व्यवस्थित समीक्षा**	**शोध आलेख**	**स्प्रिंगर**	सूचना, संचार और कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकी ICICCT 2020	आईएसबीएन 978-981-15-9670-4	2020
अहनीसाबिब, अरविंद सेलवाल	**फिंगरप्रिंट लाइवनेस डिटेक्शन के लिए मजबूत एंटी-स्पूफिंग तकनीक: एक सर्वेक्षण**	**अनुसंधान आलेख**	**आईओपी विज्ञान**	इंजीनियरिंग में एकीकृत अंत:विषय नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआईआईई 2020)	1033 012026	2020
पूजा आनंद, यशवंत सिंह, अरविंद	इन्ट्रनेट ऑफ वुल्नेरब्ले थिंग्स थ्रेटस अर्टिकचर अटैक सर्फेश एंड	**अनुसंधान आलेख**	आईईई	आईई एक्सेस	आईएसबीएन : 2169-3536	2020
सेलवाल, मामूनाअलजब, सुदीपतंवर, नीरज कुमार	वुल्नेरब्लैतिएस इन इंटर्नेट एंड अप्लीकेशन टुवार्डस स्मार्ट ग्रिड					
पूजा आनंद, यशवंत सिंह, अरविंद सेलवाल, प्रदीप कुमार सिंह, रालुकाएंड्रीफेलसे घी, मारिया सिमोनाराबोआ का	इन्ट्रनेट ऑफ वुल्नेरब्ले थिंग्स थ्रेटस अर्टिकचर अटैक सर्फेश एंड वुल्नेरब्लैतिएस इन इंटर्नेट एंड अप्लीकेशन टुवार्डस स्मार्ट ग्रिड	**अनुसंधान आलेख**	एमडीपीआई	एनर्जी	आईएसबीएन : 1996-1073	2020

दीप कुमार बंगोत्रा, यशवंत सिंह, अरविंद सेलवाल, नागेश कुमार, प्रदीप कुमार सिंह, वी-चियांग हांग,	वायरलेस सेंसर नेटवर्क एण्ड इट्स एपलीकेशन टुवार्डस ई-हेल्थकेयर एन एल्गोरिदम रूटिंग ओपरचुनेटिंग	**अनुसंधान आलेख**	एमडीपीआई	सैंसर	आईएसएसएन : 1424-8220	2020

➢ **संकाय का नाम**

डॉ. दीप्ति मल्होत्रा (2020-2021)

लेखक का नाम (एस) (मुख्य लेखक तथा सह लेखक)	**लेख/शोध पत्र/पुस्तक अध्याय/कोई अन्य**	प्रकाशक का नाम	पत्रिका/जर्नल/पुस्तक का नाम	**आईएसएसएन/ आईएसबीएन संख्या**	प्रकाशन का वर्ष
आंद्री राय, डॉ.दीप्ति मल्होत्रा,	गणितीय अभिव्यक्ति के लिए इंटेलिजेंट फ़िल्टर	बेन्थम विज्ञान	सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों में नवाचार पर तीसरे आईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (IICT-2020	आईएसबी एन 978-***3***-030-66217-2	नवंबर 2020
मायाजा मुख्तार, डॉ.दीप्ति मल्होत्रा,	एस आई एस बी डी पी - कानूनी हस्तलिखित दस्तावेजों में जालसाजी की पहचान करने की तकनीक।	आईईईई	स्मार्ट सिस्टम और आविष्कारी प्रौद्योगिकी पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (ICSSIT 2020)	आईएसबी एन 978-1-7281-5821-1	अगस्त 2020
अटल शर्मा, डॉ. दीप्ति मल्होत्रा	प्रोसिडिंग ऑफ थ्रड इंट्रनेशनल कोन्फ्रंके ऑन स्मार्ट सिस्टम एंड इनवेंटिभ टेक्नोलोजी	आईईईई	स्मार्ट सिस्टम और आविष्कारी प्रौद्योगिकी पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (ICSSIT 2020)	आईएसबी एन 978-1-7281-5820-4	अगस्त 2020

➢ **अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण**

क्रम संख्या	परियोजना शीर्षक	पीआई	निधि एजेंसी	स्वीकृति की तिथि	राशि	अवधि
1	साइबर सुरक्षा : विशेष रूप से महिलाओं के लिए साइबर स्पेस के तहत चुनौतियां	**डॉ. यशवंत सिंह**	एन सी डब्ल्यू	25 फरवरी 2021	Rs. 12.19 **लाख**	2021-22
2	क्षेत्रीय भाषाओं के लिए पाठ और भाषण निगमायुक्त का विकास	**डॉ.भावना अरोड़ा**	**डीआरडीओ, नई दिल्ली (के सी एस टी)**	06 **अक्तूबर**, 2020	Rs. 77.98 लाख	2020-2023
3	सेंसर नोड्स के लिए लाइटवेट क्रिप्टोग्राफी का विकास और विश्लेषण और आईओटी	**डॉ.अरविंद सेलवाल**	**डीआरडीओ, नई दिल्ली**	06 **अकतूबर**, 2020	Rs. 41.97 लाख	2020-2023

पर्यावरण एवं यात्रा प्रबंधन विभाग

➢ विभाग के संबंध में

- डॉ. भारती गुप्ता
  - अंतरराष्ट्रीय सप्ताह संगोष्ठी के तत्वाधान में सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन में अशांत समय और गंतव्य विषय पर शिक्षा विभाग के मैकेराटा विश्वविद्यालय में 30 नवंबर से 4 दिसंबर 2020 तक पर्यटन अध्ययन में गुणात्मक अनुसंधान के संचालन की बुनियादी ज्ञान पर ऑनलाइन व्याख्यान देने के लिए अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया
  - एमएचआरडी के ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क (जीआईएएन) कार्यक्रम के तहत स्वीकृत स्थानीय समुदाय की पहचान को पुनर्जीवित करने के लिए "कौशल आधारित रचनात्मक पर्यटन विकास" तिथि 8 से 14 जून 2020 तक आयोजित किया जाना था, हालांकि मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) ने महामारी की स्थिति के कारण अगले आदेश तक इसे स्थगित कर दिया है। मैकरेटा विश्वविद्यालय, इटली की प्रो. फ्लाविया स्टार अतिथि संकाय के साथ डॉ.भारती गुप्ता ने उपरोक्त विषय पर व्याख्यान दिया जिसका समन्वयन डॉ.भारती गुप्ता ने किया।
  - नीति आयोग द्वारा यूजीसी - एसटीआरआईडीई कंपोनेंट-**3** के तहत प्रस्तुत "पर्यावरण के अनुकूल और पहाड़ियों में लागत प्रभावी पर्यटन के विकास" शीर्षक पर परिकल्पित परियोजना के प्रमुख अन्वेषक और भारतीय हिमालयी क्षेत्र में केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कंसोर्टियम के रूप में सहयोगी अनुसंधान परियोजना का भी हिस्सा है।
  - जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए जी डी महाविद्यालय बुधाल में उच्च शिक्षा, जे.एंड के. के तत्वावधान में प्रबंधन का आयोजन किया गया।
  - स्वाती समोत्रा और भारती गुप्ता **(2020)** शांति और पर्यटन: कश्मीर के मामले में त्रुटिपूर्ण संबंधों की खोज, *Journal of Tourism An International Journal of Travel and Tourism,Vol. XX, No.*

- **डॉ. अमित गंगोटिया**
  - " कोविड – 19 के दौरान प्रो पुअर टूरिज्म विस-ए-विस आजीविका स्थिरता " विषय पर ऑनलाइन वेबिनार, पर्यटन अध्ययन विभाग, प्रबंधन विद्यापीठ, पांडिचेरी विश्वविद्यालय में 22 मई, 2020 को व्याख्यान दिया।
  - " कोविड -19 : पर्यटन और आतिथ उद्योग और पेशेवरों के लिए आवश्यक कौशल का प्रभाव " विषय पर रॉयल कॉलेज ऑफ टूरिज्म एंड होटल मैनेजमेंट, रानी बाग में मुख्य वक्ता के रूप में ऑनलाइन व्याख्यान दिनांक -23 मई, 2020 को दिया।

- स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट, एयरलाइंस और पर्यटन द्वारा आयोजित आतिथ और पर्यटन पर सिटी इंटरनेशनल सम्मेलन (CTIHTC2020) की सह-अध्यक्षता की है और इस विषय पर एक व्याख्यान दिया है : "पर्यटन और अतिथिसत्कार अनुभव को बढ़ाने: स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देना" 19 दिसंबर, 2020 को

- 23 जून, 2020 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के कला संकाय, कला संकाय में "हिमाचल प्रदेश में सामुदायिक आधारित पर्यटन" विषय पर आमंत्रित अध्यक्षवक्ता के रूप में ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

- 27 सितंबर, 2020 को स्कूल ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी भोपाल में विश्व पर्यटन दिवस के विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में ऑनलाइन व्याख्यान दिया

➢ प्रकाशन

- "पर्यटन छात्रों से उद्योग की अपेक्षाओं का मूल्यांकन: मानचित्रण (जेनेरिक, व्यावसायिक, एप्लाइड) दक्षताओं, एक सहकर्मी की समीक्षा की अंतरराष्ट्रीय जर्नल ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म रिसर्च में प्रकाशित शीर्षक से कागज , **Volume 8,Issue 1,Oct,2020,ISSN:2347-4556,Page number: 17-22 .**(लेखक: डॉ. अमित गंगोटिया)

- समुदाय के रूटलेज हैंडबुक -आधारित पर्यटन प्रबंधन, अवधारणाओं, मुद्दों और निहितार्थों में प्रकाशित अध्याय "समुदाय आधारित पर्यटन के सुविधाप्रदाताओं और अवरोधकों को समझना: धर्मशाला का एक केस स्टडी **,2021 ,ISBN :978-0-367-22391-5 (hbk), ISBN : 978-0-429-27466-4 (ebk) Page Numner 39-45.** (लेखक : अरूदित्य जसरोटिया और डॉ.अमित गंगोटिया)

- डॉ.रंजीत कुमार रमन

  - नीतियोग द्वारा यूजीसी-डडग कंपोनेंट-**3** के तहत प्रस्तुत "इको-फ्रेंडली और लागत प्रभावी पर्यटन का विकास" शीर्षक पर नीतियोग द्वारा परिकल्पित परियोजना के सह-प्रधान अन्वेषक (सह-पीआई) और भारतीय हिमालयी क्षेत्र में केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कंसोर्टियम के एक हिस्से के रूप में सहयोगी अनुसंधान परियोजना का हिस्सा है।

  - प्रतिष्ठित कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, भारत द्वारा पर्यटन प्रबंधन विषय में 'पर्यटन व्यवहार पर गंतव्य छवि और गंतव्य सेवा गुणवत्ता का प्रभाव: भारत में बौद्ध सर्किट का मामला" नामक थीसिस पर पीएचडी से सम्मानित किया गया।

  - मानव संसाधन विकास केंद्र, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा **20** जुलाई **2020** से **1** अगस्त **2020** के दौरान आयोजित सामाजिक विज्ञान संकाय के लिए अनुसंधान पद्धति पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम पूरा किया और ग्रेड "ए" प्राप्त किया।

- **28** अप्रैल से **4** मई **2020** के दौरान श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय द्वारा गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर पूर्ण संकाय विकास कार्यक्रम।
- **30** मई से **5** जून **2020** के दौरान एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा (उत्तरपी) द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान में समकालीन अनुसंधान प्रथाओं पर सात दिन ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) पूरा किया।
- **6** जुलाई से **8** जुलाई **2020** के दौरान एनआईडीएम, नई दिल्ली के सहयोग से एचएमआरसीपीए द्वारा आयोजित आपदा प्रतिक्रिया, राहत और सामान्य में वसूली पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- एनआईटी, श्रीनगर द्वारा **27** से **31** अगस्त **2020** तक आयोजित 'बेसिक्स ऑफ मैनेजमेंट रिसर्च' पर एक सप्ताह का शॉर्ट टर्म कोर्स पूरा किया।
- **10-14** अगस्त, **2020** के दौरान डॉ. बी. आर अंबेडकर एनआईटी द्वारा आयोजित गुणात्मक अनुसंधान में प्रभावी उपकरण और तकनीक पर एक सप्ताह के ऑनलाइन लघु टर्म पाठ्यक्रम में भाग लिया।

हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग

➢ **विभाग के संबंध :**

विभाग (संक्षिप्त परिचय): हिंदी और अन्य भारतीय भाषा विभाग पी.जी. पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं और सत्र **2021-2022** में अनुवाद में डिप्लोमा शुरू करने जा रहे हैं।

विभाग छात्रों के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करता है। नेट/जेआरएफ परीक्षा के लिए विशेष कक्षाएं और मार्गदर्शन प्रदान करता है।

विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशालाएं/अन्य कार्यक्रम (फोटोग्राफ के साथ)

शारदा भित्ति पत्रिका

➢ **संकाय सदस्य द्वारा आयोजित/भाग लेने वाले अभिविन्यास कार्यक्रमों का विवरण**

संकाय	पाठ्यक्रम	तिथि	आयोजक	विषय
डा. वंदना शर्मा	**07** दिन ई –एसटी सी	**25** से **31** मई **2020**	बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय हरियाणा	----
	01 सप्ताह पुनर्श्चय (एफडीपी)	**17-23** जून **2020**	रानी दुर्गावत्ती विश्वविद्यालय जबलपुर	---
	एक सप्ताह के संकाय	**22-28** फरवरी	पीएमएमएमएनएमटीटी द्वारा	शिक्षण में नवाचार

	विकास कार्यक्रम	**2021**	आयोजित जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय	
डॉ. विनय कुमार शुक्ला	**07** दिन ई –एसटी	**25** से **31** मई **2020**	बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय हरियाणा	---–
	01 सप्ताह पुनर्श्चय (एफडीपी)	**01-06** जून **2020**	चिंतामणि कॉलेज, गोंडवाना विश्वविद्यालय	--–
	01 सप्ताह पुनर्श्चय (एफडीपी)	**08-15** जून **2020**	श्री नेहरू महाविद्यालय (कोयंबटूर)	--–
	01 सप्ताह पुनर्श्चय (एफडीपी)	**17-23** जून **2020**	रानी दुर्गावत्ती विश्वविद्यालय जबलपुर	--–

➢ 2020-21 **के दौरान संकाय उपलब्धियां** :

डॉ. शसांक शुक्ला			
तीन साहित्य विकास सिद्धांत विकसित	संवैधानिक सहचर्या का सिद्धात्म, रचना अंतराल के सिद्धांत, साहित्यक विकास के सिद्धांत	----	**2020-2021**

➢ **संगोष्ठी, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में संकाय ने भाग लिया** (2020-21)

संकाय	विषय	अध्यक्षता /आलेख प्रस्तुति	आयोजक	तिथि
प्रो. रसाल सिंह	"मानवाधिकार: राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्धे और चुनौतियों " पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में '	अध्यक्षता की	शैक्षिक फाउंडेशन, दिल्ली और देशबंधू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित	फ़रवरी 22-23, 2020

	मानवाधिकारों की पश्चिमी धारणा '			
	आकलन और मूल्यांकन में प्रौद्योगिकी की भूमिका 'आकलन और मूल्यांकन: हाल के रुझान और प्रचलन " विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में	अध्यक्षता की	शिक्षा स्कूल द्वारा आयोजित (पीएमएमएमएन टीटी), जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	फ़रवरी 5-6, 2020
डॉ. रत्नेश कुमार यादव	जेकेबोस द्वारा विकसित मौजूदा हिंदी पाठ्य पुस्तकों के संशोधन के लिए	एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लेना	जे के बोस जम्मू	नवंबर 23-28, 2020

➢ **संकाय प्रकाशन**

संकाय	विषय	पत्रिका	आईएसएसएन न.	वर्ष
प्रो . रसाल सिंह				
	उत्तर-पूर्व भारत: उपनिवेशिक अख़्यान बनाम भारतीय दृष्टि	गगनाञ्चल	आईएसएसएन न. 0971- 1430	सितंबर-दिसंबर 2020
	उच्च शिक्षा में होने वाले बदलाव	सबलोग	आईएसएसएन न. 2277-5897.	दिसंबर 2020

	रोशनी तले अंधेरा	पाञ्चजन्य	आईएसएसएन न. 2349-2392.	6 दिसंबर, 2020
	भारत संस्कृतिक की एकातमतक	साहित्य अम्रत	आईएसएसएन न. 2455-1171.	दिसंबर 2020
	व्यावसिक शिक्षा की नई संकल्पना शैक्षिक	मनथन जयपुर	आईएसएसएन न. 2581-4133	1 नवंबर, 2020
	अर्थ - व्यवस्था के नाम पर श्रमिको का शोषण	हाशिये की आवाज	आईएसएसएन न. 2277-5331	सितंबर 2020
	दीनो पर दया करने वाले दीन दयाल.,	पाञ्चजन्य	आईएसएसएन न. 2349-2392	27 सितंबर, 2020
	देव-संस्कृति के बरकास मानव-संस्कृति की प्रतिष्ठा का महाकाव्य : उर्वशी।	आधुनिक साहित्य	आईएसएसएन न. 2515-8058	अप्रैल-दिसंबर,2020
	शिक्षा-प्रशिक्षण और गुणवत्तापूर्ण शोध., जयपुर	शैक्षिकमनथन	आईएसएसएन न. 2581-4133	1 सितंबर, 2020
	आसमान और विकास की	पाञ्चजन्य	आईएसएसएन न. 2349-2392.	6 सितंबर, 2020
	कक्षा शिक्षण बनाम ऑन लाइन शिक्षण	भारतीय धरोहर	आईएसएसएन न. 2455-1120	सितंबर-अक्टूबर, 2020
	बहुत नहीं सिर्फ चार कौए थे काले	संकलन	आईएसएसएन न. 2277-9262	जुलाई-सितंबर, 2020

	उत्तर-पूर् भरत का राम-कव्या और उसकी प्रासंगिकता	पाखी	आईएसएसएन न. 2393-8129	जुलाई - 2020
	भारत की एकता, अखंडता और सम्प्रभुता के संरक्षक: डॉ.. श्यामा प्रसाद मुखर्जी। जयपुर	शैक्षिक मनथन	आईएसएसएन न . 2581-4133	जुलाई। 2020
डॉ. अरविंद कुमार यादव	समकलीनता के परिप्रेक्ष्य में अनु मेहता की कविताएं,	दृष्टिकोण अंक -6	----	नवंबर, दिसंबर - 2020
	सुमित्रानंदन पंत की कविता पर गांधीवादी का प्राभव,	शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान अंक -4	----	दिसंबर 2020

गणित

➢ **विभाग के बारे में**

गणित विभाग **2011** में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही दो संकाय सदस्योंके साथ अस्तित्व में आया था। वर्तमान में विभाग में पांच संकाय सदस्य हैं और विभाग दो कार्यक्रम गणित) में स्नातकोत्तर और पीएचडी (प्रस्तावित कर रहा है। विभाग के संकाय का विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता है जैसेक्रिप्टोग्राफी :, कार्यात्मक विश्लेषण, ऑपरेटर थ्योरी, ऑपरेशन रिसर्च आदि। अपनी स्थापना के बाद से विभाग के संकाय ने **08** पीएचडी, **10** एम फिल और.**40** शोध पत्र तैयार किए हैं। विभाग के संकाय सदस्य के पास संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान, चीन, सर्बिया आदि जैसे विभिन्न देशों के साथ सहयोग स्थापित किया है।

➢ संकाय प्रकाशन

- अजय.के.शर्मा और सेई-इचिरो उईकी, मीन लिप्सचिट्ज की स्थिति और बर्गमैन स्पेश इन ग्रोथ ऑफ एरिया इंटिग्रल मिंस ऑफ फनशन विथ एन एडमिसिबल बेकोले वेट, रॉकी माउंटेन जे.मैथ. 50 (2020), 693-706 (SCI)
- अजय.के.शर्मा और आकृति शर्मा, बाउंडनेस , कॉम्पैक्टनेस एंड हाइयर्स- उलम स्टेबिलिटी ऑफ लिनियर कॉम्बिनेशन ऑफ डिफरेंट ओपरेटर्स Complex Anal. Oper. Theory 14 (2020), 12 pp. (SCI)|
- पी. सिंह, एस. ए. राथर और आर. वर्मा ने ऑन बेटी नम्बर इन लिनियर स्ट्रेंड एण्ड रेगुलेटरी ऑफ ट्रेगुलर ग्राफ, प्रोक. इंडियन. एकेडमिक. साइंस (मैथ साइंस)(एक्सेप्टेड) (साइंस)
- पी.सिंह, एस.ए.राथर, ऑन मिनिमल फ्री रेजुलेशन ऑफ ईडेज आइडियल ऑफ मल्टीपल क्राउन ग्राफ, कम्यूनिकेशन इन अल्जेब्रा 48(3), 1314-1326, 2020. (साइंस)
- परवेज नजीर लोन, दीप सिंह और यू.एच. मीर, ए नोवेल इम्जे एंक्रयपशन यूजिंग रेंडोम मट्रिक्क्सअफिन सिफेर विथ ए चोटिक मैप, जर्नल ऑफ मोडर्न ऑपटिक–ट्यलोर एण्ड फ्रांस , वॉल्यूम 68 (10), pp. 507-521, 2021. (साइंस)
- परवेज नजीर लोन, और दीप सिंह, एपलीकेशन ऑफ अलजेबरा और चाउस थ्योरी में सिक्यूरिटी ऑफ कोलर इंजे , ऑप्टिक-एल्सवियर वॉल्यूम. 218 (165155), 2020. (साइंस)
- संजय कुमार, एस.डी.शर्मा, खालिद अहमद, स्लाइस हाइपरहॉलॉमोर्फिक फंक्शन पर क्वाटरनियोनिक फोक स्पेस, फिलोमेट में प्रकाशन हेतु स्वीकार किया गया 2020, 1197-1207. (साइंस)

भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान विभाग

➢ **विभाग के बारे में**

भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग आधारिक विज्ञान स्कूल के अंतर्गत आता है। विभाग की स्थापना शैक्षणिक सत्र **2016-17** से पांच साल के एमएससी एकिकृत भौतिक विज्ञान कार्यक्रम से शुरू हुआ । वर्तमान में, संकाय सदस्य की संरचना में अनुसंधान के दोनों पहलुओं अर्थात् सैद्धांतिक और प्रायोगिक भौतिकी को शामिल किया गया है। हमारा ध्यान बेहतर शिक्षण और परिणाम प्राप्त करने के लिए नवीन विधियों के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है।

➢ **वर्ष के दौरान प्रमुख उपलब्धियां:**

डॉ. विनय कुमार, सह आचार्य, भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग, कलाम प्रौद्योगिकी और विज्ञान केंद्र, सीयूजे (डीआरडीओ, रक्षा मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान के लिए उत्कृष्टता केंद्र) में सेंसर डिवीजन के समन्वयक के रूप में नामित किया गया है।

➢ **संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित/प्रतिभागी अभिविन्यास कार्यक्रमों का विवरण**:

- **डॉ. जेहोवा जिरे एल हमार** ने श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय उज्जैन रोड, इंदौर में 11 से 15 मई, **2020** तक एक सप्ताह के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)) में प्रतिभागिता किया ।
- **डॉ. जेहोवा जिरे एल हमार** ने गोदावरी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (स्वायत्त) राजामहेंद्रवरम, आंध्र प्रदेश, भारत में **12** से **18** मई **2020** तक एक सप्ताह के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में भाग लिया है।
- **डॉ. जेहोवा जिरे एल हमार** ने **02.06.2020** से **06.06.2020** तक स्नात्कोत्तर रसायन विज्ञान और अनुसंधान विभाग, ऑक्सिलियम कॉलेज, वेल्लोर, भारत में एक सप्ताह के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (संकाय विकास कार्यक्रम (**FDP**) में प्रतिभागिता किया है ।
- **डॉ.जेहोवा जिरे एल हमार** ने गोकराजू रंगाराजू इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, हैदराबाद, तेलंगाना में **02.06.2020** से **07.06.2020** तक एक सप्ताह के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (संकाय विकास कार्यक्रम (**FDP**) में भाग लिया है ।
- **डॉ.जेहोवा जिरे एल हमार** ने **15.06.2020** से **19.06.2020** तक एक सप्ताह के लिए बीआईईटी और इंडियन सिरेमिक सोसाइटी, कोलकाता पश्चिम बंगाल, भारत में एक सप्ताह के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में भाग लिया है।
- **डॉ. जेहोवा जिरे एल हमार** ने **18.06.2020** से **22.06.2020** तक एक सप्ताह के लिए सामग्री विज्ञान विभाग, प्रौद्योगिकी स्कूल केंद्रीय विश्वविद्यालय तमिलनाडु और एबिनोवस कंसल्टिंग, प्राइवेट लिमिटेड, भारत में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में भाग लिया है।

- **डॉ. जेहोवा जिरे एल हमार** ने **24** से **30** जून **2020** तक एक सप्ताह के लिए भौतिकी विभाग, सत्यबामा विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (संकाय विकास कार्यक्रम (**FDP**) में भाग लिया है।
- **डॉ. जेहोवा जिरे एल हमार** ने भौतिकी विभाग, सत्यबामा विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई में **4** से **10** जुलाई **2020** तक एक सप्ताह के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में भाग लिया है।
- **डॉ. जेहोवा जिरे एल हमार** ने केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, एसजीजीएसआईई एंड टी, नांदेड़, महाराष्ट्र (भारत) में **6** से **10** जुलाई **2020** तक एक सप्ताह के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में भाग लिया है।
- **डॉ. जेहोवा जिरे एल हमार** ने विज्ञान और मानविकी विभाग, एमएलआर प्रौद्योगिकी संस्थान, तेलंगाना, हैदराबाद, भारत में **4** से **8** अगस्त, **2020** तक एक सप्ताह के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में भाग लिया है।
- **डॉ.जेहोवा जिरे एल हमार** ने **24** से **28** अगस्त तक एक सप्ताह के लिए भौतिकी विभाग, मदनपल्ले प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (संकाय विकास कार्यक्रम) में भाग लिया है।
- **डॉ. जेहोवा जिरे एल. हमार** ने **14** से **18** सितंबर, **2020** तक एक सप्ताह के लिए भौतिकी विभाग, ईश्वरी इंजीनियरिंग कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में भाग लिया है।

➢ **संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में संकाय ने भाग लिया**
आमंत्रित वार्ता :

- **डॉ. विनय कुमार**, सह आचार्य, भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग ने **31/12/2019** से **03/01/2020** के दौरान डॉ. बीआर अंबेडकर एनआईटी जालंधर द्वारा आयोजित "उन्नत कार्यात्मक सामग्री" पर लघु अवधि पाठ्यक्रम में वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया है।
- **डॉ. विनय कुमार**, सह आचार्य, भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग ने दिनांक **- 9** से **11** जून, **2020** तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू द्वारा आयोजित क्षेत्रीय ई-संगोष्ठी **2020** में "सॉलिड स्टेट लाइटिंग अनुप्रयोगों के लिए फॉस्फोर में हालिया विकास" विषय पर आमंत्रित वार्ता दिये।
- **डॉ. विनय कुमार** ने **20-22** जुलाई **2020** तक चितकारा यूनिवर्सिटी रिसर्च एंड इनोवेशन नेटवर्क, चितकारा यूनिवर्सिटी, पंजाब द्वारा आयोजित "मटेरियल कैरेक्टराइजेशन टेक्निक्स" पर एक वर्चुअल वर्कशॉप के दौरान "एनालिटिकल टेक्निक्स फॉर सरफेस कैरेक्टराइजेशन" पर एक आमंत्रित वार्ता दिये।
- **डॉ. सुरम सिंह ,** सह आचार्य , भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग ने "आधुनिक गणितीय विधियों और विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग" पर **3rd** अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कैडमियम नाभिक के परमाणु संरचना गुणों का सूक्ष्म अध्ययन" पर इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज, गाजियाबाद द्वारा **09/01/2020** से **11/01/2020** के दौरान आयोजित कार्यक्रम में आमंत्रित वार्ता दिया है।

- **डॉ. सुरम सिंह ,** सह आचार्य, भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग ने क्षेत्रीय ई-संगोष्ठी में "एक सैद्धांतिक मॉडल का उपयोग करके विषम-द्रव्यमान $^{151-161}$पीएम और ^{154,156}पीएम आइसोटोप का विस्तृत अध्ययन" विषय पर जम्मू प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दिनांक 9जून से 11जून, **2020** को आमंत्रित वार्ता दिया है।
- **डॉ. सुरम सिंह**, सहा आचार्य, भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग ने "इंजीनियरिंग में एकीकृत अंतःविषय नवाचारों" पर एक आभासी कार्यशाला के दौरान "न्यूट्रॉन संख्या सीमा **50<एन<82"** के भीतर कैडमियम आइसोटोप के परमाणु संरचना गुणों के व्यवस्थित अध्ययन पर **"28-30** अगस्त **2020** तक **UIET,** पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में आमंत्रित वार्ता दिया।

➢ **सम्मेलन:**

- **डॉ. जेहोवा जिरे एल.हमार** ने **13** से **15** जून, **2020** तक उन्नत कार्यात्मक सामग्री और ऑप्टो इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों (आईसीएएफएमओडी-**2020)** पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में भाग लिया।
- **डॉ. जेहोवा जिरे एल.हमार** ने **29** से **30** जून, **2020** तक रासायनिक विज्ञान (**IRCS-2020)** में अभिनव अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में भाग लिया।
- **डॉ. जेहोवा जिरे एल.हमार** ने सामग्री अनुसंधान में हालिया रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन "भौतिकी विभाग, रयातशिक्षा संस्थान के बलवंत कॉलेज, वीटाडिस्ट- सांगली द्वारा आयोजित **29** जुलाई **2020,** को शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर से संबद्ध महाविद्यालय में भाग लिया।
- **डॉ. जेहोवा जिरे एल. हमार** ने **09** से **11** सितंबर, **2020** के दौरान "ऊर्जा सामग्री में हाल के रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन (**INCRTEM-2020)"** पर भौतिकी विभाग, अलगप्पा विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में भाग लिया ।

➢ **अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण**

- **डॉ. विनय कुमार** ने डीआरडीओ, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित "नैनोफॉस्फोर का उपयोग कर उच्च तापमान थर्मल सेंसिंग" नामक एक शोध परियोजना में प्रमुख अन्वेषक के रूप में कार्य, परियोजना की लागत रु. **108.13** लाख (**2020 – 2023)** तीन साल की अवधि तक होगा।

- **डॉ. विनय कुमार** ने डीआरडीओ के तहत **3** साल के लिए पीआई प्रमुख परियोजना स्टार्ट अप अनुदान के रूप में 'TI02 डेकोरेटेड Zno ननोरोड्स /कंडक्टिंग पोल्यमेर हेतरो जंक्शन फॉर फ्लेकसिबल फोटोवोल्टिक एप्लीकेशन' एक शोध परियोजना प्राप्त किया। परियोजना की लागत **53.41** लाख है जो चल रही परियोजना है।

- **डॉ. जेहोवा जिरे एल हमार** ने डीआरडीओ के तहत **3** साल के लिए पीआई प्रमुख परियोजना स्टार्ट अप अनुदान के रूप में ' TI02 डेकोरेटेड Zno ननोरोड्स /कंडक्टिंग पोल्यमेर हेतरो जंक्शन फॉर फ्लेकसिबल फोटोवोल्टिक एप्लीकेशन' एक शोध परियोजना प्राप्त किया। परियोजना की लागत **53.41** लाख है जो परियोजना चल रही है।

- **डॉ. सुरम सिंह** एक परियोजना चला रहे हैं जिसका शीर्षक है "द्रव्यमान क्षेत्र ए = **100-150** में कुछ गैर-जादुई नाभिकों की अर्ध-कण संरचना का सैद्धांतिक अध्ययन" रु। यूजीसी ने **10** लाख मंजूर किए|

वनस्पति विज्ञान विभाग

➢ **विभाग के संबंध में** :

वनस्पति विज्ञान विभाग की स्थापना **2016** में हुई थी। इसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के उद्देश्य से उच्च शिक्षण और अनुसंधान मानकों को स्थापित करना है। उत्तर-पश्चिमी हिमालय में स्थित, विभाग समृद्ध जैव विविधता का अध्ययन करने और कृषि के क्षेत्र में स्थानीय और क्षेत्रीय चुनौतियों का समाधान करने और प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग में विशिष्ट रूप से तैनात है। विभाग ने एकीकृत बीएससी ऑनर्स की शुरुआत की और उपरोक्त उद्देश्यों को पूरा करने के लिए मानव संसाधन को प्रशिक्षित और पोषित करने के लिए एमएससी कार्यक्रम जुलाई, 2016 में प्रवेश लेने वाले एकिकृत स्नात्कोत्तर कार्यक्रम के लिए छात्रों का पहला बैच जून, 2021 तक अपनी डिग्री पूरी करने की दहलीज पर है। पाठ्यक्रम में नियमित कार्य के साथ-साथ प्रयोगशाला और क्षेत्र अध्ययन में सीखने की सक्रियता पर जोर दिया गया है। अंतिम सेमेस्टर में यूजी और पीजी दोनों स्तर पर छात्रों को अपने रिसर्च ओरिएंटेशन और ट्रेनिंग को निखारने के लिए परियोजना प्रारम्भ हुआ। संकाय सदस्यों और छात्रों को सेमिनार और सम्मेलनों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि उन्हें अपने काम को प्रस्तुत करने का अवसर मिल सके। थोड़े ही समय के अंतर्गत विभाग यूजीसी और एसईआरबी, डीएसटी जैसी राष्ट्रीय एजेंसियों से बड़ी शोध परियोजनाओं के लिए फंड आकर्षित करने में सफल रहा है। संकाय आनुवंशिकी, प्लांट चयापचय, स्ट्रेस ब्यलोजी, प्लांट प्रतिरक्षा, ट्रांसजेनिक प्रौद्योगिकी और संबंधित क्षेत्रों सहित प्लांट विज्ञान अनुसंधान के विविध और गतिशील क्षेत्रों से विशेषज्ञता लाया गया है।

➢ **वर्ष के दौरान प्रमुख उपलब्धियां** :

- वनस्पति विज्ञान विभाग ने 18 मई, 2020 को "पौधों का आकर्षण दिवस" मनाया। यह यूरोपीय प्लांट साइंस संगठन (EPSO) के तत्वाधान में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय घटना के लिए कृषि के लिए प्लांट विज्ञान के महत्व को रेखांकित, भोजन में सतत वृद्दि, साथ ही बागवानी, वानिकी के लिए, और गैर खाद्य उत्पादों जैसे कागज, लकड़ी, रसायन, ऊर्जा, और फार्मास्यूटिकल्स के सभी विभाग ने 'हरित क्रांति से ड्रीम क्रांति: विजन फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर' विषय पर आधारित कई रोचक और विचार-उत्तेजक कार्यक्रमों का आयोजन किया। डिजिटल स्पेस में एकिकृत स्नात्कोत्तर कार्यक्रम के सौ से अधिक छात्रों और शोधार्थी ने उत्साह से भाग लिया।
- विभाग ने 12-13 जून, 2020 को जलवायु परिवर्तन और टिकाऊ कृषि (सीसीएसए-2020) पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। संयुक्त राज्य अमेरिका, मेक्सिको, मिस्र और थाईलैंड के विदेशी प्रतिनिधियों और भारत में 20 राज्यों के लगभग 270 शोधकर्ताओं, संकाय और छात्रों ने वेबिनार में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस वेबिनार को विभागाध्यक्ष प्रो.बी. एस भाऊ ने बुलाया और संचालन सचिव डॉ. सामंथा वैष्णवी और डॉ. दीपक कुमार ने किया। आमंत्रित वक्ता डॉ.दीपमाला सहगल, गेहूं जेनेटिकिस्ट और क्रिटिक्ल समन्वयक, अंतर्राष्ट्रीय मक्का और गेहूं सुधार केंद्र (CIMMYT), मेक्सिको ने विभिन्न आणविक मार्कर और उनके अनुप्रयोगों के गुणों पर चर्चा

की, जबकि डॉ. मोहम्मद अब्दुल्हा ए. एम गाद, गेहूं रोग अनुसंधान विभाग, कृषि अनुसंधान संस्थान, गीज़ा, मिस्र में गेहूं पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के बारे में बात किया। दूसरे दिन वैज्ञानिक उत्तरी अमेरिका लक्षण आकलन, पैथोलॉजी, कीट विज्ञान एवं नेमेटोलॉजी विभाग, सिंजेंटा सीड्स, सेंट स्टैंटन, यूएसए ने कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए आधुनिक जीनोमिक टूल्स पर विस्तार से बताया। अमेरिका के जॉर्जिया विश्वविद्यालय के प्लांट पैथोलॉजी विभाग के एक्सपैनल वेजिटेबल डिजीज स्पेशलिस्ट के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. भावेश दत्ता ने जीनोमिक एंड एप्लाइड रिसर्च के जरिए प्याज के बैक्टीरियल रोगजनकों के प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। अमिटी यूनिवर्सिटी जयपुर के एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी में रामलिंगस्वामी फेलो के सहा आचार्य डॉ. रूपेश कुमार मिश्रा ने कृषि और पादप विज्ञान में इस्तेमाल किए जा रहे नैनोबायोसेंसर्स के विकास पर बहुत ही ज्ञानवर्द्धक भाषण दिया।

➢ **नवाचार कार्यक्रम/विकास कार्यक्रम/अन्य कार्यक्रम** :

- वी. श्रीवास्तव ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय , जम्मू और कश्मीर, भारत द्वारा आयोजित "डिजाइन, विकास और डिलीवर एमओओसी" पर व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया (3 जनवरी, 2020 से 9 जनवरी, 2020)

➢ **संकाय उपलब्धियों के दौरान :**

- एस वैष्णवी ने **30** अक्टूबर**, 2020** को अमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी**,** अमिटी यूनिवर्सिटी**,** नोएडा द्वारा आयोजित एआईबी वेबिनार और लेक्चर सीरीज **2020** में 'गॉड ब्लेस अवर एटीजीसी: क्या हुआ! ' पर एक आमंत्रित भाषण दिया।
- वी. श्रीवास्तव ने **16-18** जून**, 2020** को इलाहाबाद विश्वविद्यालय के ईविंग क्रिश्चियन कॉलेज द्वारा आयोजित "ग्लोबल कोविड**19** क्राइसिस-एनवायरमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट" पर इंटरनेशनल वेबिनार में "सार्स-कोवि **2** के खिलाफ प्लांट बायोटेक्नोलॉजी की क्षमता" पर एक आमंत्रित भाषण दिया।
- जयपुरिया प्रबंधन संस्थान **,** जयपुर द्वारा **17-18** जनवरी**, 2020** के दौरान आयोजित श्रृंखला युवा **- 2025** में **7**वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर सत्र के लिए एस वैष्णवी सत्र अध्यक्ष एवं न्यायाधीश**,** "री-कल्पिंग लीडरशिप फॉर ए ग्लोबल वर्कफोर्स" (युवा नेताओं के लिए व्यावसायिकता और नैतिकता को बढ़ावा देना) पर आयोजित किया गया।
- एस वैष्णवी ने राष्ट्रीय संगोष्ठी मूल्यांकन के लिए डिजिटल टूल्स एंड टेक्नोलॉजी को एकीकृत करने वाले सत्र की सह-अध्यक्षता : हाल ही में रुझान और चुनौतियां**,** स्कूल ऑफ एजुकेशन**,** सीयूजे**,** ने 5-6 फरवरी**,** 2020 को आयोजित किया गया।

➢ **कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी :**

सुश्री दिव्या बख्शी की पीएचडी पर्यवेक्षक एस वैष्णवी ने अपनी थीसिस का सफलतापूर्वक बचाव किया और अक्टूबर, 2020 में एसएमवीडी विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान करने के लिए पात्र घोषित किया गया।

➢ **संगोष्ठी , कार्यशालाओं और सम्मेलनों में संकाय ने भाग लिया**

- एस वैष्णवी ने **22-28** जून, **2020** तक पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय भटिंडा द्वारा आयोजित विज्ञान नेतृत्व कार्यशाला में भाग लिया
- एस वैष्णवी, महामारी और भूख पर वेबिनार में भाग लिया: हैदराबाद विश्वविद्यालय, ने जून **8,2020** को आयोजित खाद्य और न्यूट्रिशनल सुरक्षा को संबोधित करने के लिए बाजरा को मुख्यधारा से जोडा।
- एस वैष्णवी ने **20-21** मई, **2020** तक हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, शाहपुर द्वारा पर्यावरण प्रदूषक एवं कैंसर पर ऑनलाइन सम्मेलन में भाग लिया।
- एस वैष्णवी ने 20 मई, 2020 (फोरनून) को आर डी और एस एच नेशनल कॉलेज और एसडब्ल्यूए साइंस कॉलेज, मुंबई द्वारा आयोजित आणविक वर्गीकरण और डीएनए बार्कोडिंग पर वेबिनार में भाग लिया।
- 19 मई, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी कॉलेज द्वारा जैव विविधता और जन स्वास्थ्य पर वेबिनार में भाग लिया

➢ **संकाय प्रकाशन**

- रैना एम, शर्मा ए, नजीर एम, कुमारी पी, रुस्तगी ए, हामी ए, भाऊ बीएस, जरगर एसएम, कुमार डी. (2021) Exploring the new dimensions of selenium research to understand the underlying mechanism of its uptake, translocation and accumulation. Physiologia Plantarum 171(4):882-895. doi: 10.1111/ppl.13275.

- लथा फेमिमी एल, भट्टाचरिया पी, भाऊ बीएस, वान एसबी, बनिक डी (2020) Direct organogenesis mediated improvised mass propagation of Pogostemon cablin: A natural reserve of pharmaceutical biomolecules, South African Journal of Botany https://doi.org/10.1016/j.sajb.2020.08.018 (In Press).

- इस्लाम एमआर, भाऊ बीएस, बानू एस (2020) Gene expression analysis associated with agarwood formation in *Aquilaria malaccensis*. Plant Physiology Reports. 25, 304–314. https://doi.org/10.1007/s40502-020-00505-9.

- बोराह बी, हुसैन एम, वार्न एसबी, भाऊ बीएस (2020) Selection and validation of suitable reference genes for quantitative real time PCR analysis of gene expression studies in patchouli under *Meloidogyne incognita* attack and PGPR treatment. Gene Reports 19, https://doi.org/10.1016/j.genrep.2020.100625.

- बख्शी डी, नागपाल ए, शर्मा वी, शर्मा आई, शाह आर, शर्मा बी, भट ए, वर्मा एस, भट जीआर, अबरोल डी, शर्मा आर, वैष्णवी एस, कुमार आर (2020).MassARRAY-based single nucleotide polymorphism analysis in breast cancer of north Indian population. BMC Cancer20: 861 https://doi.org/10.1186/s12885-020-07361-8.

- बख्शी डी, कटोच ए, चक्रवर्ती,शाह आर, शर्मा बी, भट ए, वर्मा एस, भट। आर.,नागपाला.,वैष्णवी.,गोस्वामी और कुमार आर., (2020) ANKLE1 एस न्यू हॉट स्पाट म्यूटेशन फॉर ब्रेस्ट कैंसर इन इडिंयन पापुलेशन एंड हैस ए रोल इन डीएनए डैमेज एंड रिपेयर इन मैमेलियन सैल्स Frontiers in Genetics, 27 January 2021 https://doi.org/10.3389/fgene.2020.609758.

- भारद्वाज डी., साहू, आरके, नकवी, एआर, लखनपॉल, एस और टुटेजा, एन. (2020). पी जी.बी सबयुनिट ऑफ जी प्रोटीन्स हैज़ ए रोल इन नाइट्रिक ओक्साइड इन्डयूसड सटोमेटल क्लोज़र इन रिसपान्स टू हीट एंड ड्राट स्ट्रेस Protoplasma, 257(6), pp.1639-1654.

- रैना एम, शर्मा ए, नजीर एम, कुमारी पी, रुस्तगी ए, हामी ए, भाऊ बीएस, जरगर एसएम, कुमार डी (2020) एक्सपलोरिंग द न्यू डाईमेंशनस ऑफ सेलेनियम रिसर्च टू अंडरसटैंड द अडंरलाइंग मैकेन्ज़िम ऑफ इट्स अपटेक, ट्रांसलोकेशन एंड एक्यूमुलेशन. फीसियलॉजी प्लेनीटेरियम (DOI:10.1111/ppl.13275).

➢ **संपादित पुस्तक**

- हैरी रूट संस्कृतियों: तरीके और प्रोटोकॉल (Eds. विकास श्रीवास्तव, शक्ति मेहरोत्रा, सोनल मिश्रा) Springer (2020, 978-981-15-4054-7).
- पुस्तक अध्याय
- मोहन. आई, गोरिया. के, धार. एस, कोठारी. आर, भाऊ बी.एस, पठानिया. डी (2021) फाईटोर मिडियेशन ऑफ हैवी मैटलज़ फ्राम द बायोसेफेयर प्रसपैक्टिवज़ एंड सोलयूशन्स. सिंह पी, सिंह आर, सिंह वीके, भदौरिया आर (Eds.) पाल्यूटैन्टस एंड वाटर मैनेजमेंट : रिर्सोसेज़, स्ट्रेटिजिज़ एंड स्कारसिटी. John Wiley & Sons Ltd. Pp 95-127.
- मेहरोत्रा एस, मिश्रा एस, श्रीवास्तव पंचम (2020). हेयरी रूट बायेटैक्नालोजी अनज़िपड : ए जर्नी ऑफ रियलिटी एंड प्रोमिसिस (p1-10). इन हेयरी रूट कल्चर्स : मैथड्स एंड प्रोटोकॉल्स Edited by Vikas Srivastava, Shakti Mehrotra, Sonal Mishra, Springer
- मिश्रा एस, भारद्वाज एम, मेहरोत्रा एस, चौधरी ए, श्रीवास्तव वी (2020). द कांटरीब्यूशन ऑफ फायटोहारमोन्स इन थरमोटालरेन्स (p213-238).इन हीट स्ट्रैस टॉलरैन्स इन प्लांटस : फीसियलाजिकल, मोलिक्यूलर एंड जैनेटिक प्रासपैक्टिवज़, Edited by Vinay Kumar and Shabir Hussain Wani, John Wiley & Sons Ltd. (WILEY).

- फाजंग पी, नेगी एनपी, रैना एम, कुमार डी (2020) Plant Antimicrobial Peptides: Next-Generation प्लांट एंटीमाइक्रोबियल पैप्टाइडज़ : नैक्सट जैनरेशन बायोएक्टिव मोलिक्युल्स फॉर प्लांट प्रोटैक्टशन. In: एम कमार, वी कमार और आर प्रसाद (Editor), Phyto-(Springer Nature, Singapore) (ISBN- 978- 981-15-2576-6).

- रुस्तगी ए, नेगी एनपी, चौधरी एचडी, महाजन ए, रेखा, वर्मा एस, कुमार डी, राजवंशी आर, सरीन एनबी (2020) Transgenic Approaches for Improvement of Brassica Species. In: एसएच वानी, एके ठाकुर, वाईजे खान (Editors), Brassica Improvement, (Springer Nature, Singapore) (ISBN- 978-3-030-34694-2).
- कुशवाहा आरके, रोड्रिग्स वी, कुमार वी, पटेल एच, रैना एम और कुमार डी (2020) Soil Microbes-Medicinal Plants Interactions: Ecological Diversity and Future Prospect. In: ए वर्मा और आर प्रसाद (Editor), Plant Microbe Symbiosis, (Springer Nature, Singapore)(ISBN- 978-3-030-36247-8).

➢ फोरम लेख

- मेहरोत्रा एस, कुमार एस, श्रीवास्तव वी, मिश्रा टी, मिश्रा बीएन . 3D bio printing in plant science: An interdisciplinary approach. Trends in Plant Science (2020) 25, pp 10-14.

प्राणीविज्ञान विभाग

➢ **विभाग के संबंध में** :

प्राणी विज्ञान विभाग की स्थापना 2016 में पांच वर्षीय एकीक्रत बीएससी-एमएससी कार्यक्रम शुरू करने के साथ की गई थी। सभी में कुल मिला कर 10 सेमेस्टर है। तीन साल (यानी 6 सेमेस्टर) के बाद छात्रों को उपाधि परीक्षा का विकल्प होता है। इस स्थिति में उसे पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित परीक्षा को उत्तीर्ण करने के बाद और नियमों के तहत निर्धारित आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद बी.एससी (ऑनर्स) की उपाधि प्रदान की जाती है । सीबीसीएस योजना के तहत यूजीसी की दिशानिर्देश के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। प्रत्येक सेमेस्टर में कोर पाठ्यक्रम , जेनेरिक ऐच्छिक पाठ्यक्रम और व्यापक पाठ्यक्रम/ कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम हैं । प्राणी विज्ञान विभाग में ओजस्वी संकाय, छात्र, शिक्षणेतर कर्मचारी है, जो भावुक और सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है और शिक्षण और अनुदेशो के माध्यम से विभाग का नेतृत्व कर रहें है। विभाग छात्रों के सतत व्यावहारिक प्रशिक्षण और निरंतर आंतरिक मूल्यांकन पर जोर देता है। विभाग ने वर्ष 2019 से प्राणी विज्ञान में पीएचडी कार्यक्रम शुरू किया है।

➢ 2020-2021 के दौरान संकाय उपलब्धियां

डॉ. अंजलि धर

सम्मेलनों/ संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/ प्रतिभागी का विषय	क्षेत्रीय/राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय	दिनांक	आयोजक	मुख्य वक्ता/अध्यक्ष/सह-अध्यक्ष/ स्रोत वक्ता	प्रस्तुत वार्ता/ आलेख का शीर्षक
फ़्लिप कक्षा एक के माध्यम से शिक्षक का शिक्षण	राष्ट्रीय	22 अप्रैल -15 मई 2020	ठाकुर श्याम नारायण शिक्षा महाविद्यालय	प्रतिभागी	फ़्लिप कक्षा के माध्यम से शिक्षक को शिक्षण में नवाचार पढ़ाएं

परियोजना अन्वेषक और सह अन्वेषक का नाम	अनुसंधान परियोजना का शीर्षक	पोषित एजेंसी	परियोजना का कार्यकाल	परियोजना	स्थिति	
डॉ. अंजलि धर	एफिड्स की जनसंख्या गतिशीलता	सीयूजे	3 वर्षो का	लघू अनुसंधान परियोजना	जारी है	पूरा करने का वर्ष 2020

डॉ श्वेतांबरी जसरोटिया

परियोजना अन्वेषक और सह अन्वेषक का नाम	अनुसंधान परियोजना का शीर्षक	पोषित एजेंसी	परियोजना का कार्यकाल	प्रमुख अनुसंधान परियोजना/लघू अनुसंधान परियोजना	स्थिति	
					जारी	पूरा होने की तारीख
डॉ. श्वेतांबरी जसरोटिया	जम्मू के तालाबों में सांस्कृतिक यूट्रोफिकेशन	सी यू जे	3 वर्ष	न्यूनतम	हाँ	2020

डॉ. विनीता शर्मा

परियोजना अन्वेषक और सह अन्वेषक का नाम	अनुसंधान परियोजना का शीर्षक	फंडिंग एजेंसी	परियोजना का कार्यकाल	प्रमुख अनुसंधान परियोजना/लघु अनुसंधान परियोजना	स्थिति	
					जारी	पूरा होने की तारीख
डॉ. विनीता शर्मा	हॉर्निड	सी यू जे	3 वर्ष	लघू	हाँ	2020

सुश्री. स्टेनजिन लाडोल

सम्मेलनों/संगोष्ठियों/ कार्यशालाओं का विषय	क्षेत्रीय/राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय	दिनांक	आयोजक	मुख्य वक्ता/अध्यक्ष/सह-अध्यक्ष/संसाधन व्यक्ति	प्रस्तुत वार्ता /आलेख का शीर्षक
"हैंडलिंग, देखभाल और प्रक्रियाओं के लिए प्रयोगशाला पशुओं पर प्रशिक्षण पर हाथ" पर एक सप्ताह की कार्यशाला	राष्ट्रीय	15th- 19th फरवरी 2020	सीपीसीएसईए के सहयोग से जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज द्वारा आयोजित।	प्रतिभागी	

शाविता पाधा

- पीजी डिपार्टमेंट ऑफ जूलॉजी, केएमवी कॉलेज, जालंधर (31 मई, 2020) द्वारा आयोजित "कोविड 19 महामारी जागरूकता कार्यक्रम" पर ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- विज्ञान क्लब, जीएनडीयू (4 जून, 2020) द्वारा आयोजित "(जैव) विविधता के लिए हम अकेले नहीं हैं" पर वेबिनार का आयोजन हुआ।
- विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून, 2020) पर आईयूसीएन और सीईसी द्वारा "जैव विविधता: जैव संकेतक, निगरानी और पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य" पर एक दिन वेबिनार का आयोजन हुआ।
- समुद्री विज्ञान विभाग, स्कूल ऑफ मरीन साइंसेज, भारथिडासन विश्वविद्यालय, तिरुचिपल्ली (8 जून, 2020) द्वारा आयोजित "विश्व महासागर दिवस का स्मरणोत्सव" पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन हुआ।

विपणन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग

➢ विभाग के बारे में

विपणन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग ने जुलाई, 2016 से इस विजन के साथ प्रारम्भ किया गया कि निजी एवं सरकारी क्षेत्र में एमबीए स्नातक 'राष्ट्र के स्तंभ, बनेंगे चाहे वह निजी या सार्वजनिक क्षेत्र में सैद्धांतिक अवधारणाओं को वास्तविक दुनिया के व्यावहारिक उदाहरणों में परिणत हो। विभाग देश और दुनिया में विशिष्ट व्यावसायिक ज्ञान का सबसे व्यापक स्रोत बनने के लिए अपने दृष्टिकोण के दायरे का विस्तार करने की परिकल्पना करता है। विभाग का मुख्य उद्देश्य छात्रों को उद्योग हेतु तैयार करना है। हमारे प्रख्यात संकाय द्वारा चुना गया मामले का अध्ययन, सिमुलेशन, न्यूरो-भाषाई प्रोग्रामिंग (एनएलपी) कार्यशालाओं, नाटकों की भूमिक, अतिथि व्याख्यान और बाह्य उद्योग कार्यक्रमों को शामिल करते हुए आवेदन आधारित शिक्षण पद्धतियां आगे एक कठोर कॉर्पोरेट जीवन के लिए एक समग्र दृष्टिकोण विकसित करने के लिए नवोदित दिमाग तैयार करती हैं।

➢ विभागीय गतिविधियां

- विपणन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग के कशीश महाजन, विशाखा सम्बयाल और स्टैनजिन कोंचोक नाम के छात्रों ने **16-30** जनवरी, 2020 के दौरान जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश के **24** अन्य छात्रों के साथ एक भारत श्रेष्ठ भारत 2020 के तहत तमिलनाडू केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित छात्र विनिमय कार्यक्रम में सीयूजे ने प्रतिनिधित्व किया।
- ऋषभ कथ, गौरव संगोत्रा और अजय सिंह ने **31** जनवरी-**2** फरवरी, **2020** के दौरान भारतीय प्रबंधन संस्थान, जम्मू द्वारा आयोजित उत्सव में भाग लिया।
- 26 फरवरी, 2020 को एमबीए- विपणन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग के छात्रों के लिए इग्नू के प्रो नवल किशोर द्वारा अतिथि व्याख्यान दिया , उन्होंने औद्योगिकी छात्रों को ध्वनि वैचारिक समझ के साथ बहुआयामी व्यक्तिव के साथ साझा किया।
- 22-28 फरवरी, 2020 को जम्मू विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में विश्वविद्यालय के अन्य छात्रों के साथ विभाग के छात्रों ने भाग लिया। ऋषभ कथ ने स्किट प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार और नारा लेखन प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता|

ऋषभ कथ को स्किट प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार
और नारा लेखन प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार मिला।

राष्ट्रीय एकता शिविर के दौरान स्किट प्रतियोगिता - 2020

एक भारत श्रेष्ठ भारत के दौरान डोगरी गीत का पाठ

➢ **संगोष्ठी, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में संकाय ने भाग लिया :**

- डॉ. नरेश कुमार शर्मा
  - मूल्यांकन और मूल्यांकन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "मूल्यांकन और पीएचडी डिग्री का मूल्यांकन:- कुछ नैतिक मुद्दे" शीर्षक से प्रस्तुत आलेख हाल ही में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा आयोजित रुझान और चुनौतियां। (5-6 फरवरी, 2020)
  - नए भारत के उद्भव पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "उच्च शिक्षा पर स्वामी विवेकानंद के विचार" शीर्षक से आलेख प्रस्तुत किया| जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के विवेकानंद पीठ द्वारा स्वामी विवेकानंद के दर्शन और शिक्षाओं का आयोजन किया गया। (16-17 जनवरी, 2020)

- डॉ सलिल सेठ
  - 30 मई से 05 जून 2020 तक एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान में समकालीन अनुसंधान प्रथाओं पर ऑनलाइन एफडीपी में भाग लिया।
  - **25** मई **2020** को यूनिवर्सिटी बिजनेस स्कूल, पंजाब यूनिवर्सिटी रीजनल सेंटर, लुधियाना द्वारा आयोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कांफ्रेंस में 'पॉजिटिव आवर्स ऑफ कोविड**-19:** एनवायरमेंटल सेंसिटिविटी ऑफ ग्रीन मार्केटिंग' पर आलेख प्रेजेंटेशन।

- डॉ सलिल सेठ
  - 30 मई से 05 जून 2020 तक अमेटी विश्वविद्यालय, नोएडा द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान में समकालीन अनुसंधान प्रथाओं पर ऑनलाइन एफडीपी में भाग लिया।
  - **25** मई **2020** को यूनिवर्सिटी बिजनेस स्कूल**,** पंजाब विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय केंद्र, लुधियाना द्वारा आयोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कांफ्रेंस में 'पॉजिटिव आवर्स ऑफ कोविड**-19:** एनवायरमेंटल सेंसिटिविटी ऑफ ग्रीन मार्केटिंग' पर आलेख प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया।

- **डॉ अंजू थापा**
  - भारतीय अर्थव्यवस्था की गति: **01** अगस्त**, 2020** को आयोजित "सतत बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं और बीमा के लिए भविष्य की रणनीति दौरान/पोस्ट महामारी संकट" विषय पर एक ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक व्यापक आर्थिक विश्लेषण किया।

➢ विभागीय गतिविधियां

- वर्ष 2020 के जनवरी माह में तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम में सह समन्वयक के रूप में भाग लिया।

➢ **संकाय प्रकाशन**

- डॉ अंजू थापा
  - उत्तर भारत में दूरसंचार क्षेत्र के संगठन के कर्मचारियों के बीच कार्य प्रथाओं प्रभावशीलता: एक तुलनात्मक विश्लेषण, व्यापार और प्रबंधन अध्ययन जर्नल। Vol. 2, नंबर 1, 2020। ISSN: 2709-0876

लोक नीति एवं लोक प्रशासन विभाग

- **विभाग के संबंध में**

  जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के लोक नीति एवं लोक प्रशासन विभाग की स्थापना जुलाई 2013 में हुई थी।अब तक स्नातकोत्तर छात्रों के छह बैच सफलतापूर्वक अपने स्नातकोत्तर कार्यक्रम को पूरा कर लिया है। विभाग सार्वजनिक और गैर–सार्वजनिक क्षेत्रों में छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान करने का प्रयास करता है । लोक नीति और लोक प्रशासन विभाग का उद्देश्य भारत में शासन और सार्वजनिक नीति में सुधार करना है, जिसमें उभरती नीतिगत मुद्दों और समस्याओं के समाधान का सुझाव देने वाली नीतिगत सोच और नीति निर्माण का नेतृत्व करने की प्रबल इच्छा है । विभाग शैक्षिक क्षमताओं को बढ़ाने और इसे एक नीति थिंक टैंक के रूप में स्थापित करने की आकांक्षा रखता है जो समाज से संबंधित मुद्दों के वैकल्पिक समाधानों को विकसित और बढ़ावा देता हैद्य यह सार्वजनिक नीतियों का गंभीर मूल्यांकन करने, सार्वजनिक प्राधिकरणों के प्रदर्शन का आकलन करने और छात्रों, संकाय और प्रशासकों की दक्षताओं को बढ़ाने के लिए कार्यक्रम आयोजित करने का लक्ष्य रखता है ।

- वर्ष के दौरान प्रमुख उपलब्धियां

  लोक नीति एवं लोक प्रशासन विभाग (पीपीपीए) द्वारा विश्वविद्यालय में 26 नवंबर 2020 को संविधान दिवस मनाया गया था।

- **संगोष्ठी , कार्यशालाओं और सम्मेलनों में संकाय ने भाग लिया** (2020-21)
  - **डॉ. जी दुर्गा राव**

    जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के निराकरण पर 'एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी' में एक मुख्य भाषण डॉ.जी दुर्गा राव पर राजनीति विज्ञान और लोक प्रशासन विभाग, एमएसएन परिसर, काकिनादा आदिकवी ननया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भारत के लिए राजनीतिक निहितार्थ हैं|

सूक्ष्म विज्ञान एवं पदार्थ विभाग

➢ **विभाग के संबंध में:**

सूक्ष्म विज्ञान और सामग्री विभाग, 2016 में स्थापित (प्रविष्टिया 35) के साथ स्नात्कोत्तर कार्यक्रम प्रस्तावित कर रहा है और सामग्री विज्ञान में पीएचडी भी कराया जाता हैं।

➢ वर्ष के दौरान प्रमुख उपलब्धियां :

शोध प्रकाशन = 15, पुस्तक अध्याय = 03, परियोजना = 02

➢ 2020-21 के दौरान संकाय उपलब्धियां

- डॉ. विशाल सिंह :

  दो प्रकाशन, एक अध्याय, एक डीआरडीओ परियोजना

- डॉ. तनुज कुमार :

  प्रकाशन : 07

- डॉ. प्रगति कुमार :

  02 शोध आलेख

➢ संगोष्ठी, कार्यशालाएं और सम्मेलनों में संकाय ने भाग लिया (2020-21)

- डॉ. विशाल सिंह :

  Indian Summer school on Crystal Growth, SSN Research Centre, Chennai

  इंटर यूनिवर्सिटी एक्सीलरेटर सेंटर द्वारा आयोजित 8-11 दिसंबर, 2020 को "आयन बीम इन मैटेरियल्स इंजीनियरिंग एंड कैरेक्टराइजेशन (आईबीएमईसी-2020) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ऑनलाइन) नई दिल्ली

➢ संकाय प्रकाशन

- डॉ. विशाल सिंह
  - स्ट्रक्चरल एवं मैग्नेटिक, इंवेस्टीगेशंस ऑफ **Yb** सब्सिटयूटेड Y1-xYbxBaCo4O7 ($0 \leq x \leq 0.5$) कंपाउंड, भरत सिंह, नरेश कुमार, विशाल सिंह, रेवेन् यू टिकू, एन.के गौड़ और अजय सिंह एकीकृत फेरोइलेक्ट्रिक्स जर्नल

- 2. effect of PbTiO3 Concentration on structural, Paramagnectic resonance and magnetoeletric properties of PbTiO3: SrFe12019 multiferroic nanocomposites. अजय सिंह ए, बलविंदर कौर बी, मंजू अरोड़ा सी, विशाल सिंह, Materials Chemistry and Physics 155 (2015) 92e98
- सामग्री संश्लेषण से सेंसर प्रोटोटाइप, असुरक्षित कार्बन सामग्री की हैंडबुक से असुरक्षित कार्बन आधारित अकार्बनिक लचीला सेंसर यात्रा में हाल ही में प्रगति " स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर / सी नंबर 122664 (पुस्तक अध्याय)

- डॉ. तनुज कुमार
  - (4) Surface engineering of Pt thin films by low energy heavy ion irradiation, एम कुमार, आरके पांडेय, एस पाठक, एस ओझा, टी कुमार, आर कुमार , Applied Surface Science 540, 148338
  - (5) Recent advances in bimetallic metal-organic framework as a potential candidate for supercapacitor electrode material, एन.रजा, टी.कुमार, वी.सिंह, के.एच किम , Coordination Chemistry Reviews, 213660, 2020
  - (6) An offline prediction of nanoscale ripples propagation under ion irradiation: A correlation between ripples velocity and surface erosion rate वी.पांचाल, टी.कुमार, आई. सुलानिया, एस. कुमार , Vacuum, 109795, 2020
  - (7) Evaluation of the effect of low fluence ion beam pre-damage with sequential high fluence ion beam exposure on the characteristics of the resultant surface वी.पांचाल, टी कुमार, बी.सतपति, एस.ओझा, एस.कुमार , Surfaces and Interfaces 18, 100425, 2020

➢ डॉ. प्रगति कुमार :

- Comprehensive Analysis of Band Gap and Nanotwinning in $Cd_{1-x}Mg_xS$ QDs
- Tania Kalsi, Hrishit Mitra, Tapta Kanchan Roy, Sachin Kumar Godara, and Pragati Kumar
- *Crystal Growth and Design 20 (2020) 6699-6706*
- *Publisher:* ACS*, ISSN:* 1528-7505*, Impact Factor:* 4.076 Q1
- Gas Sensing Materials Roadmap
- H. Wang, J. Ma, J. Zhang,...., P. Kumar, ……
- *J. Phys.* Cond. Matt. 33 (2021) 303001.
- Publisher:IOP, *ISSN:* 0953-8984, *Impact Factor:* 2.333 Q1

- डॉ. पवन कुमार

  - निखर .एस, साहू .पी, रोत्रा एस, कुमार पी, (2021) बॉयोलॉजिकलमेटल आर्गेनिक फ्रेमवर्क फॉर डिटेक्शन ऑफ वोल्टिइक आर्गेनिक कंपाउडस (VOC's), इन आर्गेनिक केमिस्ट्री कम्यूनिकेशनस 130, 2021, 108711(*Impact Factor:* 1.9)

  - रारोट्रा एस, साहू एस, कुमार पी, किम के-एच, लिसाक जी. (2020) "प्रोग्रेस एंड चैलेंजज़ ऑन बैटरी वेस्ट मैनेजमेंट : ए क्रिटिकल रिव्यू" Chemistry Select. 5, 20, 6182- 6193

  - कुमार पी, किम के-एच, ली जे, शांग जे, खाजी एम.आई, कुमार एन, लिसाक. जी (2020) "मेटल आर्गेनिक फ्रेमवर्क फॉर सर्पोटिव/कैटेलिटिक रिमूवल एंड सेसिंग एप्लीकेशन अगेंस्ट नाइटरो एरोमेटिक कंपाउडस" Journal of Industrial and Engineering Chemistry, 84, 87-95 (SCI-Impact Factor - 4.9).

  - बंसल वी, हाशमी बी, राजा. एन, किम के-एच, राजा. डब्ल्यू, कुमार पी, ब्राउन आर.जे.सी. (2020) "रिव्यू ऑफ दी एनालिटिकल मेथड्स फॉर एंड क्लीनिकल इम्पेक्ट ऑफ एड्रेटिव्स एंड फलेवर्स यूज्ड इन इलैक्ट्रानिक सिगेरट्स एक्सपोज़र एंड हैल्थ"DOI : https://doi.org/10.1007/s12403-019-00331-x In Press (SCI-Impact Factor - 4.5)

- डॉ. विशाल सिंह :
  एक परियोजना (डी.आर.डी.ओ), "नाइट्रो और पेरोक्साइड आधारित विस्फोटकों का पता लगाने के लिए सेंसर "

- डॉ. पवन कुमार :
  अत्यधिक जल स्थिर और बहुलक-फैलाव योग्य धातु कार्बनिक ढांचे से जुड़े विस्फोटकों के लिए एक संवेदन प्रौद्योगिकियों का विकास (MOFs)
  संस्तुति अनुदान : 136.51 Lacs, P1: डॉ.पवन कुमार

मानव संसाधन प्रबंधन और संगठनातमक व्यवहार विभाग

➢ **विभाग के संबंध में :**

विभाग छात्रों को व्यवसायिक स्थितियों से संपर्क करने और स्थापित निगमों के तरीके में उन्हें समाधान करने के लिए तैयार करने में विश्वास करता है। प्रशिक्षण कक्षा के अंदर और बाहर दोनों होता है, अत: प्रौद्योगिकी आधारभूत संस्कृति में वैश्विक अनावृत्ति, परियोजना प्रबंधन, कठिन तर्क और व्यापार संचार कौशल में बड़ा भूमिका हिस्सा निभाती है। एमबीए विभाग (एचआरएम) अनुभवात्मक सीखने के अवसरों, प्रशिक्षुता, पाठ्यक्रम असाइनमेंट, उद्योग-शिक्षा संवाद और अन्य औद्योगिकी माध्यम से संचालित परियोजनाओं पर जोर देता है।

प्रो. जया भसीन

क्रम सं.	लेख/शोध पत्र/पुस्तक अध्याय/किसी अन्य का शीर्षक	वॉल्यूम संख्या	प्रकाशक का नाम	पत्रिका/जर्नल/पुस्तक का नाम	आईएसएसएन/आईएसबी एन सं.	प्रकाशन का वर्ष
1.	सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता का मापन और भारत में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के मनोवैज्ञानिक अनुकूलन पर इसका प्रभाव	24(4), 452-459	स्कोपस इंडेक्स/यूजीसी केयर (सजी)	विजन-व्यापार परिप्रेक्ष्य के जर्नल	0972-2629	2020

क्रम संख्या	इस वर्ष शुरू किए गए अनुसंधान परियोजना/परामश कार्य/पेटेंट का शीर्षक	प्रकार	प्रायोजक एजेंसी का विवरण	अवधि, स्वीकृति तिथि और स्थिति	राशि स्वीकृत	मुख्य या सह अन्वेषक (विशिष्ट)	स्थिति प्रगति पर /पूरा)
i)	भारत में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के बीच बुद्धिमता संस्कृतिक अदान-प्रदान और कल्याणकारी अध्ययन	शोध कार्यक्रम	आईसीएसएसआर	2 वर्ष	1200000	परियोजना निदेशक	प्रगति पर
ii)	पहाड में महिला श्रम के आर्थिक प्रभाव की गणना और मूल्यांकन	अनुसंधान परियोजना	सीसीयूआईएचआर	1 वर्ष	2,50,909	पी आई	प्रगति पर

iii)	रोजगारपरक प्रशिक्षण*	क्षमता निर्माण	डी/एचऑ ई जम्मू यूटी	3 वर्ष	1,22,34.690	पी डी	प्रगति पर

प्रो. जया भसीन द्वारा दिए गए श्रोत वक्ता /आमंत्रित व्याख्यान : 25

➢ **संगोष्ठी /सम्मेलन/कार्यशालाएं और अन्य गतिविधियां**

क्रम संख्या	शीर्षक	दिनांक/ अवधि	प्रायोजन एजेंसी, संगठन और स्थान का आयोजन
i)	"कोविड-19 के दौरान और बाद में म्यूचुअल फंड सहित व्यक्तिगत वित्त के प्रबंधन के लिए रणनीति" पर वेबिनार	11-09-2020	एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) और एसबीएस, सीयूजे
ii)	भारतीय बैंकिंग प्रणाली में वित्तीय समावेशन अधिकारी की भूमिका और जिम्मेदारियों पर वेबिनार	04-11-2020	एसबीएस, सीयूजे
iii)	"निवेशक जागरूकता: वित्तीय लाभ के लिए एक कुंजी" पर वेबिनार	28-11-2020	भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड और एसबीएस। सीयूजे

➢ **अनुसंधान डिग्री का पुरस्कार**

क्रम संख्या	अनुक्रमांक नंबर और छात्र का नाम	थीसिस/शोध प्रबंध का शीर्षक	संयुक्त पर्यवेक्षकों के नाम	पाठ्यक्रम (पी.जी. / एम.फिल. / पी.एच.डी.)	स्थिति (पूरा / प्रगति पर)
i)	**0310714** और सुश्री भारती सुजान	मानव संसाधन कार्यों और संगठनात्मक प्रभावशीलता का हस्तांतरण: बैंकिंग क्षेत्र का अध्ययन	प्रो. जया भसीन और डॉ. शाहिद मुश्ताक	पी-एचडी	सम्मानित किया **24th** जुलाई **2020**
ii)	**0310715** और सुश्री साक्षी गुप्ता	भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में कार्य संबंधी परिणामों पर नियोक्ता ब्रांड अनुभव के प्रभाव पर एक अध्ययन	प्रो. जया भसीन और डॉ. शाहिद मुश्ताक	पी-एचडी	सम्मानित किया **17th** जुलाई **2020**

डॉ. नीलिका अरोड़ा

क्रम सं.	लेख/शोध पत्र/पुस्तक अध्याय/किसी अन्य का शीर्षक	वर्ष / वॉल्यूम सं.	प्रकाशक का नाम	पत्रिका/जर्नल/ पुस्तक का नाम	आईएसएसएन /आई एस बी एन संख्या	एबीडीसी रैंक/इम्पैक्ट फैक्टर
1.	सामाजिक तुलना और स्मार्ट फिटनेस धारण के सतत उद्देश्य सक्षम: एक वृहत उंमीद की पुष्टि सिद्धांत परिप्रेक्ष्य	22020	स्कोपस इंडेक्स/यूजीसी केयर (ट्यलोर एंड फ्रांसीस)	व्यवहार और सूचना प्रौद्योगिकी	0144-929X	एक रैंक प्रभाव कारक 3.086
2.	यूटुब चैनल गंतव्य यात्रा निर्णय पर प्रभाव: सूचना ग्रहण मॉडल के आधार पर एक अनुभवजन्य विश्लेषण	2020 वॉल्यूम 12 No. 1	स्कोपस इंडेक्स /यूजीसी केयर (इमेल्र्ड)	जर्नल ऑफ इंडियन बिजनेस रिसर्च	1755-4195	
3	व्यापार के निर्णय पर मनोवैज्ञानिक पूंजी का प्रभाव: भारतीय सहयोगी कर्मी से अनुभवजन्य सबूत	2020 Vol. 2 , Issue 4	स्कोपस इंडेक्स /यूजीसी केयर (Inderscience)	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ वर्क इनोवेशन	2043-9032	

➢ **संगोष्ठी /सम्मेलन/कार्यशालाएं और अन्य गतिविधियां**

क्रम सं.	शीर्षक	दिनांक /अवधि	प्रायोजक एजेंसी, संगठन और स्थान आयोजित
i)	प्रस्तुत कागज "ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफार्मों की निरंतरता इरादा: एक विस्तारित ई सी एम परिप्रेक्ष्य"	दिसंबर 19, 2020	लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, जालंधर
ii)	भारतीय बैंकिंग प्रणाली में वित्तीय समावेशन अधिकारी की भूमिका और जिम्मेदारियों पर वेबिनार	04-11-2020	एसबीएस, सीयूजे
iii)	नेतृत्व और उत्कृष्टता पर एफडीपी में भाग लिया	अक्तूबर 6-12, 2020	एआईसीटीई अटल अकादमी
iv)	"कोविड - 19 के दौरान और बाद में म्यूचुअल फंड सहित व्यक्तिगत वित्त के प्रबंधन के लिए रणनीति" पर वेबिनार में भाग लिया	11-09-2020	एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) और एसबीएस, सीयूजे
v)	गुणात्मक अनुसंधान के उभरते आयामों पर एक सप्ताह की राष्ट्रीय ई-कार्यशाला में भाग लिया	8 – 13 जून 2020	यूआईएएमएस, पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़
vi)	"निवेशक जागरूकता: वित्तीय भलाई के लिए एक कुंजी" पर वेबिनार	28-11-2020	भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड और एसबीएस। सीयूजे

➢ **आमंत्रित वार्ता /व्याख्यान**

क्रम सं.	**शीर्षक /विषय**	**दिनांक /अवधि**	**संगठन**
1	सकारात्मक सोच के लिए मन के प्रबंधन के रहस्य	दिसंबर 22-24, 2020	भारतीय पावर ग्रिड निगम

➢ **अनुसंधान डिग्री का पुरस्कार**

क्रम सं	छात्र का नामांकन नाम	थीसिस/शोध प्रबंध का शीर्षक	संयुक्त पर्यवेक्षकों के नाम	पाठ्यक्रम (पी.जी./एम .फिल/ पी.एच.डी.)
i)	0110713 पल्लवी भगत	नौकरी की मांग-संसाधन मॉडल का उपयोग करने के लिए काम जगह भलाई की भविष्यवाणी: उच्च शिक्षा में नौकरी क्राफ्टिंग की मध्यस्थता भूमिका	प्रो.अशोक ऐमा और डॉ. नीलिका अरोड़ा	पीएच.डी
ii)	1300312 सुमन लता	ऑनलाइन होटल बुकिंग निर्णय पर उपयोगकर्ता जनित सामग्री की भूमिका	प्रो. अशोक ऐमा और डॉ. नीलिका अरोड़ा	पीएच.डी
iii)	महराज-उद-दीन वानी	कथित कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और कर्मचारी स्वयंसेवा: भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में एक अध्ययन	प्रो. अशोक ऐमा और डॉ. नीलिका अरोड़ा	पीएच.डी

➢ अनुसंधान /परामर्शदात्री परियोजनाएं :

क्रम सं.	**परियोजना अनुसंधान का शीर्षक /परामर्श दात्री / पेंटेंट/अधीनस्थ वर्ष**	**प्रकार**	**प्रायोजक एजेंसी का विवरण**	**अवधि संस्तुतित तिथि और स्थिति**	**राशि स्वीकृत**	**मुख्य या सह अन्वेषक (विशेषज्ञ)**	**स्थिति (प्रगति पर / पूरा)**
i)	रोजगारपरक प्रशिक्षण*	क्षमता निर्माण	उच्च शिक्षा विभाग ,जम्मू एंव कश्मीर संघ प्रदेश	3 वर्ष	1,22,34,690	परियोजना प्रबन्धक/ समन्वयक	प्रगति पर
ii)	विपणन पर विशेष जोर देते हुए हिमालयी राज्यों में कृषि पारिस्थितिकी	अनुसंधान परियोजना	नीति आयोग			प्रधान अन्वेषक	प्रगति पर

- संकाय प्रकाशन

  रसूल, जी और ए. पठानिया (2021) रीडिन्ग बिटविन दी लाइनों : उन्त्वींग ऑन यूसर –जेनरेटेड कंटेट यूजिंग संटीमेंट एनलयसीस, *Journal of Research in Interactive Marketing, 15*(3), pp. 401-418. (Impact Factor: 4.018, ABDC, 'B' CategoryJournal)

- **अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण**

  प्रधान अन्वेषक : गौहर रसूल

  उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित "उपभोक्ता कल्याण और संरक्षण के लिए हितधारकों के क्षेत्र मैपिंग और क्षमता निर्माण" पर चल रही अनुसंधान परियोजना, **GOI (31.25** लाख**).**

  - **श्री. आसिफ अली**

    पंजाब तकनीकि एंव प्रबंधन संस्थान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ने विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में उद्यमशीलता अभिविन्यास को मापने: कौशल विकास एंव सत्यापन शीर्षक पर आलेख प्रस्तुत किया

- डॉ. शाहिद मुश्ताक

क्रम संख्या	लेख/शोध पत्र/पुस्तक अध्याय/किसी अन्य का शीर्षक	वॉल्यूम सं.	प्रकाशक का नाम	पत्रिका/जर्नल/ पुस्तक का नाम	आईएसएसएन /आईएस बीएन संख्या	प्रकाशन का वर्ष
1.	सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता का मापन और भारत में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के मनोवैज्ञानिक अनुकूलन पर इसका प्रभाव	24(4), 452-459	स्कोपस इंडेक्स/यूजीसी केयर (Sage)	विजन-व्यापार परिप्रेक्ष्य के जर्नल	0972-2629	2020
2.	बौद्धिक पूंजी, संगठन सीखने की क्षमता और प्रभावशीलता के बीच संघों की खोज	73 (1&2)	यूजीसी केयर आईसीए	द इंडियन जर्नल ऑफ कॉमर्स	0019512X.	2020
3.	मानव संसाधन कार्यों का पुनर्आवंटन: बैंकिंग क्षेत्र में मानव संसाधन प्रभावशीलता का अध्ययन	9(1)	जिंदल ग्लोबल बिजनेस स्कूल यूजीसी केयर	जिंदल जर्नल ऑफ बिजनेस रिसर्च	22786821	2020

➢ **अनुसंधान /परामर्श परियोजना** :

क्रम सं.	इस वर्ष शुरू किए गए अनुसंधान परियोजना/परामर्श कार्य/पेटेंट का शीर्षक	प्रकार	प्रायोजक एजेंसी का विवरण	अवधि, स्वीकृति तिथि और स्थिति	राशि स्वीकृत	मुख्य या सह अन्वेषक (निर्दिष्ट)	स्थिति (जारी /पूर्ण)
i)	पहाड़ियों में महिला श्रम के आर्थिक प्रभाव की गणना और मूल्यांकन	अनुसंधान परियोजना	सीसीयूआईए चआर	1 वर्ष	2,50,909	सह -पी आई	प्रगति पर
ii)	रोजगारपरक प्रशिक्षण*	क्षमता निर्माण	डी/ओ एच ई, संघ प्रदेश जम्मू-कश्मीर	3 वर्ष	1,22,34,690	सह -पी डी	प्रगति पर
iii)	भारत में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के बीच बुद्धिमता संस्कृतिक अदान-प्रदान और कल्याणकारी अध्ययन	शोध कार्यक्रम	आईसीएसए सआर	2 वर्ष	Rs 1200000	सह - परियोजना निदेशक	प्रगति पर
ix)	व्यावसायिक प्रशिक्षकों का कौशल वृद्धि	क्षमता निर्माण	इंडस एडुट्रेन प्राइवेट लिमिटेड	2017-18, 1 वर्ष	1587400	परियोजना निदेशक	प्रगति पर

पुनर्श्चया /क्रियाविधि और अन्य पाठ्यक्रमों में डॉ.शाहिद मुश्ताक ने भाग लिया : 06
डॉ. शाहिद मुश्ताक द्वारा श्रोत वक्ता / आमंत्रित व्यख्यान प्रषेण :19

➢ **जीईईटी कार्यक्रम**

जम्मू-कश्मीर रोजगारपरक वृत्त प्रशिक्षण (जीत) कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए आईसीटी अकादमी के साथ एमओयू समझौता हुआ। स्नातक छात्रों की योग्यता और रोजगार कौशल को बढ़ाने के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने एआईसीटीई के अनुमोदित संस्थानों में लागू किए जाने वाले विभिन्न क्षेत्रों में जम्मू-कश्मीर रोजगारपरक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम (जीत) शुरू किया है । परियोजना के कार्यान्वयन साझेदारी - जीत के लिए आईसीटी अकादमी एआईसीटीई के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए थे। एमबीए (एचआरएम)/एमबीए/एमबीए (एमएम) /एमबीए (टीटीएम) के पूर्व अंतिम वर्ष और अंतिम वर्ष के छात्रों को डिजिटल क्रय विक्रय एंड विक्रय बल व्यवसाय प्रशासन विशेषज्ञ पर कोर्स (एस) के लिए रजिस्ट्रेशन के लिए पात्र हैं । आईसीटी अकादमी छात्रों को योग्यता आधारित रोजगारपरक व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करती है।

शिक्षा विभाग

➢ **विभाग के संबंध**

शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम स्कूल स्तर पर शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के माध्यम से शिक्षकों की प्रभावशीलता के निर्माण में बहुत महत्वपूर्ण कार्यक्रम में से एक है। राष्ट्र की प्रगति और कार्यकुशलता को उसके स्कूल की गुणवत्ता से जाना जाता है।

अब पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय अध्यापक एवं अध्यापन मिशन के तहत राष्ट्रीय स्तर पर बेहद गंभीर चिंता दिखाई गई है। प्रशिक्षित योग्य शिक्षक शिक्षक शिक्षकों की व्यावसायिक जरूरतों को पूरा करने के लिए, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपनी अकादमिक परिषद में, कार्यक्रम पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन के तहत शिक्षा स्कूल की स्थापना का फैसला किया, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया जा रहा है, जिन्होंने प्रारंभिक रूप से शिक्षकों की पेशेवर दुर्दशा के उत्थान में गहरी रुचि दिखाई है, माध्यमिक, उच्च और तकनीकी शिक्षा।

स्कूल ऑफ एजुकेशन की स्थापना के लिए अनुरोध किए गए प्रस्ताव को भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा छठे परियोजना अनुमोदन बोर्ड (पीएबी) द्वारा 13-07-2016 को अनुमोदित किया गया था।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय को 'स्कूल ऑफ एजुकेशन' स्थापित करने के लिए पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) के तहत वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। नवंबर, 2016 से स्कूल ऑफ एजुकेशन (पीएमएमएमएनएमटीटी के तहत) का औपचारिक रूप से काम शुरू कर दिया गया है। और यह कहने की जरूरत नहीं है कि यह परिभाषित दिशाओं में अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा है ।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में पीएमएमएमएनएमटीटी के तहत स्थापित स्कूल ऑफ एजुकेशन मुख्य रूप से तीन कोर सेंटरों के माध्यम से काम कर रहा है।

- अधिगम केंद्र एवं शैक्षणिक अध्ययन
- आकलन और मूल्यांकन केंद्र
- शिक्षक संसाधन और शैक्षणिक सहायता के लिए केंद्र

- **अधिगम केंद्र और शिक्षा शास्त्र अध्ययन (सी एल पी एस)**
    - अनुसंधान और सर्वेक्षण (जम्मू-कश्मीर राज्य के चिन्हित क्षेत्रों में स्कूली छात्रों के सामाजिक-अर्थव्यवस्था, शैक्षिक स्तर, पारिवारिक संरचना आदि जैसे पहलुओं को कवर करना, जिनका स्कूल स्तर पर शिक्षण और सीखने की गुणवत्ता के लिए निहितार्थ हैं)
    - कार्यक्रम विस्तार 'शिक्षण की कला' पर विस्तार से प्रकाश डालते हैं |

- स्कूलों को अपने अंग्रेजी, विज्ञान और गणित, चिकित्सकों/कार्रवाई अनुसंधान, शैक्षणिक प्रयोग आदि जैसे विषयों पर विशेष जोर देते हुए विभिन्न विषयों में शिक्षकों की निर्माण क्षमता में प्रभावी मॉडलिंग के लिए
- शिक्षा स्कूल के तहत कल्पना विभिन्न अभिनव कार्यक्रमों को अंजाम देने के लिए एक प्रायोगिक स्कूल का निर्माण |
- शैक्षणिक प्रासंगिकता के क्षेत्रों पर केंद्रित अनुसंधान |
- सूचना और संचार प्रौद्योगिकी और शिक्षा, समावेशी शिक्षा, बहुसांस्कृतिक-बहुभाषी शिक्षा, रचनात्मकता, किशोरावस्था शिक्षा, मूल्य शिक्षा आदि जैसे शिक्षण के क्षेत्र में वर्तमान और भविष्य की प्रासंगिकता के क्षेत्रों में क्षमता निर्माण कार्यक्रम।
- परियोजना लेखन, रिपोर्ट लेखन, कार्रवाई अनुसंधान आदि क्षेत्रों में स्कूल शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम।
- जम्मू-कश्मीर में एसआईई और डीवाईटी को अकादमिक सहायता देने के लिए आवश्यकता-विश्लेषण, परामर्श, कार्यशालाओं आदि के संदर्भ में केंद्रित प्रयासों का संचालन।
- संचार कौशल और व्यक्तित्व विकास पर कार्यक्रम
- शिक्षण-अधिगम सामग्री के विकास में शिक्षकों की क्षमता निर्माण (पाठ, दृश्य, ऑडियो-विजुअल आदि).
- एनएसडीसी, एनयूईपीए आदि एजेंसियों के सहयोग से शिक्षकों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम।
- विषयों पर और उन क्षेत्रों के तहत राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार जो सीखने और शिक्षाशास्त्र के लिए विशेष प्रासंगिकता रखते हैं।

➢ **आकलन और मूल्यांकन केंद्र (सी ए ई)**

- शोध और शिक्षकों की क्षमताओं के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने वाले कार्यक्रम और गतिविधियां :
- मूल्यांकन तकनीक
- परीक्षा में सुधार
- मूल्यांकन और मूल्यांकन के क्षेत्रों में नवीनतम नवाचार
- प्रश्न पत्रों के निर्माण और विश्लेषण का परीक्षण
- परीक्षा प्रणाली के विश्लेषण और जम्मू-कश्मीर राज्य में तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य के साथ परीक्षा की योजना पर केंद्रित अनुसंधान (राज्य बोर्ड और सीबीएसई, सरकारी स्कूलों और पब्लिक स्कूलों आदि की तुलना)
- सीबीएसई की तुलना में राज्य बोर्ड द्वारा निर्धारित पुस्तकों और अधिगम सामग्री का मूल्यांकन।
- मूल्यांकन और मूल्यांकन के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेमिनार।

- **शिक्षक संसाधन और शैक्षणिक समर्थन (सी टी आर ए एस)**
  - परियोजना लेखन, रिपोर्ट लेखन, कार्रवाई अनुसंधान आदि क्षेत्रों में उच्च शिक्षा संस्थानों (कॉलेज/विश्वविद्यालय) में कार्यरत शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम।
  - रेहबर-ए-तालिम (आरईटी) शिक्षकों (अंग्रेजी, विज्ञान और गणित में क्षमता निर्माण आदि) का प्रशिक्षण
  - जम्मू-कश्मीर राज्य में लगभग 5000 स्कूलों के बंद होने की समीक्षा .
  - शिक्षकों के निरंतर व्यावसायिक विकास के लिए संसाधन प्रयोगशालाओं और केंद्रों का विकास।
  - विभिन्न नेतृत्व कार्यक्रमों का संचालन, मॉड्यूल बनाने पर कार्यशालाएं
  - गोद लिए गए स्कूलों में परामर्श केंद्रों की स्थापना।
  - स्तरों पर शिक्षण में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेमिनारों की श्रृंखला।

- विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/अन्य कार्यक्रमों (तस्वीर के साथ)

क्रम संख्या	गतिविधियो के नाम	दिनांक
1.	एक्शन रिसर्च एंड प्रोफेशनल डेवलपमेंट के आवेदनों पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला	2nd May, 2020
2.	' कोविड-19 और इमोशनल वेलनेस ' पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार	15-16 मई 2020
3.	सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान के लिए उपकरणों के विकास और मानकीकरण पर तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला	(16-18 जून 2020)
4.	सह-शिक्षण पर दो दिवसीय वेब संगोष्ठी: वर्तमान और भविष्य की संभावनाएं	25-26 जून ,2020
5.	बच्चों के समग्र स्वास्थ्य के लिए योग पर एक दिवसीय वेबिनार	30th जून , 2020
6.	कोविड 19 महामारी के बीच मानव मूल्यों और मानवाधिकारों पर दो दिवसीय ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार: शैक्षिक हस्तक्षेपों के माध्यम से तरक्की	10-11th जुलाई 3, 2020
7.	बैच **2018** के डीआरसी में शोध प्रस्तावों का प्रस्तुतिकरण	August, 2020
8.	एमए एड छात्रों के लिए डेटा संग्रह के लिए आईसीटी टूल्स पर विभाग के सभी विद्वानों द्वारा ऑनलाइन एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन	Oct. 5, 2020

- विभाग में आयोजित विभिन्न प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला पर महीनेवार रिपोर्ट

1.	शिक्षक दिवस समारोह और प्रख्यात अध्यक्ष प्रो. चांद किरण सलूजा ने' शिक्षक: संकट में अग्रणी और भविष्य की कल्पना ' विषय पर आधारित व्याख्यान दिया	सितंबर 5, 2020	

- **समझौता ज्ञापनों का विवरण हस्ताक्षरित**

  जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, केंद्रीय कश्मीर विश्वविद्यालय और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के केंद्रीय विश्वविद्यालय के बीच एमओयू (Workable Plan for Action / Innovation/Programmes/Growth Programs/Other Programs. Psychological Tool titled Adolescent Girls' Lifestyle published APRC)

- **संगोष्ठि, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में संकाय ने भाग लिया** (2020-21)

  - **डॉ. जे.एन बलिया**

क्रम सं.	शीर्षक	तिथि / अवधि	प्रायोजक एजेंसी, संगठन और स्थान आयोजित	भाग लिया / आयोजित
1.	डिजाइन, विकास और मूक वितरित करने पर व्यावसायिक विकास पर सात दिवसीय कार्यशाला	03/01/2020 - 09/01/2020 7 दिन	सीयूजे में पीएमएमएमएनएमटीटी	आयोजक
2.	नए भारत के उद्भव पर राष्ट्रीय संगोष्ठी- स्वामी विवेकानंद के दर्शन और शिक्षाएं	16/01/2020- 17/01/2020	सीयूजे में विवेकानंद चेयर, और आई.सी.एस.एस.आर	उपस्थिति
3.	मूल्यांकन और मूल्यांकन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी: हाल के रुझान और चुनौतियां	05/02/2020- 06/02/2020	सीयूजे में पी.एम.एम.एम.एम. टीटी	आयोजक
4.	जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश में एनसीटीई विनियमों की व्यवहार्यता पर क्षेत्रीय परामर्शदात्री बैठक	25/02/2020	उपरोक्त	उपरोक्त

5.	शिक्षक शिक्षा के लिए ई-सामग्री/एमओओसी विकसित करने पर राष्ट्रीय कार्यशाला	02/03/2020-06/03/2020	शिक्षापीठ, एम.एच.एच.वी, वर्धा	उपस्थिति
6.	एक्शन रिसर्च एंड प्रोफेशनल डेवलपमेंट के आवेदनों पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला	02/05/2020	उपरोक्त	उपरोक्त
7.	एक संकट के दौरान ' शिक्षा और नेतृत्व पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार	07/05/2020 & 08/05/2020	उपरोक्त	उपरोक्त
8.	' कोविड-19 और इमोशनल वेलनेस ' पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार	15/05/2020	उपरोक्त	उपरोक्त
9.	कम लागत में सीखने के संसाधनों के निर्माण पर दो दिवसीय कार्यशाला	6/06/2020 7to 78/06/2020	उपरोक्त	उपरोक्त
10.	सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान के लिए उपकरणों के विकास और मानकीकरण पर तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला	169/06/2020-18/06/2020	उपरोक्त	उपरोक्त
11.	सह-शिक्षण पर दो दिवसीय वेब संगोष्ठी: वर्तमान और भविष्य की संभावनाएं	25/06/2020-26/06/2020	उपरोक्त	उपरोक्त
12.	बच्चों के समग्र स्वास्थ्य के लिए योग पर एक दिवसीय वेबिनार	30/06/2020	उपरोक्त	उपरोक्त
13.	कोविड -19 महामारी के बीच मानव मूल्यों और मानव अधिकारों पर दो दिवसीय ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार: शैक्षिक हस्तक्षेप के माध्यम से तरक्की	10/07/2020-11/07/2020	उपरोक्त	उपरोक्त
14.	एनईपी 2020 पर वेबिनार: चुनौतियां और अवसर अर्थात जेएंडके	05/10/2020	एस सी ई आर टी	उपस्थिति
15.	राष्ट्रीय शिक्षा दिवस	11/11/2020	सीयूजे में पी.एम.एम.एम.एम.टी.टी	आयोजक

डॉ. रितु बक्शी

क्रम संख्या	शीर्षक	दिनांक / अवधि	प्रायोजक एजेंसी, संगठन और स्थान आयोजित	उपस्थिति / आयोजित
i)	डिजाइन, विकास और मूक उद्धार पर व्यावसायिक विकास पर सात दिवसीय कार्यशाला '	03/01/2020 - 09/01/2020 7 दिनों	सीयूजे में पी.एम.एम.एम.एम .टी.टी	आयोजक
ii)	मूल्यांकन और मूल्यांकन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी: हाल के रुझान और चुनौतियां	05/02/2020-06/02/2020	उपरोक्त	उपरोक्त
iii)	जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश में एनसीटीई विनियमों की व्यवहार्यता पर क्षेत्रीय परामर्शदात्री बैठक	25/02/2020	उपरोक्त	उपरोक्त
iv)	एक्शन रिसर्च एंड प्रोफेशनल डेवलपमेंट के आवेदनों पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला	02/05/2020	उपरोक्त	उपरोक्त
v)	' कोविड-19 और इमोशनल वेलनेस ' पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार	15/05/2020	उपरोक्त	उपरोक्त
vi)	कम लागत में सीखने के संसाधनों के निर्माण पर दो दिवसीय कार्यशाला	6/06/2020 to 7/06/2020	उपरोक्त	उपरोक्त
vii)	सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान के लिए उपकरणों के विकास और मानकीकरण पर तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला	16/06/2020-18/06/2020	उपरोक्त	भाग लिया
viii)	सह-शिक्षण पर दो दिवसीय वेब संगोष्ठी: वर्तमान और भविष्य की संभावनाएं	25/06/2020-26/06/2020	उपरोक्त	आयोजित
ix)	कोविड 19 महामारी के बीच मानव मूल्यों और मानवाधिकारों पर दो दिवसीय ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार: शैक्षिक हस्तक्षेपों के माध्यम से तरक्की	10/07/2020-11/07/2020	उपरोक्त	उपरोक्त

- डॉ. किरण
  - 15-16 मई, 2020 को पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) के तत्वावधान में जम्मू के केंद्रीय शिक्षा स्कूल द्वारा आयोजित 'COVID-19 और इमोशनल वेलनेस' पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार (ऑनलाइन) में आयोजन टीम के सदस्य के रूप में कार्य किया`।
  - 25-26 जून, 2020 से पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय अध्यापक एवं शिक्षण मिशन के तत्वावधान में सेंटर फॉर लर्निंग एंड एजुकेशन, स्कूल ऑफ एजुकेशन, स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी (ऑनलाइन) का आयोजन किया गया।
  - **27** मई, **2020** को अनुकूली डिजाइन एसोसिएशन, न्यूयॉर्क, संयुक्त राज्य अमेरिका के कर्मचारियों के सहयोग से मानव विकास विभाग द्वारा आयोजित एलुमनी विशेषज्ञता (सत्र **2)** का प्रदर्शन करने वाली वेबिनार श्रृंखला में भाग लिया।
  - **08** अगस्त, **2020** को समावेशी शिक्षा के लिए सीखने और नवाचारों पर राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

- डॉ.अमन आयोजन / आयोजक के रूप में दल के सदस्य
  - पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) योजना के तहत **16** से **18** जून, **2020** तक सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान के लिए उपकरण विकास एवं मानकीकरण पर तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया है।
  - कोविड-19 महामारी के बीच मानव मूल्यों और मानवाधिकारों पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया है: पीएमएमएमएनएमटीटी योजना के तहत 10 से 11 जुलाई, 2020 तक शैक्षिक हस्तक्षेप के माध्यम से तरक्की करना।
  - **15-16** मई, **2020** को पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) के तत्वावधान में जम्मू के केंद्रीय शिक्षा स्कूल द्वारा आयोजित 'कोविड **-19** और इमोशनल वेलनेस' पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार (ऑनलाइन) में आयोजन टीम के सदस्य के रूप में कार्य किया।
  - **25-26** जून, **2020** तक पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के तत्वावधान में सेंटर फॉर लर्निंग एंड एजुकेशन, स्कूल ऑफ एजुकेशन, स्कूल ऑफ एजुकेशन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब-सेमिनार (ऑनलाइन) में आयोजित टीम के सदस्य के रूप में काम किया।
  - केंद्रीय शिक्षा स्कूल, सेंट्रल यूनिवर्सिटी, पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनटीटी), उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित 'शिक्षा और नेतृत्व के दौरान एक संकट के दौरान' पर दो दिवसीय वेबिनार (ऑनलाइन) पर आयोजन टीम के सदस्य, **7-8** मई को आयोजित **2020.**

- शिक्षा का स्कूल, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय , महेंद्रगढ़, भारत द्वारा आयोजित **23** मई, **2020** (शनिवार) को आयोजित 'स्टेम' में महिलाओं के हकदार अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।
- **14** जुलाई **2020** को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के तुलनात्मक धर्मों और सभ्यताओं के लिए केंद्र द्वारा आयोजित "आत्मनिर्भर भारत" पर राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

➢ **प्रकाशन**

राष्ट्रीय मनोवैज्ञानिक निगम, आगरा से 'किशोरियों लाइफ स्टाइल स्केल' नामक एक शोध उपकरण प्रकाशित किया गया।

➢ **संकाय प्रकाशन**

लेखक का नाम (एस) (मुख्य लेखक तो सह लेखक)	लेख/शोध पत्र/पुस्तक अध्याय/किसी अन्य का शीर्षक	**Vol. No.**	प्रकाशक का नाम	पत्रिका/जर्नल/ पुस्तक का नाम	**ISSN/ ISBN. No.**	प्रकाशन का वर्ष
डॉ.जे.एन.बलिया	एनईपी 2020 में विश्लेषणात्मक रूप से परिकल्पित डिजिटल प्रौद्योगिकी का उद्भव: एक तर्कसंगत रोड मैप		व्हाइट फेलकॉन पब्लिशिंग	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: प्रतिबिंब fro हितधारकों	978-1-63640-008-2	2020
डॉ.जे.एन.बलिया डॉ.रितु बख्शी	स्वामी दयानंद का शैक्षिक दर्शन: एक महत्वपूर्ण अन्वेषण		इंदु बुक्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	स्वामी दयानंद सरस्वती का सामाजिक दर्शन	978-93-86754-62-2	2020

पृथ्वी विज्ञान विभाग

➢ **विभाग के संबंध में** :

पृथ्वी विज्ञान संबंधी सलाहकार समिति ने शैक्षणिक सत्र **2020-2021** के लिए पृथ्वी विज्ञान में पीएचडी पाठ्यक्रम कार्य को मंजूरी देकर जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में अनुसंधान कार्यक्रम (पीएचडी/सहयोगी परियोजनाओं/परामर्श/शिक्षा विदमिया उद्योग लिंकेज) शुरू करने के लिए पृथ्वी विज्ञान विभाग को मंजूरी दे दी। पृथ्वी विज्ञान विभाग ने उपलब्ध बुनियादी ढांचे के साथ और संकाय सदस्यों के साथ विभाग के प्रस्तावित प्रेरणा क्षेत्र में अनुभव और एक्सपोजर के साथ (जल-रॉक इंटरैक्शन, जियोकेमिस्ट्री, ग्लेशियोलॉजी और जियोमॉर्फोलॉजी) शुरू किया। पीएचडी कार्यक्रम अप्रैल 2021 में शुरू हुआ था जिसमें दो शोधार्थी को प्रवेश परीक्षा और मौखिक परीक्षा के संचालन के बाद प्रवेश दिया गया था। पृथ्वी विज्ञान विभाग ने पीएचडी पाठ्यक्रम को मंजूरी देने के लिए विभागीय अनुसंधान समिति और बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठकें भी आयोजित किए। सलाहकार समिति ने सिद्ध क्षमता के साथ पृथ्वी विज्ञान में अनुसंधान प्रयोगशालाओं के विकास के बाद दूसरे चरण में एम.एस.सी डिग्री (भूविज्ञान) के साथ पीजी कार्यक्रम शुरू करने का भी सुझाव दिया। पृथ्वी विज्ञान विभाग हिमालय पर प्राकृतिक खतरे के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसमें हिमालय में उत्पन्न ग्लेशियरों और नदी प्रणाली पर मुख्य ध्यान दिया जाएगा ताकि सामाजिक प्रासंगिकता वाली स्थानीय समस्याओं को समझने के लिए हिमालय के जियोडायनामिक्स पर जोर दिया जा सके। प्रो. अशोक ऐमा कुलपति, सीयूजे, प्रो. तलत अहमद कुलपति, कश्मीर विश्वविद्यालय, डॉ.कलानंद सैन, निदेशक डब्ल्यू.आई.एच.जी, देहरादून, प्रो.एस.के शाह प्राणिविज्ञान पूर्व विभागाध्यक्ष। प्रो.शिकिल रूसमू प्राणिविज्ञान अधिष्ठता अनुसंधान, जम्मू विश्वविद्यालय, प्रो. देवानंद डीन, स्कूल ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेज, कश्मीर विश्वविद्याल,, प्रो. सुनील धर पर्यावरण विभाग सीयूजे, डॉ. रवि कुमार,कुलसचिव सीयूजे, डॉ. पंकज मेहता सहायक आचार्य, पर्यावरण विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की पृथ्वी विज्ञान की सलाहकार समिति के सदस्य और पर्यावारण विज्ञान विभाग, सीयूजे के सदस्य हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग

➢ **विभाग के संबंध में**

राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग की स्थापना वर्ष 2013 में सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय अध्ययन के क्षेत्र में शिक्षण और शोध को बढ़ावा देने के साथ की गई थी। चूंकि भारत अपने आर्थिक विकास और सामाजिक विकास को बनाए रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार है इसे विभिन्न स्तरों से निकलने वाली कई सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा। विभाग अगली पीढ़ी के विद्वानों, विशेषज्ञों और नेताओं को सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय अध्ययन पर कृति के लिए प्रतिबद्ध है। यह जम्मू और कश्मीर राज्य में स्थित है, जिसे दक्षिण एशिया के सुरक्षा और रणनीतिक हॉट स्पॉट के रूप में माना जाता है, इसमें शैक्षणिक अनुसंधान को बढ़ावा देने के साथ-साथ राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर नीतिगत विश्लेषण की अंतर्निहित क्षमता है। यह सभी हितधारकों को रचनात्मक बातचीत में शामिल होने और राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीति से संबंधित मुद्दों पर बहस करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। विशिष्ट रूप से डिजाइन किए गए पाठ्यक्रम के अलावा, विभाग के छात्रों और विद्वानों को क्षेत्र का दौरा के साथ-साथ अभिनव शिक्षण और अनुसंधान कौशल का उपयोग करके नीति विश्लेषण के लिए तैयार किया जाता है।

➢ **विजन और मिशन**

राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग का लक्ष्य है कि वह कठिन शोध और शिक्षण को बढ़ावा देकर देश में सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय अध्ययन के क्षेत्र में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में उभरे। यह अंतर-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से वैकल्पिक और अभिनव राष्ट्रीय सुरक्षा प्रवचन उत्पन्न करता है और विभिन्न हितधारकों (नीति निर्माताओं, सशस्त्र बलों, मीडिया और नागरिक समाज) को भारत की सुरक्षा और विदेश नीति से संबंधित मुद्दों पर बौद्धिक रूप से शामिल हेतु मंच प्रदान करना चाहता है।

➢ **विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय संगोष्ठी / कार्यशाला/अन्य कार्यक्रमों पर माहवार रिपोर्ट**

क्रम संख्या	वेब वार्ता
1.	जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग ने 23 अप्रैल 2020 को एक वार्ता का आयोजन किया। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति राजदूत जी पार्थसारथी ने विश्व पर भारत के लिए चुनौतियां और अवसर पर अपना व्याख्यान दिया।
2.	डॉ.धनयंजन त्रिपाठी वरि. सहायक प्रोफेसर अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग, साउथ एशियन विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित वार्ता के दौरान 24 अप्रैल 2020 को दक्षिण एशिया सीमाएं और सीमा के पार " पर अपना व्याख्यान दिया।
3.	27 अप्रैल 2020 को राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग ने एक वार्ता का आयोजन किया। जवाहरलाल नेहरू

	विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के निरस्त्रीकरण अध्ययन विभाग के प्रो अमिताभ मट्टू और मेलबर्न विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के मानद प्रोफेसर ने चीन का उदय और भारत की प्रतिक्रिया विषय पर अपना व्याख्यान दिया।
4.	"अफगान शांति प्रक्रिया- भारत के लिए निहितार्थ" **4** मई **2020** को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग द्वारा एक वार्ता का आयोजन किया गया था।
5.	लद्दाख अंतरराष्ट्रीय केंद्र के अध्यक्ष राजदूत (प्रो.) पी. स्टोबदान और सुश्री भावना सिंह शोधार्थी मैकिंसले एंड कंपनी, नई दिल्ली ने **11** मई **2020** को शिनजियांग- आंतरिक स्थिति और बाह्य प्रतिक्रियाओं पर वार्ता के दौरान व्याख्यान दिया।
6.	***25*** मई ***2020*** को शिक्षा अध्ययन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा भारत-नेपाल संबंध: कालापानी-लिपुलेख-घरेलू राजनीति विषय पर एक वार्ता का आयोजन किया गया था। प्रख्यात वक्ताओं में श्री जयदेव रानाडे, पूर्व अपर सचिव, कैबिनेट सचिवालय, भारत सरकार, श्री नितिन गोखले, एडिटर इन चीफ, स्टार्टन्यूजग्लोबल, प्रो संगीता थपलियाल, सीआइए, जेएनयू, डॉ.श्रीनिवासन रमानी, हिंदू, चेन्नई के उप संपादक प्रमुख, डॉ.उदाब पयाकुरेल, काठमांडू विश्वविद्यालय, नेपाल के सहायक प्रोफेसर
7.	केंद्रीय शिक्षा अध्ययन विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू ने ***2*** जून ***2020*** को "भारत की समुद्री सुरक्षा: हिंद महासागर और परे" विषय पर एक वार्ता का आयोजन किया। वाइस एडमिरल (सेवानिवृत्त) रमाकांत पटनायक, नौसेना के पूर्व उप प्रमुख और एकीकृत रक्षा स्टाफ के उप प्रमुख, रक्षा और सामरिक अध्ययन विभाग, चेन्नई विश्वविद्यालय के प्रो उथम कुमार जमदग्नि, सेंटर फॉर चाइना एनालिसिस एंड स्ट्रैटजी, नई दिल्ली में रिसर्च फेलो डॉ.नम्रता हसीजा, नई दिल्ली के सीनियर फेलो श्री अभिजीत अय्यर-मित्रा मुख्य वक्ता थे।
8.	**9** जून 2020 को केंद्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने "नव-तालिबान: द व्हाट्सएप, व्हाईस एंड होट्स" पर एक वार्ता का आयोजन किया? राजदूत. अफगानिस्तान में भारत के पूर्व राजदूत गौतम मुकोपाध्याय, कैबिनेट सचिवालय, नई दिल्ली के पूर्व विशेष सचिव श्री राणा बनर्जी, राष्ट्रीय सिंगापुर विश्वविद्यालय के डॉ...क्टरेट रिसर्च शोधार्थी सुश्री चयनिका सक्सेना प्रमुख वक्ता थे।
9.	जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जी पार्थसारथी ने **13** फरवरी **2021** को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित जबरन आत्मसात करने के प्रयासों पर एक वार्ता के दौरान अपनी आरंभिक टिप्पणी दी। इंडिया फाउंडेशन के निदेशक कैप्टन आलोक बंसल ने गिलगित-बाल्टिस्तान: पाकिस्तान के प्रयास को जबरन आत्मसात करने पर अपना व्याख्यान दिया। कारगिल के राजनीतिक नेता सज्जाद हुसैन और कारगिल के पूर्व विधायक हाजी अली सगर ने चर्चा की। एएचआरएफ की वरिष्ठ शोध फेलो सुश्री निधि बहुगुणा ने भारत के कब्जे वाले प्रदेशों पर अपना व्याख्यान दिया। सीयूजे के कुलपति प्रो अशोक ऐमा ने राष्ट्रपति का उद्बोधन दिया। राजदूत सीयूजे के कुलाधिपति जी पराठे ने समापन भाषण दिया।

- विभाग में आयोजित विभिन्न प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला पर महीनेवार रिपोर्ट
  वार्ता श्रृंखला में प्रख्यात वक्ता शामिल थे जिन्होंने प्रासंगिक विषयों पर अपने व्याख्यान दिए।

- **बाहर के विशेषज्ञों की यात्रा का माहवार विवरण** :-

पी एच डी मौखिक परीक्षा	
	विभाग में 6 अगस्त 2020 को श्री मनीष रंजन की पीएचडी विवि का संचालन किया गया था। प्रो मीना दत्ता,बाह्य परीक्षक के रूप में ऑनलाइन माध्यम से मौखिक परीक्षा का आयोजन किया।

- **संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित/भाग लेने वाले उन्मुखीकरण कार्यक्रमों का विवरण :**

  - डॉ. नीता रानी
    पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ द्वारा आयोजित 2 से 6 सितंबर 2020 तक और 14 से 19 सितंबर 2020 तक संकाय विकास कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

- 2020-21 **के दौरान संकाय उपलब्धियां** :
  - डॉ. जे. जगनाथन
    केंद्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग, जम्मू में वार्ता श्रृंखला का आयोजन

- **कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी**
  पीएचडी डिग्री पुरस्कार
  श्री मनीष रंजन को पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया।

- पीएचडी थेसी प्रस्तुतीकरण
  सुश्री रेणु बल्ला, सुश्री संदीपा, साहिब सिंह संधू ने अपने व्यक्तिगत रूप से पीएच डी थेशिस प्रस्तुत किए

➢ **संगोष्ठी, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में संकाय ने भाग लिया** (2020-21)

सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला का विषय	क्षेत्रीय/राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय	दिनांक	आयोजक	मुख्य वक्ता/अध्यक्ष/ सह-अध्यक्षता/ संसाधन व्यक्ति	भाषण/ आलेख का शीर्षक प्रस्तुत
डॉ. नीता रानी					
हाल ही में एलएसी पर चीन के साथ हिंसक चेहरा बंद : समाधान और संभावनाएं	अन्तर्राष्ट्रीय	27-28 जून 2020	रक्षा और सामरिक अध्ययन विभाग , इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज	भाग लिया	-
गलवान की घटना के बाद भारत-चीन संबंधों का भविष्य "	राष्ट्रीय वेबिनार	2 जुलाई 2020	रक्षा अध्ययन विभाग, गवर्नमेंट एन.पी.जी. कॉलेज ऑफ साइंस, रायपुर (सीजी)	भाग लिया	-
भारत-चीन गतिरोध: भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चुनौतियां	राष्ट्रीय वेबिनार	29 जुलाई 2020	रक्षा अध्ययन विभाग, सुधीरंजन लाहिड़ी महाविद्याल, माजिदा, नादिया के सहयोग से बामनपुकुर हुमायूं कबीर महाविद्याला, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल	भाग लिया	-
कोविड -19 की तरह चीन से गैर पारंपरिक खतरों का मुकाबला	राष्ट्रीय वेबिनार	17 अगस्त 2020	सैन्य विज्ञान विभाग, भेरूलाल पाटीदार राजकीय पी.जी. कॉलेज, महू	भाग लिया	-
कोविड -19 और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गैर पारंपरिक सुरक्षा खतरों का भविष्य	अंतराष्ट्रीय वेबिनार	27-28 अगस्त 2020	रक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभाग, केएस साकेत कॉलेज, अयोध्या	भाग लिया	-
जम्मू कश्मीर और लद्दाख : अतीत, वर्तमान और भविष्य	राष्ट्रीय वेबिनार	29-30 अगस्त 2020	रक्षा अध्ययन विभाग, मेरठ कॉलेज, मेरठ और जम्मू कश्मीर अडयान केंद्र, मेरठ	भाग लिया	-

डॉ. आर. सुधाकर

एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब	वेबिनार	18th जून 2020	लेडी वेलिंगटन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी इन एजुकेशन, चेन्नई	श्रोत वक्ता	तमिलनाडु और जम्मू कश्मीर की सांस्कृतिक विरासत
विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के लिए अनुसंधान पद्धति	राष्ट्रीय ई-कार्यशाला	11th जून 2020 से 17th जून 2020	रक्षा अध्ययन विभाग, हिंदू कॉलेज मुरादाबाद और सामाजिक विज्ञान के विकास के लिए अग्रिम अनुसंधान संस्थान (AIRDSS), मेरठ, उत्तर प्रदेश	भाग लिया	-
भारत सरकार द्वारा समुद्री सुरक्षा और पहल	राष्ट्रीय कार्यशाला	18th & 19 मार्च 2021और 22nd to 24th मार्च 2021	राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय यूनिवर्सिटी (एनएलयू), नागपुर	श्रोत वक्ता	-

- संकाय प्रकाशन

  डॉ. नीता रानी

लेखक	लेख/अनुसंधान/ पुस्तक अध्यय /कोई अन्य	प्रकाशक के नाम	पत्रिका/जर्नल/बुक का नाम	ISSN/ISBN नम्बर	प्रकाशन का वर्ष
डॉ.नीता रानी	जल और सतत विकास: भविष्य आगे	एसएलएम प्रकाशन , पटियाला	सतत विकास, गांधीवादी विरासत और *21*वीं सदी	978-81-048287-3-0	2020

डॉ.नीता रानी	भारत की व्यापक एकीकृत सीमा प्रबंधन प्रणाली: सीमा सुरक्षा की दिशा में एक कदम		शोध संचार बुलेटिन , Vol. 10, Issue 38 (II), यूजीसी केयर लिस्ट	2229-3620	अप्रैल से जून 2020
डॉ.नीता रानी	भारत की सीमा सुरक्षा के प्रबंधन में क्रॉस एलओसी व्यापार और यात्रा,		शोध सरिता, Volume 7, Issue 26 (III), यूजीसी केयर सूचीबद्ध	2348-2397	अपैल से जून 2020
डॉ. नीता रानी	पाकिस्तान में मानव सुरक्षा के खतरे के रूप में ऑनर किलिंग		शोध संचार बुलेटिन , Vol. 10, Issue 38 (II), यूजीसी केयर सूचीबद्ध	2229-3620	अप्रैल से जून 2020
डॉ. नीता रानी	पाकिस्तान में ऑनर किलिंग: क़ांदेल बलोच, साइमा सरवर और फरजाना परवीन मामलों का तुलनात्मक अध्ययन		शोध सरिता, Volume 7, Issue 26 (III) यूजीसी केयर सूचीबद्ध	2348-2397	अप्रैल से जून 2020
डॉ. नीता रानी	दक्षिण चीन सागर में चीन के सामरिक हित: भारत के लिए आगे का रास्ता	भारती प्रकाशन , नई दिल्ली	भारत की विदेश नीति और समकालीन रणनीतिक चुनौतियां		2020

डॉ. आर सुधाकर

लेखक का नाम (मुख्य लेखक और सह-लेखक)	लेख /शोध आलेख / पुस्तक अध्यय /कोई अन्य	प्रकाशक का नाम	पत्रिका/पुस्तक /जर्नल का नाम	आईएसएसएन/ आईएसबीएन संख्या	प्रकाशन का वर्ष
डॉ. आर सुधाकर	लद्दाख के भू-राजनीतिक इतिहास की खोज		शोध सरिता एक अंतरराष्ट्रीय द्विभाषी सहकर्मी की समीक्षा की रेफरी जर्नल, vol. 7, issue 27, यूजीसी केयर सूचीबद्ध	2348-2397	जुलाई-सितंबर 2020
डॉ. आर सुधाकर	लद्दाख में 'नया महान खेल		सोध संचार बुलेटिन एक अंतरराष्ट्रीय द्विभाषी सहकर्मी की समीक्षा की रेफरी जर्नल, vol. 11, issue 41, यूजीसी केयर सूचीबद्ध	2229-3620	जनवरी-मार्च 2021

➢ **विभागों में जेआरएफ/नेट/सेट छात्रों का विवरण दिखाते हुए विवरण .**

विभाग के नाम	नेट- जेआरएफ	नेट	सेट	कुल
राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन	1	3	-	4

सामाजिक कार्य विभाग

➢ विभाग के संबंध में :

सामाजिक कार्य, सामाजिक न्याय, मानवाधिकारों, समानता और एक समतावादी समाज के निर्माण की दृष्टि के साथ एकजुटता के मानवीय सिद्धांत पर आधारित एक अंत अनुशासनिक:पाठ्यक्रम है। एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ मानव दुखों का सुधार इस पाठ्यक्रम के शीर्ष पर निहित है। यह एक बहुविषयक पाठ्यक्रम है जो समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, दर्शन, मानव विज्ञान और पर्यावरण विज्ञान जैसे विषयों के सिद्धांतों से प्रेरित है। पाठ्यक्रम वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग करता है जिन्हें व्यक्तिगत, समूह और सामुदायिक स्तर पर समस्याओं से निपटने के दौरान लागू किया जा सकता है।

सामाजिक कार्य एक अभ्यास आधारित व्यवसाय है जो व्यावहारिक स्थिरता में लोगों के साथ काम करते हुए छात्रों के बीच नैतिक मूल्यों के प्रवेश पर जोर देता है। इस उद्देश्य के कारण, पूरे पाठ्यक्रम में निरंतर प्रशिक्षण इसकी आवश्यक विशेषता बन जाती है। सामाजिक कार्य छात्रों के प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के साथ विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विकास संगठनों और सरकारी संस्थानों के माध्यम से समुदाय के भीतर व्यापक और कठिन क्षेत्र में कार्य शिक्षण में प्रशिक्षित करता है। यह अंततः छात्रों को विभिन्न सामाजिक मुद्दों और चिंताओं को संबोधित करने के लिए साज-सज्जित करता है।

वर्ष 2014 में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में सामाजिक-कार्य कार्यक्रम स्नात्कोत्तर स्तर पर शुरू किया गया था, जिसमें विविध विषय के 45 छात्रों की वर्तमान प्रवेश प्रविष्ट थी। चयन राष्ट्रीय स्तर की सीयूसेट प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। विभाग 2018 से पीएचडी कार्यक्रम भी प्रारम्भ है। वर्तमान में विभाग के पास विविध अकादमिक पृष्ठभूमि और विशेषज्ञताओं सहित चार सहायक आचार्य की कुल संकाय संख्या है।

➢ वर्ष के दौरान प्रमुख उपलब्धियां :

- सितंबर 2020 :
  'संजीवनी संगठन के सहयोग से कैंसर की रोकथाम और स्वस्थ जीवन शैली का आयोजन किया गया।

- क्षेत्र भ्रमण , औद्योगिकी भ्रमण, शैक्षिक भ्रमण :
  ग्रामीण कैम्प 2020 : पंजाब राज्य के जालंधर जिले में स्थित गांव रूरका कलन में ग्रामीण कैंप -2020 का आयोजन किया गया। यह वाईएफसी रूक कलन, पंजाब के सहयोग से आयोजित किया गया। एक अलग राज्य में समुदाय के लिए जोखिम छात्रों को अपनी दृष्टि को व्यापक बनाने में मदद मिली है। शिविर में सीखने की भागीदारी ग्रामीण मूल्यांकन उपकरणों की मदद से दबाव डाला गया और आजीविका, लिंग और विकास जैसे पहलुओं से एक ग्रामीण समुदाय के पहलुओं को समझने के इर्दगिर्द घूमती रही । ग्रामीण शिविर में विभिन्न ऐतिहासिक - घटनाओं के बारे में जानकारी ली करते हुए गांव के विकास के पथ को समझने पर जोर दिया गसमाज की व्यापक

समझ हासिल करने के लिए गतिशीलता पैटर्न, स्वायत्तता के स्तर के साथसाथ आजीविका के अवसरों का - अध्ययन किया गया।

- संकाय उपलब्धियां 2020-2021 के दौरान
  - डॉ. विनय .कुमार

    पुरस्कार और भेद

    - नाडा इंडिया फाउंडेशन, नई दिल्ली, भारत द्वारा श्रेष्ट स्वास्थ्य चैंपियंस अवार्ड-2020 . (दिसम्बर . 2020)
    - आमंत्रित व्याख्यानअध्यक्षता सत्र/संसाधन व्यक्ति/
    - नाडा इंडिया फाउंडेशन, नई दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित अस्वस्थ खाद्य विज्ञापनों के हानिकारक प्रभावों " पर "और किशोरों के बीच एक स्वस्थ खाने की आदत को नज करने के तरीकों(6th नवम्बर. 2020) को व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया।
    - पूर्व छात्र संगठन , सामाजिक कार्य विभाग, सीजे और प्रोफेशनल एसोसिएशन ऑफ सोशल वर्कर्स ऑफ .यू. आमंत्रित ुपर व्याख्यान हेत "समुदायों के लिए सत्तत विकास के पथ" जेएंडके द्वारा आयोजित वेबिनार में) किया गया।26 जुलाई 2020)
    - नेहरू युवा केंद्र (एनवाईके), जम्मू द्वारा आयोजित सात दिवसीय 12वें जनजातीय युवा आदान प्रदान कार्यक्रम-2019-20 में 18 फरवरी को विषय पर व्याख्यान "सामुदायिक जुड़ाव में सामाजिक कार्य की प्रासंगिकता") हेतु आमंत्रित किया।18-24 फ़रवरी, 2020)
    - "शांति शिक्षा और सहयोगी शिक्षण कार्यशाला-I" विषय पर तीन दिवसीय कार्यक्रम सामाजिक कार्य विभाग, केंद्रीय शिक्षा विभाग और कारगिल विकास परियोजना (सीयूजे), कारगिल, जम्मू कश्मीर-में संयुक्त रूप से संचालित) 09 वीं-11 जनवरी, 2020) व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया।
  - डॉ. नैंसी मेंगी

    पुरस्कार और भेद

    गुड हेल्थ चैंपियंस अवार्ड-2020, नाडा इंडिया फाउंडेशन, नई दिल्ली, भारत द्वारा दिसंबर)2020)

    - आमंत्रित व्याख्यानअध्यक्षता सत्र/संसाधन व्यक्ति/
    - 3-9 जनवरी 2020 तक जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा डिजाइन, डेवलप और डिलीवर एमओओसी पर 7 दिवसीय व्यावसायिक विकास कार्यशाला में भाग लिया।
    - 9-11 जनवरी 2020 तक कारगिल विकास परियोजना, कारगिल, जम्मूकश्मीर के सहयोग से जम्मू के - केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित शांति शिक्षा एवं सहयोगी शिक्षण कार्यशाला-1 नामक 3 दिवसीय कार्यशाला में मुख्य वक्ता।

- जम्मूकश्मीर के प्रोफेशनल सोशल वर्क एसोसिएशन के सहयोग से पूर्व छात्र संघ-, सामाजिक कार्य विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 20 जून 2020 को 'समकालीन दुनिया में महिलाकहानियों के माध्यम से : एक रियलिटी चेक थ्रिएक्ट' विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- जम्मूकश्मीर के प्रोफेशनल सोशल वर्क एसोसिएशन के सहयोग से पूर्व छात्र संघ-, सामाजिक कार्य विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 20 जून 2020 को 'समकालीन दुनिया में महिलाकहानियों के माध्यम से : एक रियलिटी चेकथ्रिएक्ट' विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- मूल्यांकन और मूल्यांकन हाल ही में :05-06 फरवरी 2020 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सामाजिक कार्य शिक्षाक्षेत्र कार्य व्यावहारिक मूल्यांकन की रूपरेखा :' शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया।
- 10 सितंबर, 2020 को आयोजित कैंसर की रोकथाम और स्वस्थ जीवन शैली पर संजीवनी के सहयोग से सामाजिक कार्य विभाग द्वारा समन्वित एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- 11-11-2020 को पीछात्रों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम में सामाजिक अभियान और मास मीडिया पर .जी. एक आमंत्रित व्याख्यान।
- मूल्यांकन एवं मूल्यांकन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की आयोजन समिति के सदस्यहाल ही में जम्मू : नौतियां|ु विश्वविद्यालय के केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित रुझान और च

➢ संगोष्ठि, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में संकाय ने भाग लिया (2020-2021)

- डॉ. नैंसी मेंगी
  - 24-28 जून 2020 तक राजकीय महाविद्यालय फॉर वूमेन, परेड ग्राउंड, जम्मू द्वारा आयोजित ईसामग्री से - के विकास शीर्षक से एक राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया। (एफडीपी) बचने वाले साहित्यिक चोरी
  - 16-18 जून, 2020 से पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के तत्वावधान में सेंटर फॉर असेसमेंट एंड इवैल्यूएशन, स्कूल ऑफ एजुकेशन, स्कूल ऑफ एजुकेशन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ एजुकेशन द्वारा आयोजित 'सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान के लिए उपकरणों के विकास और मानकीकरण' पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया। (ऑनलाइन)
  - 2 मई, 2020 को - जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय- ।कश्मीर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।

- डॉ. विनय कुमार
  - "भलाई और अच्छा जीवन स्थिरता परिवर्तनों :में मानव जा रहा है जर्मन डायलॉग-विषय पर चौथे इंडो " एक चार दिवसीय ऑनलाइन कार्यक्रम-के प्रतिनिधि (आईजीडी), संयुक्त रूप से इंडोजर्मन सेंटर फॉर -(आईजीसीएस) सस्टेनेबिलिटी, आईआईटी, चेन्नई, आरडब्ल्यूटीएच आकिन विश्वविद्यालय और बोचम यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज, जर्मनी द्वारा आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम को डीएएडी, जर्मनी)26 और 27 नवंबर, और 3 और 4 दिसंबर 2020) द्वारा प्रायोजित किया गया था। इस कार्यक्रम को डीएएडी, जर्मनी)26 और 27 नवंबर, और 3 और 4 दिसंबर 2020) द्वारा प्रायोजित किया गया था।
  - पांडिचेरी विश्वविद्यालय के सहयोग से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा आयोजित पांच दिवसीय ईआपदा प्रबंधन पर शिक्षक " (एफडीपी) फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम-)। "प्रशिक्षण21 - 25 सितंबर 2020)
  - 16 सितंबर 2020 को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा आयोजित (डीआरआर-आईयूआईएन) इंडियन यूनिवर्सिटीज एंड इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क फॉर डिजास्टर रिस्क रिडक्शन" प्रधानमंत्री10 प्वाइंट एजेंडा 6 ऑन डीआरआर पर वेबिनार के लिए आमंत्रित किया गया।
  - 16 सितंबर 2020 को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा आयोजित (डीआरआर-आईयूआईएन) इंडियन यूनिवर्सिटीज एंड इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क फॉर डिजास्टर रिस्क रिडक्शन" प्रधानमंत्री10 प्वाइंट एजेंडा 6 ऑन डीआरआर पर वेबिनार के लिए आमंत्रित किया गया।
  - भारत सरकार के एमएचआरडी की पीएमएमएमएनएमटीटी योजना के तहत आईआईएसईआर, भोपाल द्वारा आयोजित -नामक तीन दिवसीय ई "साक्ष्य आधारित शिक्षण और उच्च शिक्षा में सीखने की रणनीतियां") कार्यशाला।20-22 अगस्त 2020)
  - राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली और ओपी जिंदल विश्वविद्यालय, रायगढ़, छत्तीसगढ़ द्वारा संयुक्त रूप से जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण विषय पर तीन दिवसीय ईसह प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया (एफडीपी) संकाय विकास कार्यक्रम-) गया।18-20 अगस्त, 2020)

- भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान पर्यावरण " द्वारा आयोजित (एनआईडीएम) एकीकृत जोखिम :और आपदा, लचीलापन और सतत विकास) प्रशिक्षण कार्यक्रम।-पर तीन दिवसीय ई "22 - 24 जून, 2020)
- भाषाई सशक्तिकरण प्रकोष्ठ, जेएनयू, नई दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित प्रकाशन नैतिकता" (ऑनलाइन) शीर्षक से डिजिटल नागरिकता पर अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला। (कॉपीराइट और साहित्यिक चोरी के मुद्दे))17 जून 2020)
- मेवाड़ विश्वविद्यालय, राजस्थान द्वारा आयोजित COVID19 महामारी और बाद के लॉकडाउन के मद्देनजर विश्वविद्यालयों के लिए यूजीसी के दिशा) निर्देशों के मद्देनजर परीक्षा पर वेबिनार ।-18 मई 2020)
- जीएसएमए, लंदन, यूनाइटेड किंगडम द्वारा आयोजित -पर चार सप्ताह का ई (आईओटी) इंटरनेट ऑफ थिंग्स" फ़रवरी -जनवरी) प्रशिक्षण।2020)

- डॉ. रणवीर सिंह .
  - इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर, रेवाड़ी द्वारा 8 जून से 14 जून, 2020 तक आयोजित डाटा एनालिसिस के व्यावहारिक दृष्टिकोण पर ई-कार्यशाला में भाग लिया।

➢ संकाय प्रकाशन

- डॉ. नैंसीमेंगी

  मेंगी, एन गरीबी का अभिशाप (२०२०)- जम्मूकश्मीर-, भारत में अवैध शराब बनाने वालों का अध्ययन। मल्टीडिसिप्लिनरी फील्ड में अंतराष्ट्रीय नवाचार पत्रिका अनुसंधान। व्यालूम 6, pg 93-99, 2455- 0620
- इकबाल भट्ट मजीद

  मजीद आई बी -2020. हम प्रकृति के हैं और प्रकृति हमारे अंतर्गत आता है कोविड-19 महामारी के दौरान ट्रांसह्यूमन सुनिश्चित करना पर ऑनलाइन उपलब्ध *https://www.tandfonline.com/doi /full/10.1080/01609513. 2020.1843864*
- डॉ. रणवीर सिंह

  सिंह, रणवीर (2020), सामाजिक आंदोलन और भारत में सामाजिक परिवर्तन के एजेंटउन्नीसवीं शताब्दी से :

- 2 "मई, को एक्शन रिसर्च एंड प्रोफेशनल डेवलप 2020मेंट के एप्लीकेशन संदर्भ और प्रथाएं" जम्मूकश्मीर - द्वारा आयोजित (पीएमएमएमएनएमटी) के जम्मू के केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एजुकेशन 3 दिवसीय कार्यशाला एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।

- डॉ.विनय कुमार

  नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा समर्थित हेमवती नंदा बगुना गढ़वाल विश्वविद्यालय, उत्तराखंड के समन्वय के तहत 14 भारतीय हिमालयन सेंट्रल यूनिवर्सिटीज कंसोर्टियम में पहाड़ियों से पलायन की जांच (आईएचसीयूसी) (पीआई) के लिए आजीविका के अवसर विषय पर प्रमुख सहयोगी अनुसंधान परियोजना में प्रमुख अन्वेषक 2020, चल रहे(

- डॉ. नैंसी मेंगी

  नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा समर्थित एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, उत्तराखंड के समन्वय के तहत 14 भारतीय हिमालयन सेंट्रल यूनिवर्सिटीज कंसोर्टियम में पहाड़ियों से पलायन की जांच के लिए (आईएचसीयूसी) प्रधान अन्-आजीविका के अवसर विषय पर प्रमुख सहयोगी अनुसंधान परियोजना में सहवेषक) । (पीआई) 2020, चल रहे

योग केंद्र

➢ **दूरदर्शिता**

केंद्र का दृष्टिकोण योग के माध्यम से व्यक्ति के समग्र व्यक्तित्व का विकास करना है|

➢ **मिशन**

यह तनाव मुक्त वातावरण बनाना है, जो मानव संसाधनों के विकास में मदद करता है। दूरदर्शिता के अनुरूप योग ध्यान और आध्यात्मिक भागफल के विकास के लिए सुविधा प्रदान करता है।

➢ **उपरोक्त केंद्र के उद्देश्य निम्नानुसार हैं** :

- केंद्र हमेशा समाज के स्वास्थ्य की देखभाल करके केंद्र हमेशा आगे बढने और समय की बदलती जरूरतों और भावना के साथ तालमेल बनाए रखने का प्रयास करेगा।
- केंद्र सामान्य रूप से राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता एंव विशेष रूप से समाज के लिए योग में पेशेवर लोगों को प्रशिक्षित करना जारी रखेगा।
- योग के क्षेत्र में छात्रों और शिक्षकों के ज्ञान को उन्नत करने के लिए गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचा और सुविधा प्रदान करके अपनी शैक्षणिक क्षमता को जारी रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

➢ **क्रयकर्म और सर्वोत्तम अभ्यास**

- विश्वविद्यालय के शिक्षकों और प्रशासनिक कर्मचारियों दोनों की पहल के माध्यम से तंबाकू मुक्त बनाया गया है और इससे निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में सकारात्मक प्रभाव पडा है।
- केंद्र ने विश्वविद्यालय के आसपास कई पौधे लगाए थे और शैक्षिक खण्ड के आसपास लगभग **50** अलग-अलग पौधे भी लगाये गए थे।
- योग में स्नातकोत्तर अगस्त**, 2020** के महीने में शुरू किया गया था

➢ **आयोजित कार्यक्रम** :

- **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस -21 जून, 2020**

  छठा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2020 रविवार, 21 जून 2020 को भारत सरकार (भारत सरकार) के आयुष मंत्रालय (भारत सरकार) के निर्देशानुसार इस वर्तमान महामारी की स्थिति के कारण परिवार के साथ घर पर योग और योग विषय के साथ मनाया गया। कोविड -19 की संक्रामक प्रकृति के कारण, इसके प्रसार से बचने के लिए वृहत पैमाने पर सभा और अभियान के संबंध में कई प्रतिबंध लागू रहेगे |

- **योग में एक वर्षीय पी.जी. डिप्लोमा का प्रारम्भ**

  सत्र 2020-21 के लिए योग में एक वर्षीय पी.जी.डिप्लोमा के लिए प्रवेश सितंबर, 2020 के महीने में ऑनलाइन माध्यम से शुरू किया गया था। कक्षाएं आयोजित करने वाले अतिथि संकाय में निम्नलिखित शामिल हैं :

1. श्री एस के जैन
2. डॉ.शंभू राम
3. डॉ.कोणिका भगत
4. डॉ. मीना भारती
5. श्रीमती रंजना वर्मा

- **योग में स्नातकोत्तर**

इस सत्र के लिए योग में स्नातकोत्तर हेतु प्रवेश अगस्त**, 2020** के महीने में ऑनलाइन के माध्यम से शुरू किया गया था योग से स्नातकोत्तर में दो सत्रक हैं यानी पहला सत्रक और तीसरा सत्रक। कक्षाएं आयोजित करने वाले अतिथि संकाय में निम्नलिखित शामिल हैं :

1. श्री एस के जैन
2. डॉ.शंभू राम
3. डॉ.कोणिका भगत
4. डॉ.मीना भारती

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने योग केंद्र एंड नेचुरोपैथी के तहत 50 बिस्तरों वाले अस्पताल को मंजूरी दिया है और जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के योग और प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र के तहत स्थापित किया गया है। साइट को फाइनल किया और 12 करोड़ की राशि के लिए डीपीआर प्रस्तुत किया गया |

अणुजैविक केंद्र

➢ विभाग के संबंध में :

अणूजैविक केंद्र का उद्देश्य बुनियादी सहित जैविक विज्ञान में अनुसंधान करना है और इस ज्ञान का उपयोग जैविक दुनिया की हमारी समझ को आगे बढ़ाने और मानव स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए किया जाता है। हमारा मिशन एक उच्च प्रतिस्पर्धी अनुसंधान और शिक्षण वातावरण बनाना है जो छात्रों के साथ-साथ संकाय सदस्यों को जैविक विज्ञान के इस क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद करेगा। इस केंद्र की शिक्षण समुदाय उपरोक्त लक्ष्यों को प्राप्त करने और शिक्षण और अनुसंधान के उच्चतम स्तर को बनाए रखने के लिए सामूहिक और व्यक्तिगत रूप से प्रतिबद्ध है। केंद्र का उद्देश्य आधुनिक जीव विज्ञान के प्रमुख क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी अनुसंधान और प्रशिक्षण का संचालन करना और जीव विज्ञान के अंतर-अनुशासनात्मक क्षेत्रों में नई और आधुनिक तकनीकों के लिए केंद्रीकृत सुविधाओं को बढ़ावा देना है।

➢ संगोष्ठी, कार्यशाला और सम्मेलनों में संकाय ने भाग लिया :

डॉ. शैली सहगल

सम्मेलनकार्यशाला /संगोष्ठी/ का विषय	क्षेत्रीयअंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय/	तिथि	आयोजक	प्रमुख वक्ता-सह/अध्यक्ष/ /अध्यक्षता संसाधन व्यक्ति	बात का शीर्षक
स्पर्श - इंडोयूएस इम्यूनोलॉजी - कार्यशाला	अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला	जून 12-13'2020	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान [आईआईटी], रोपड़, भारत		
डीएवीसीबी सीयू पंजाब-– इनयास व्याख्यान कार्यशाला 'शून्यास्ते'	राष्ट्रीय	जून 16-18'2020	सीयू, पंजाब		
जलवायु परिवर्तन और संधारणीय कृषि (सीसीएसए-2020	वेबीनार	जून 12-13'2020	सीयू, जम्मू		

➢ संकाय प्रकाशन

लेखक का नाम प्रमुख) (एस) लेखक तो सह लेखक		प्रकाशक का नाम	पत्रिका बुक /जर्नल/ का नाम	आईएसएसएन आईएसबीएन/ संख्या	प्रकाशन का वर्ष
रजाक हुसैन, रोली यादव, मुश्ताक अहमद, तबरेज अहमद खान, देवेश कुमार और यूसुफ अखत्तर, 2020	दो स्पिन राज्यों के बीच परस्पर क्रिया त्रिकोडर्मा ब्रेविकैम्पैप्टम से पी450 मोनोऑक्सीजेनेज द्वारा उत्प्रेरित हाइड्रोक्सिलेशन निर्धारित करती है	कम्प्यूटेशनल रसायनिक पत्रिका	विले	0175-7598	2020
रजाक हुसैन, मुश्ताक अहमद, तबराइज अहमद खान और यूसुफ अख्तर	फंगल पी450 मोनोऑक्सीजेनेस - उत्प्रेरक में विविधता और जैव नियंत्रण गतिविधि में उनकी आशाजनक भूमिकाएं	एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी	स्प्रिंगर	0175-7598	2020
डॉ. अवधेश भट्ट					
राजेश्वर सिंह जम्वाल, निकिता महाजन, जीएच रसूल भट, अमृता भट, भानु शर्मा, रूची शाह, मिनर्वा शर्मा, सोनाली वर्मा, दिव्या बख्शी, राहुल शर्मा, दीपक	जम्मूकश्मीर की आबादी में - छोटे सेल-गैरफेफड़ों के कैंसर के प्रति संवेदनशीलता में वृद्धि के लिए आरईभी3एल जीन वेरिएंट rs1002481, rs462779, और rs465646 लीड।	स्प्रिंगर	बीएमसी मेडिकल जेनेटिक्स	1471-2350	2020 (pre-print)

अबरोल, राकेश कुमार, औदेश भट					
ली एल, मंगली एस, कोर एन, दसारी हरमा वी, धार ए, भट ए	सिज़िजियम क्यूमिनी (जामुन) फल निकाले गए फाइटोकेमिकल्स अंडाशय के कैंसर कोशिकाओं पर प्रोलिफेरेटिव प्रभाव -एंटी डालती हैं। कैंसर अनुसंधान और चिकित्सा विज्ञान के जर्नल	मेडन्नो प्रकाशन	कैंसर अनुसंधान और चिकित्सा विज्ञान के जर्नल	19984 138	2020
मंगली एस, भट ए, जाधव के, कालरा जे, श्रीराम डी, वेनुगती वीवी, धार ए	पीकेआर पाथवे मीडिएट्स ग्लूकोलोपोटॉक्सिकी टाय प्रेरित डायबिटिक कार्डियोमायोपैथी में विवो में विस्टार चूहों और सुसंस्कृत कार्डियोमायोसाइट्स में इन विट्रो का अपरेगुलेशन	एल्सिवर	बायोकेमिकल फार्माकोलॉजी	00062 952	2020
कालरा जे, मंगली एस, भट ए, जाधव के, धार ए	पीकेआर का चयनात्मक अवरोध उच्च फ्रक्टोज उपचारित प्राथमिक संवहनी चिकनी मांसपेशियों की कोशिकाओं में संवहनी सूजन और रीमॉडलिंग में सुधार करता है	एल्सिवर	बायोचिमिक ए एट बायोफिजिका एक्टा-मॉलिक्यूलर बेसिसऑफ डिजीज	09254 439	2020
वर्मा एस, बख्शी डी, शर्मा वाष्णेय, शर्मा आई, शाह आर, भट ए, भट जी, शर्मा बी, वाखलू ए, कौल	डीएनएएच11 और एलआरएफएन2 जीन के आनुवंशिक बहुरूपता और भारत में जम्मू और कश्मीर की आबादी में अंडाशय और	विले	स्त्री रोग और प्रसूति पर अंतराष्ट्रिय पत्रिका	18793 479	2020

एस, हीर वी, भट ए, अबरोल दीपक, वर्मा विजेश्वर और कुमार राकेश	स्तन कैंसर के साथ उनके सहयोग				
जसप्रीत कालरा, वंदना कृष्णा, बोलरी रेड्डी एस वी रेड्डी, आरती धर, वेंकट वी के वेनुगंती, औदेश भट्ट	मेडिकल इमेजिंग में नैनोकण (पुस्तक अध्याय)	एल्सिवर	विश्लेषणात्मक और चिकित्सा उपकरणों में नैनो कणों	9780128211632	
डॉ.अशोक कुमार यादव .					
एस पंवार, एस जैन, केएस दुग्गीवाला, एके यादव, ए कुमार	ह्यूमनहेल्थ के लिए उपन्यास ध्यान के रूप में प्रोबायोटिक कार्यात्मक खाद्य पदार्थों का विकास और रोग प्रबंधन किण्वन प्रौद्योगिकी का उपयोग करना (पुस्तक अध्याय)	"दया प्रकाशन हाउस® सूक्ष्म इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के एक प्रभाग नई दिल्ली – 110 002"	मानव जाति और आवेदन के लिए रोगाणु	978-93-89569-01-8	2020

➢ **अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण**

पीआई : डॉ.अशोक यादव	कोलोरेक्टल कैंसर रोगियों की तुलनात्मक आंत माइक्रो बायोम प्रोफाइलिंग और जम्मू और कश्मीर की आबादी का स्वस्थ मानव आंत		यूजीसी--स्टार्ट अप	2 वर्ष	प्रमुख	जारी हैं
पीआई : डॉ. अशोक यादव	गट रोगजनकों का मुकाबला करने के लिए स्वदेशी प्रोबायोटिक लैक्टोबेसिलस पर डिवेलेंट एचएसबीपीओम्पा प्रोटीन का सेल -	ईसीआरए - एसईआरबी नई दिल्ली	3 वर्ष	प्रमुख	जारी हैं	

	सरफेस डिस्प्ले हेलिकोबैक्टर पाइलोरी और साल्मोनेला टाइफिमुरियम					
सह पीआई-: डॉ. अशोक यादव	टाइप 2 मधुमेह के प्रबंधन के लिए स्वदेशी प्रोबायोटिक लैक्टोबेसिलस पर पेप्टाइड-1 जैसे ग्लूकागन की सतह अभिव्यक्ति	सीआरजी - एसईआरबी नई दिल्ली	3 वर्ष	प्रमुख	जारी हैं	
पी आई , डॉ. औदेश भट, डॉ.अशोक यादव, डॉ.. प्रवीण मेहता	जम्मूकश्मीर की आबादी से विभिन्न - गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर प्रकारों में आंत माइक्रोबायोम की विशेषता और प्रोफाइलिंग	जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यलय	2 वर्ष	न्यून्तम	जारी हैं	
पीआई: डॉ. अवधेश भट्ट	मानव प्रजनन स्वास्थ्य	आईसीएमआर, नई दिल्ली	5 Years	प्रमुख	जारी है	
पीआई: डॉ. अवधेश भट्ट	कैंसर में डीएनए पॉलीमरेज जीटा की भूमिका को समझना और (पीओएल) कश्मीर क्षेत्र में सबसे प्रचलित -जम्मू गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर में रसायन की शुरुआत	यूजीसीअप-स्टार्ट-	2 years	प्रमुख	जारी है	
पीआई: डॉ. प्रवीण कुमार मेहता	उत्तरी भारत के थर्मल स्प्रिंग्स से औद्योगिक रूप से महत्वपूर्ण हाइड्रोक्सामिक एसिड के उत्पादन के लिए अमेड्स पर एसीलट्रांसफेरेज गतिविधि के लिए माइक्रोबियल अलगाव और स्क्रीनिंग	एसईआरबी, नई दिल्ली	3 वर्ष	प्रमुख	जारी है	

तुलनात्मक धर्म और सभ्यता केंद्र

➢ विभाग के संबंध :

धर्म विज्ञान, निष्पक्ष और सही मायने में वैज्ञानिक तुलना पर आधारित है एवं सबसे महत्वपूर्ण, मानव जाति का धर्म, अब केवल समय का सवाल है। यह उन लोगों का कर्तव्य बन जाता है, जिन्होंने अपने मूल दस्तावेजों में दुनिया के प्रमुख धर्मों के अध्ययन के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया है एवं जो इसे महत्व एवं आदर देते है, सठीक विज्ञान के नाम पर इस नए क्षेत्र पर अधिकार करने के लिए स्वयं को प्रस्तुत करते हैं | तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता अध्ययन का केंद्र इस देश में अपनी तरह के कुछ संस्थानों में से एक है और जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में इसे चालू रखने पर गर्व है। केंद्र की स्थापना जुलाई, **2016** में की गई थी।

➢ **मिशन**

विश्वविद्यालय के भीतर, धर्म को किसी भी एक परंपरा के लिए शैक्षिक निष्पक्षता और पक्षपात के बिना प्रस्तावित किया जाना चाहिए**I** फिर भी धर्म को उन लाखों विश्वासकर्ताओं के लिए संवेदनशीलता और सहानुभूति के साथ अध्ययन किया जाना चाहिए जिनका जीवन उनके विश्वास पर आधारित है**I** तुलनात्मक धर्म मानव जाति की आध्यात्मिक खोज की जांच करता है, विशेष रूप से क्योंकि यह दुनिया के जीवित धर्मों में व्यक्त हुआ है**I** इनमें हिन्दू धर्म बौद्ध धर्म, जैन धर्म, ईसाई धर्म, इस्लाम धर्म, सिक्ख धर्म यहूदी धर्म और अन्य कम परिचित परम्पराएं शामिल हैं **I** किसी भी अन्य शैक्षिक अध्ययन विभिन्न धर्मों की उत्पत्ति, पवित्र लेखन, अनुष्ठानों, विश्वासों और धर्मों के संबंध में दुनिया के विचारों को अध्ययन के अन्य क्षेत्र के रूप में देखने के बजाय अपने संबंध में देखता है**I** यह केंद्र भारत के बहु-सांस्कृतिक और बहु-धार्मिक लोकाचार का जातिय संस्कार है।

➢ **विजन**

तुलनात्मक, अंतर-अनुशासनात्मक, वैज्ञानिक, संवाद महत्वपूर्ण और विश्लेषणात्मक तरीकों को अपनाकर भारत के बहु-धार्मिक और सांस्कृतिक लोकाचार के अनुसंधान और व्यवस्थित अध्ययन का अग्रिम केंद्र बनना। विजन का एक हिस्सा सांप्रदायिक सद्भाव, आपसी प्रशंसा और बहुवाद के संदर्भ में सहिष्णुता की भावना को बढ़ावा देकर समाज को बदलना है।

➢ **उद्देश्य**

- दुनिया के विभिन्न धर्मों और सभ्यताओं का अध्ययन और शोध करने के लिए
- विभिन्न धर्मों और सभ्यताओं की तुलना करना और छात्रों को विभिन्न धर्मों और सभ्यताओं के अभिसरण के बिंदुओं के बारे में जागरूक करना

- विभिन्न धार्मिक परंपराओं और मूल्य प्रणालियों की मुख्य विशेषताओं को सामने लाने के लिए अनुसंधान का आयोजन करना
- मानवता के सह-अस्तित्व पथ को चित्रित करने के लिए विभिन्न अध्ययन कार्यक्रम प्रस्तुत करना।

➢ **वर्ष के दौरान प्रमुख उपलब्धियां :**

- 2020 - 2021 में पीजी डिप्लोमा कोर्स की शुरुआत

  केंद्र ने चालू शैक्षणिक वर्ष में "भारतीय लिपि: ब्राह्मी और शारदा" पर पीजी डिप्लोमा कोर्स शुरू किया। नए शुरू हुए पाठ्यक्रम के लिए 14 छात्र नामांकित हैं।

➢ **विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय संगोष्ठी /कार्यशालाएं/अन्य कार्यक्रम**

- **केंद्र ने निम्नलिखित वेबिनार का आयोजन किया** ;
  - 02 जून 2020 को आचार्य अभिनव गुप्त जयंती पर राष्ट्रीय वेबिनार
  - 12 जून 2020 को जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में भारतीय परंपरा में अनुसंधान की प्रकृति पर राष्ट्रीय वेबिनार
  - 14 जुलाई 2020 को आत्मनिर्भर भारत पर राष्ट्रीय वेबिनार
  - 12 अगस्त 2020 को भारतीय ज्ञान प्रणाली पर राष्ट्रीय वेबिनार
  - 16 सितंबर 2020 को भारतीय संस्कृति के विशेष संदर्भ के साथ ओजोन संरक्षण और पर्यावरण शिक्षा पर वेबिनार
  - 01 नवंबर 2020 को लालेश्वरी देवी और रूपा भवानी के विशेष संदर्भ के साथ जम्मू-कश्मीर में रहस्यवाद पर वेबिनार
  - अजत्दिका अमृत महात्न, फरवरी 2021 के महीने में

➢ **विभाग में आयोजित विभिन्न प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला पर माहवार रिपोर्ट**

इस केंद्र में प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला के आयोजकों डॉ. अजय कुमार सिंह और केंद्र के सह आचार्य डॉ. मुरुगेसन .ए. के तहत प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला आयोजित किया गया।

- डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पर ऑनलाइन व्याख्यान: 28 जून 2020 को राष्ट्रीय एकता में ऐतिहासिक योगदान विषय पर आयोजित किया गयाI
- विभाग में आयोजित विस्तृत व्याख्यान श्रृन्खला के तहत निम्नलिखित विस्तृत व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया।

- जूम मीट के माध्यम से 09 सितंबर 2020 को डॉ.अजय कुमार सिंह द्वारा दिया गया छात्र स्वास्थ्य देखभाल और **COVID-19** महामारी
- जूम मीट के माध्यम से 14 दिसंबर 2020 को डॉ. मुरुगेसान. ए. ने कोविड- 19 के संदर्भ में अध्यात्म का महत्व पर व्याख्यान दिया|

➢ विभाग द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम पर माहवार रिपोर्ट

- डॉ. अजय कुमार सिंह द्वारा 10 जनवरी 2021 को एसएआईसीवीएम छात्रों पर पीजी डिप्लोमा और प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम के लिए कोविड-19 महामारी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- संकाय सदस्य द्वारा आयोजित/भाग लेने वाले उन्मुखीकरण कार्यक्रमों का विवरण
- डॉ. मुरुगेसान ए ने 07 से 20 जुलाई 2020 तक यूजीसी-एचआरडीसी, मिजोरम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "रिसर्च मेथडोलॉजी: टूल्स एंड तकनीक" पर यूजीसी डाइड स्कीम के तहत एक पुनश्चर्या पाठयक्रम में भाग लिया।

➢ कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी

- डॉ.अजय कुमार सिंह
- 20 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में प्रतिभागिता किया।
- सेमिनारों के आमंत्रित अध्यक्ष – 20 की
- अंतर विषय-अनुशासनात्मक और राष्ट्रीय शैक्षिक नीति 2020 पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- इंडिक स्टडीज और नेशनल एजुकेशनल पॉलिसी **2020** पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ.मुरुगेसन. ए
- एक बाहरी परीक्षक के रूप में मद्रास विश्वविद्यालय चेन्नई से निम्नलिखित पी.एच.डी.

शोधार्थी का नाम	पीएच. डी. थीसी के शीर्षक
डी पूर्णा चंद्रा	कन्नडासन की कविताओं में जीवन के बारे में सोचा
ए डेविड विंसेंट्सेंट	सुजाता की लघु कथाओं से चयन
जे. सुजाता	अंगनाडी उपन्यास में समुदाय के विचार

➢ संगोष्ठी , कार्यशालाओं और सम्मेलनों में संकाय ने भाग लिया (2020-21)

- डॉ. अजय कुमार सिंह
- 10 ऑनलाइन कार्यशालाओं और इंटरनेशनल वेबिनार में भाग लिया।
- राष्ट्रीय वेबिनार भाग लिया।
- डॉ. मुरुगेसान. ए
  - 03 जून से 05 जून 2020 तक अंग्रेजी विभाग, एसकेबी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "पोस्ट औपनिवेशिक नकार: इतिहास और संस्कृति" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया

Hall of Residence

बालक छात्रावास

- बालक छात्रावास में उपलब्ध सुविधाएं (BHR)
  - मेस सुविधा
  - विस्तरा ,अध्ययन टेबल और स्टील अलमिराह जैसे फर्नीचर
  - अध्ययन कक्ष
  - व्यायामशाला
  - कॉमन रूम /अंत क्रीडा सुविधा
  - जनरेटर सुविधा (बिजली बंद होने के मामले में)
  - चिकित्सा सुविधा
  - 24 घंटे एम्बुलेंस सेवा
  - पत्रिकाएं, समाचार पत्र (स्थानीय एंव राष्ट्रीय)
  - बालक छात्रावास का कुल (बीएचआर) 146 प्रविष्टियां है |

छात्रों की संख्या	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	विकलांग	अन्य अल्पसंख्यक Minorities	मुस्लिम
146	70	55	10	10	Nil	06	52

- बालिका छात्रावास
  - छात्राओं के लिए छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं का विवरण
  - जेनसेट सुविधा
  - समाचार पत्र और पत्रिका सुविधा
  - खेल सुविधा: कैरम बोर्ड, शतरंज, बैडमिंटन, टेबल टेनिस
  - वाचनालय
  - एम्बुलेंस सुविधा

- अधिभोग का विस्तार

बालिका छात्रावास	क्षमता	अधिभोग	एससी	एसटी	ओबीसी	विकलांग	सामान्य	खाली
I and II	91	54	6	2	15	0	31	37

- अवसंरचना

निवास के हॉल के प्रत्येक कमरे में प्रत्येक निवासी के लिए बिस्तर, मेज, कुर्सी, अलमिराह से सुसज्जित है। हॉल ऑफ रेजिडेंस 24x7 के लिए जेनसेट सुविधा प्रदान कर रहा है। निवास के हॉल के प्रत्येक कमरे में प्रत्येक निवासी के लिए बिस्तर, मेज, कुर्सी, अलमिराह से सुसज्जित है। हॉल ऑफ रेजिडेंस 24x7 के लिए जेनसेट सुविधा प्रदान कर रहा है।

- मनोरंजन

निवास के प्रत्येक हॉल में इनडोर और आउटडोर खेल सुविधाएं प्रदान किया जा रहा है| टेबल टेनिस, कैरम और शतरंज जैसे इंडोर खेल, वॉलीबॉल और बैडमिंटन जैसे आउटडोर खेल। योग कक्षाएं साप्ताहिक अवकाश में प्रदान की जाती हैं।

स्वास्थय केंद्र

- **स्वास्थ्य केंद्र का कामकाज :-**

  जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अस्थायी शैक्षणिक खण्ड सैनिक कॉलोनी जम्मू के अन्तर्गत वर्ष **2012** में स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना की गई थी। अगस्त **2016** में बगला मुख्य परिसर में वैकल्पिक स्वास्थ्य केंद्र ने काम करना शुरू किया। स्वास्थ्य केंद्र टैब को अंततः जून **2018** में मुख्य परिसर बागला में स्थानांतरित कर दिया गया था और क्वार्टर नंबर: **6** (ग्राउंड फ्लोर) में स्थापित किया गया है।

- **स्वास्थ्य केंद्र का कामकाज :-**

  विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र सभी कार्य दिवसों पर सुबह 9:30 से 5:30 बजे तक कार्य करता है।

  चिकित्सा अधिकारी और पैरामेडिकल स्टाफ किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए हॉस्टल के लिए सभी दिनों पर **24x7** कॉल पर हैं।

- कर्मचारियों की उपलब्धता **:-**

01	चिकित्सा अधिकारी	2
02	नर्स स्टाफ	1
03	फार्मासिस्ट	1
04	चिकित्सा परिचरक कम ड्रेसर	1
05	ऑफिस परिचरक (आउट सोर्स बेसिस)	1

उपरोक्त स्टाफ वर्तमान में विश्वविद्यालय के छात्रों, कर्मचारियों और कर्मचारियों को चिकित्सा कवर प्रदान कर रहा है। स्वास्थ्य केंद्र में दो एंबुलेंस हैं, एक हॉस्टल में 24x7 और दूसरा मुख्य परिसर स्थित स्वास्थ्य केंद्र में तैनात है।

छात्रों और कर्मचारियों को दवाएं और अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं निशुल्क प्रदान की जाती हैं।

- **सुविधायें :**

1	ईसीजी
2	रोगी-वाहन (24x7)
3	रोगी कार्डियक मॉनिटर

4	ऑक्सीजन (सिलेंडर और ऑक्सीजन कनेक्टर)
5	ड्रेसिंग, टांके, चतुर्थ जलसेक आदि सहित चोटों में प्राथमिक चिकित्सा।

➢ गतिविधिया **:**

- चिकित्सा अधिकारियों द्वारा लगभग 500 रोगियों की टेलीकॉन्सुल्टन और परामर्श।
- हॉस्टल के छात्रों और सहायक कर्मचारियों का चूहा आयोजित
- ओपीडी - स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों की कुल संख्या 1415 थी
- जिला आपदा प्रबंधन एवं नोडल अधिकारी कोविद प्रबंधन जम्मू के सहयोग से 15/09/2020 को सैनिक कॉलोनी जम्मू में स्थित अस्थायी एकेडमिक ब्लॉक में कोविड-19 परीक्षण शिविर (रैपिड एंटीजन टेस्ट) का आयोजन किया गया।
- परीक्षा अनुभाग के साथ समन्वय में स्वास्थ्य टीम ने कोविड - 19 के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सीयूसीईटी 2020 (18-20 सितम्बर) किया।

➢ वर्ष के लिए व्यय का विवरण (2020-2021)

क) पूंजीगत व्यय :- शून्य (उक्त अवधि के दौरान)

ख) आवर्ती व्यय **:-** (उपभोग्य सामग्री, दवा, शल्य चिकित्सा आइटम आदि)

रू . **80,471**

कुल व्यय **(A+B)** Rs**. 80,471**

अभियांत्रिक और सम्पदा

भवन निर्माण समिति

➢ परिसर स्थल ग्राम बागला, सांबा में संरचनात्मक विकास

(रूपए करोड में)

क्रम संख्या	कार्य का नाम	अभिकरण का नाम	अनुमानित/आबंटित लागत	प्रगति अब तक	
				वित्तीय	प्रत्यक्ष (%)
1.	जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, बागला के स्थायी परिसर के लिए, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय भवन और गेट परिसर के लिए, संकाय आवासीय के लिए बोलियों का निर्माण	मेसर्स नागार्जुन कॉन्स्ट. कम्पनी लिमिटेड	116.29 *(28.00 डेफर्ड ऐजलॉ प्रयोरिटी वर्कस). ठेका का नेट वल्यू = 88.29 Cr.)*	**79.54**	**100**
2.	जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, बागला के स्थायी परिसर के लिए सड़क कार्य, पुलों और अन्य संबद्ध कार्यों का निर्माण	मेसर्स एसईई इंफ्रास्ट.	264.98 *(64.98 डेफर्ड ऐजलॉ प्रयोरिटी वर्कस). ठेका का नेट वल्यू = 200 Cr.)*	**195.76**	**100**
3.	जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय बागला के स्थायी परिसर में अतिथि गृह के निर्माण का हिस्सा	मेसर्स परसेप्ट बिल्डर्स	4.91	**4.23**	**100**
4.	जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, बागला के स्थायी परिसर के लिए आपूर्ति स्थापना, परीक्षण, 11/0.433 केवी आंतरिक/ वाह्य विद्युत उपकेंद्र और अन्य संबद्ध बाहरी विद्युत कार्यों की कमीशनिंग	मेसर्स अनिल कुमार एंड कंपनी	43.99 *(10.20 डेफर्ड ऐजलॉ प्रयोरिटी वर्कस). ठेका का नेट वल्यू = 33.79 Cr.)* कोंट्रक ओफ एम एस अनिल कुमार एंड कम्पनी *ट्रमिनेटेड on 08.01.18.*	**15.33**	**54**
5.	आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और दो	मेसर्स सिविकन		**4.72**	**95.00**

	नंबर 11/0433 केवी आंतरिक विद्युत उपकेंद्र (ईएसएस-1 एंड 2), 03 नं. सीयूजे के स्थायी परिसर के लिए वाह्य प्रकार 11/0.433 केवी कॉम्पैक्ट उपकेंद्र (सीएसएस-1,2 और 3) और अन्य संबद्ध शेष विद्युत कार्य	हाईटेक प्राइवेट लिमिटेड, जम्मू	मेसर्स एकेसी के जोखिम और लागत पर आमंत्रित किए जा रहे शेष कार्य के निविदाएं		
6.	डीप ड्रिल्ड ट्यूबवेल जल आपूर्ति एंड व्यावसायिक शुल्क सहित अन्य विकास कार्य	--	41.53	**23.26**	**56**
7.	ओबीसी लड़कों के लिए 2मंजिला का 100 विस्तरा छात्रावास (पूरा) और बालिका छात्रावास (निर्माणाधीन) प्रत्येक (आंशिक रूप से सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित) अनुमानित लागत 17.70	सीपीडब्ल्यूडी		**15.55**	**67.00**
8.	प्रयोगशाला, उपकरण आदि सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं की संरचना			**15.50**	**0.00**
9.	शिक्षा विद्यापीठ (पीएमएमएमएनएमटीटी योजना के तहत)	सीपीडब्ल्यूडी	5.41	**2.18**	**40**
10.	चारदीवारी		25.00	**5.85**	**20**
	योग			**361.92**	

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 4880 कनाल 19 मरलास को मापने वाली जमीन के पूरे खंड पर कब्जा कर लिया जिसे राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय को सौंप दिया। विश्वविद्यालय ने सांबा में राया-सुचानी (बागला) में चरण-1 में स्थायी परिसर के विकास के लिए निम्नलिखित कार्य किए हैं। इन विकास कार्यों में 353.89 करोड़ रुपये (जिसमें पीएमसी और आर्किटेक्ट फीस शामिल है) के खर्च की राशि है और यह निष्पादन के विभिन्न चरणों में है।

➢ **अभियांत्रिक उपलब्धियों की झलक :**

1. 22 प्रोफेसर क्वार्टर पूरे किए गए हैं और 22 क्वार्टरों का उपयोग अंतरिक्ष की बाधा के कारण विभिन्न विषयों के विभिन्न पाठ्यक्रमों/कक्षाओं को चलाने के लिए किया जा रहा है।
2. गेस्ट हाउस भवन जिसमें 24 कमरे पूरे हुए और प्रशासन के काम के लिए उपयोग किए गए।
3. 830 किलोमीटर सड़क की लंबाई जिसमें चार प्रमुख पुल और जल निकाय शामिल हैं जिनमें 45,00,000 गैलन जल भंडारण क्षमता है।
4. एक 300 केएलडी और एक 120 केएलडी क्षमता का एसटीपी पूरा
5. 12,60,000 एलटीआर की क्षमता का केंद्रीय जल प्राप्त करने वाला स्टेशन (सीडब्ल्यूआरएस) पूरा हो गया।
6. 11,88,000 एलटीआर की क्षमता का ऊंचा पानी स्टेशन-1 (ईडब्ल्यूएस-1) पूरा हुआ।
7. 2,40,000 एलटीआर की क्षमता का ऊंचा जल स्टेशन-II (ईडब्ल्यूएस-II) पूरा हुआ।
8. ईएसएस-1 और ईएसएस-2, और कॉम्पैक्ट सबस्टेशन (सीएसएस-1,2 और 3) जून-2020 तक पूरा
9. सीपीडब्ल्यूडी को 5.41 करोड़ रुपये में स्कूल ऑफ एजुकेशन का निर्माण किया गया। 20-12-2019 से निर्माण कार्य शुरू किया गया है, जिसने 1150 वर्गमीटर का निर्माण किया है
10. सीयूजे, बागला की परिधि के साथ चारदीवारी का निर्माण, जिसकी लंबाई 13.50 किमी (लगभग) है, जो सीपीडब्ल्यूडी को 25.00 करोड़ रुपये है। सीपीडब्ल्यूडी को दिए गए चित्र और बीओक्यू और मेसर्स चरंजी लाल गुप्ता एंड संस को काम आवंटित किया गया है और यह कार्य 7-12-2019 से शुरू कर दिया गया है।
11. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में सतीश धवन अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र के नाम से एक केंद्र स्थापित करेगा। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में इसरो के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के निर्माण की लागत राह्य-सुचानी (बगला) जिला सांबा का पूरा खर्च इसरो द्वारा किया जाएगा।

महर्षि दयानंद सरस्वती पीठ

1 जनवरी 2020 से 31 दिसम्बर, 2020 निम्नलिखित अवधि, 1 के दौरान की गतिविधियों और कुर्सी की उपलब्धियों हैं ।

संगोष्ठी को आयोजित एक सत्र की अध्यक्षता की **उनकी दर्शन और एक युवा आइकॉन के रूप में: स्वामी विवेकानंद** पर 19 आयोजित वें जनवरी, 2020 तक आयोजित की *स्वामी विवेकानंद चेयर* , जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय।

मार्च 2020 से अगस्त 2020 तक लॉकडाउन के दौरान वेबिनार के माध्यम से निम्नलिखित गतिविधियाँ की गई।

- स्वामी दयानंद सरस्वती के सामाजिक दर्शन पर वेबिनार के माध्यम से व्याख्यान दिया।
- विभिन्न विश्वविद्यालयों के विभिन्न मुद्दों पर वेबिनार पर व्याख्यान में भाग लिया।
- विभिन्न विश्वविद्यालयों के वेबिनार की अध्यक्षता वाले सत्र।

इंदु बुक सर्विसेज प्राइवेट (प्रकाशकों और वितरकों), नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित पुस्तक **स्वामी दयानंद सरस्वती का सामाजिक दर्शन** का विमोचन 10 अक्तूबर 2020 को डॉ.जितेंद्र सिंह, केंद्रीय मंत्री, द्वारा किया गया |

- यह एक सम्मान की बात है कि **यूजीसी के अध्यक्ष प्रोफेसर डीपी सिंह** ने पुस्तक के लिए संदेश लिखा है।
- पुस्तक का ISBN978-93 -86754-62-2 है, 2020 में प्रकाशित

पुस्तक का औपचारिक विमोचन माननीय मंत्री डॉ.जतिंदर सिंह, उत्तर पूर्वी क्षेत्र के देव मंत्रालय; पीएमओ; राज्य मंत्री, कार्मिक, पीजी और पेंशन मंत्रालय; राज्य मंत्री, परमाणु ऊर्जा विभाग; और राज्य मंत्री, अंतरिक्ष विभाग 10 अक्टूबर, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में एक समारोह के दौरान किया गया ।

फोटोः माननीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने पुस्तक का विमोचन किया

- प्रो. अशोक एमा , कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय और अन्य प्रोफेसरों की उपस्थिति में पुस्तक की एक प्रति श्री फारूक खान , सलाहकार, उपराज्यपाल जम्मू एंव कश्मीर को प्रस्तुत किया है |
- स्वामी दयानंद सरस्वती विषय पर एक शोध पत्र लिखा गया है: जाति विहीन समाज के बारे में उनका दृष्टिकोण अगस्त, 2020 में पूरा हुआ। इसे नवंबर, 2020 में प्रकाशन के लिए भेजा गया है।
- मैंने पंजाब में गरीबी के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण का एक विश्लेषण विषय पर एक आमंत्रित शोध पत्र लिखा है जिसे प्रो. पी.के मिश्रा,अर्थशास्त्र विभाग, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा भारत में बहुआयामी गरीबी पर एक संपादित पुस्तक में प्रकाशित किया जाएगा।
- जम्मू जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लोगों के हाशिए पर रहने वाले वर्गों पर कोविड -19 के आर्थिक और आजीविका प्रभाव विषय पर लघु सूचीकरण के लिए ICSSR द्वारा एक शोध परियोजना तैयार और भेजी गई, जिसे कोविड -19 की एक विशेष योजना के तहत आमंत्रित किया गया था। जुलाई, 2020 में छह लाख रुपये।
- **प्राचीन भारत, स्वामी दयानंद सरस्वती और स्वामी विवेकानंद के राजनीतिक विचार (राजधर्म) का अध्ययन** शीर्षक से एक मोनोग्राफ का रफ ड्राफ्ट तैयार किया , जो फरवरी, 2021 में स्वामीजी के जन्म दिवस पर जारी किया जाएगा।

संस्थागत कार्य में योगदान :

- जब से मैं अर्थशास्त्र के प्रोफेसर के रूप में सेवानिवृत्त हुआ, मैंने जम्मू के केंद्रीय विश्वविद्यालय के बैचलर ऑफ वोकेशनल कोर्स (बैंकिंग: बैच 2019) के छात्रों को एक विषय, प्रबंधकीय अर्थशास्त्र पढ़ाने के लिए स्वेच्छा से काम किया। लॉकडाउन के दौरान, छात्रों को उनके निम्नलिखित कार्यों में ऑनलाइन निर्देशित किया जाता है:
  1. अध्ययन नोट्स तैयार किए गए और छात्रों को आपूर्ति की गई।
  2. उनकी शंकाओं का समाधान ऑनलाइन किया गया।
  3. मध्य सेमेस्टर की परीक्षाएं ऑनलाइन आयोजित की गईं।
  4. उन्हें असाइनमेंट ऑनलाइन दिए गए और ऑनलाइन चेक किए गए।
  5. आठ छात्र मेरे अधीन 'ऑन द जॉब ट्रेनिंग' के लिए प्रोजेक्ट कर रहे हैं और मैं उनकी शंकाओं को दूर कर रहा हूं।

सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियां

अधिष्ठाता छात्र कल्याण के कार्यालय सक्रिय रूप से विश्वविद्यालय के जीवन में प्रवेश छात्रों के समग्र विकास में लगे हुए हैइसमें छात्रों के व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के लिए आवश्यक सहायता प्रदान की गई है।
घटनाक्रम और गतिविधियां :

- कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों के एक समूह ने एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत 15 दिनों के लिए तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय का दौरा किया
- कोविड -19 की शुरुआत पर डीएसडब्ल्यू के प्रो. रसल सिंह के संयोजक नेतृत्व के तहत एक समिति का गठन किया गया, जो छात्रों (स्थानीय/आउटस्टेशन) की जरूरतों, मनोसामाजिक सहायता और परामर्शदात्री के रूप में देखभाल करने के लिए था |कोविड -19 महामारी के उद्भव के साथ सदस्यों ने छात्रों के सहायता के लिए टेलीफोन पर 24X7 उपलब्ध रहें।
- डीएसडब्ल्यू के कार्यालय ने स्थानीय प्रशासन के साथ संपर्क करके छात्रावासों और पीजी में रहने वाले बाहरी छात्रों को उनके गृहनगर में सुचारू और सुरक्षित वापसी की सुविधा प्रदान की।
- सोशल मीडिया के माध्यम से छात्रों तक पहुंचने और छात्रों को महामारी काल और निकट भविष्य के दौरान घटनाओं और अन्य चिंताओं की अद्यतन जानकारी देने हेतु @odswcujammu एक आधिकारिक फेसबुक पेज बनाया गया।
- ई-मेल, सोशल मीडिया पेज, टेलीफोनिक माध्यम से प्राप्त, ऑनलाइन कक्षाओं, ऑनलाइन परीक्षाओं, छात्रवृत्ति और नए प्रवेश से संबंधित अन्य प्रश्नों के छात्रों की चिंताओं को दूर किया गया और समय-समय पर समाधान किया गया।
- गांधीजी की जयंती के **150** वॉ वर्ष के दो साल के लंबे उत्सव का हिस्सा के रूप में गांधीवादी विचारों को उजागर करने के लिए छात्रों और विश्वविद्यालय बंधुत्व के लाभों के लिए कई प्रख्यात व्याख्यान (वेबिनार) का आयोजन किया गया।इन वेबिनारों ने अहिंसा, सत्य, शांति, राष्ट्र निर्माण, युवा और स्थिरता के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया।
- संयुक्त राज्य अमेरिका के मैने विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर डगलस एलन ने 8 अक्तूबर, 2020 को महात्मा गांधी दर्शन पर एक विशेष ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

- गांधीवादी विद्वान और लेखक डॉ. अनिल दत्ता मिश्रा ने 1 अक्टूबर 2020 को गांधी और युवाओं पर एक भाषण दिया।
- इटली के मासेरटा विश्वविद्यालय के प्रो. फ्लाविया सतारा और जापान के आईसीयू एशियन संस्कृतिक अध्ययन संस्थान के डॉ.अयाको यूएनओ ने 20 सितंबर 2020 को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गांधीवादी विचारों की प्रासंगिकता पर विचार-विमर्श किया।
- पूर्व कुलपति और सांसद प्रो. रामजी सिंह ने 21 अगस्त 2020 को वर्तमान समय में गांधी की प्रासंगिकता पर भाषण दिया।
- छात्रों के लिए महात्मा गांधी पर ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी , कोलाज मेकिंग और निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और इस प्रतियोगिताओं में देश के कई विश्वविद्यालयों के 200 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।
- यूट्यूब पर रिचर्ड एटनबरो द्वारा ऑनलाइन फिल्म "गांधी" की स्क्रीनिंग आधिकारिक फेसबुक पेज पर लाइव साझा की गई थी, ताकि गांधीजी के जीवन की यात्रा के बारे में जागरूकता पैदा की जा सके।इसे छात्रों का बहुत समर्थन मिला।
- 31 अक्टूबर 2020 को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। एक ऑनलाइन एकता प्रतिज्ञा समारोह का आयोजन किया गया जिसमें भाग लेने वाले छात्रों और संकाय ने राष्ट्रीय अखंडता के लिए शपथ ली।
- अधिष्ठता छात्र कल्याण कार्यालय में 27 अक्टूबर, 2020 से 2 नवंबर, 2020 तक "सतर्क भारत- समृद्ध भारत" विषय पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया।

महत्वपूर्ण समितिया और प्रकोष्ठ

क) शिक्षणेतर कर्मचारियों और छात्रों के लिए शिकायत निवारण समिति

विश्वविद्यालय में शिक्षणेतर कर्मचारियों और छात्रों के लिए शिकायत निवारण समिति है| समिति को व्यक्तिगत रूप से या समूह के रूप से प्रभावित करने वाले मामलों के संबंध में लिखित शिकायतों और याचिकाओं को स्वीकार करने और विचार करने शिकायतों में पूछताछ करने और सिफारिश करने और संबन्धित अधिकारियों को रिपोर्ट करने अथवा अन्य अधिकार है

एस सी / एस टी /ओ बी सी / पी डब्ल्यू डी प्रकोष्ठ :

विश्वविद्यालय नियुक्तियाँ में एस.सी /एस.टी /ओ.बी.सी /पी.डब्ल्यू डी के लिए भारत सरकार और यूजी सी दिशा निर्देश, 2006(भारत सरकार में आरक्षण नीति के सख्त कार्यान्वयन के लिए) के अनुसार आरक्षण नीति लागू कर रहा है | दिशानिर्देशों के अनुसार विश्वविद्यालय ने अनु.ज /अनु.ज के लिए संपर्क अधिकारी , ओबीसी के लिए संपर्क अधिकारी और पी ड्ब्ल्यू डी के लिए संपर्क अधिकारी को नामित किया है | विश्वविद्यालय ने प्रवेश ,रोजगार और अन्य शिकायतों से संबंधित समुदाय /श्रेणी के उम्मीदवारों के मुद्दे को देखने के अनु.ज/अनु.जन/पी डब्ल्यू डी सेल और ओबीसी सेल की स्थापना किया है |

निम्नलिखित गतिविधियों / बैठकों को एस.सी / एस.टी सेल के तहत जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया है |

1. छात्रों के श्रेणी प्रमाण-पत्र सत्यापन विश्वविद्यालय के सभी विभागों के प्रवेश के समय किए गए है|
2. एस.सी /एस.टी सीटों के बारे में प्रवेश के दौरान प्रश्न मौके पर हल किए गए थे|
3. समय-समय पर हर समिति में में एस.सी /एस.टी प्रतिनिधि की उपस्थिती सुनिश्चित करने के लिए प्रवेश समितियों / भर्ती समितियों का गठन और संशोधन किया गया है|
4. विश्वविद्यालय रोस्टर पर समय-समय पर बैठकें आयोजित की गई हैं|
5. विश्वविद्यालय रोस्टर में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ई.डब्ल्यू.एस) के समावेश के लिए भी बैठक आयोजित की गई है|

सलाहकार समिति

विश्वविद्यालय में भारत सरकार के आरक्षण नीति के सख्त कार्यान्वयन के लिए यूजीसी के दिशा निर्देशों 2006 के अनुसरण में, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अध्यक्ष के रूप में कुलपति के साथ सलाहकार समिति की स्थापना की है |

यौन उतपीडन की रोकथाम और निवारण (स्पर्श)

विश्वविद्यालय अपने कर्मचारियों, शिक्षकों,छात्रों और शोधार्थी के लिए अनुकूल कार्यस्थल के माहौल को बनाने के लिए प्रतिबध्द है , जो किसी भी तरह के यौन उतपीडन सु मक्त हो। स्पर्श (संवेदनशीलता, यौन उत्पीडन की रोकथाम और निवारण) स्पर्श (ए.बी.एस) और यूसीसी (विश्वविद्यालय शिकायत समिति) के सर्वोच्च निकाय के साथ जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में काम कर रहा है|

यह संवेदीकरण कार्यक्रम और परामर्श सहित विभिन्न गतिविधियों के आयोजन में सक्रिय रूप से संलग्न है| प्रत्येक चरण में महिला सशत्तिकारण को ध्यान में रखा गया है | शारीरिक विकास के लिए सक्षम कार्यक्रम और संकाय , शोधार्थी और छात्र के लिए योग एक ऐसा कदम है| विश्वविद्यालय में योग और शारीरिक विकास का भी ध्यान रखा जाता है| सी यू जे में स्थापित यूबीआई सी (विश्वविद्यालय व्यवसाय ऊष्मायन केंद्र) ने महिला सशत्तिकरण के लिए विशेष कार्यकम आयोजित किए | इसके अलावा , जम्मू क्षेत्र से महिला कारीगरों के लिए आउटरीच गतिविधियां कार्यशाला विश्वविद्यालय में आयोजित की गई थी|

विश्वविद्यालय कोर्ट

i.	कुलाधिपति	अध्यक्ष पदेन सदस्य
ii.	कुलपति	कुलपति पदेन सदस्य
iii.	समकुलपति	पदेन सदस्य
iv.	सभी अधिष्ठाता	पदेन सदस्य
v.	कार्यकारिणी परिषद् द्वारा नामित किए जाने वाले कार्यकारिणी के दो सदस्य	1. **प्रो० एच० देवराज** पूर्व उपाध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
		2. **प्रो० एम० आई० हकी** पूर्व अधिष्ठाता एवं अध्यक्ष डी/ओ व्यवसाय प्रशासन, प्रबंधन अध्ययन एवं अनुसंधान के संकाय, ऐएमयु, अलीगढ़।
vi.	सभी विभागाध्यक्ष (**HoDs**)	पदेन सदस्य
vii.	कुलाध्यक्ष द्वारा नामित किए जाने वाले चार व्यक्ति (एमएचआरडी पत्र एफ. संख्या 52-7/2013-सीयु-**III** दिनांक 26.07.2018 से नामित चार व्यक्ति)	1. **डॉ० बंदना पांडे** पूर्व निदेशक, एचआरडीसी, गुरू जंबेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार
		2. **डॉ० अलका शर्मा** व्यवसायिक विद्यालय, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू।
		3. **प्रो० गीता सिंह** निदेशक, उच्च शिक्षा में व्यसवसायिक विकास केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
		4. **प्रो० (डॉ०) जी० मुस्तफा शाह** प्राणी विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर।
viii.	अधिष्ठाता छात्र कल्याण	पदेन सदस्य

ix.	कुलसचिव	पदेन सदस्य-सचिव
x.	पुस्कालयाध्यक्ष	पदेन सदस्य
xi.	प्रोक्टर	पदेन सदस्य
xii.	परीक्षा नियंत्रक	पदेन सदस्य
xiii.	वित्त अधिकारी	पदेन सदस्य
निदेशक/प्राचार्य/आचार्य में से शिक्षकों के प्रतिनिधि		
xiv.	दस आचार्य जो कि विभागाध्यक्ष/अधिष्ठाता नहीं हो किन्तु वह आचार्य/निदेशक/प्राचार्य के समकक्ष हो। आचार्य/ निदेशक/प्राचार्य कुलपति द्वारा आवर्तन के आधार पर नामित किए जाए जो प्रत्येक विद्यालय/केंद्र/महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हों। प्रतिनिधित्व प्रत्येक विभाग/ विद्यालय/केंद्र को दी जाएगी। नियमित आवर्तन तब तक किया जाएगा जब तक सभी को प्रतिनिधित्व प्राप्त नहीं हो जाता।	1. रिक्त 2. रिक्त 3. रिक्त 4. रिक्त 5. रिक्त 6. रिक्त 7. रिक्त 8. रिक्त 9. रिक्त 10. रिक्त
xv.	दो सह-आचार्य जो शिक्षण विभागों के विभागाध्यक्ष नहीं हैं। आचार्य/निदेशक/प्राचार्य कुलपति द्वारा आवर्तन के आधार पर नामित किए जाए जो प्रत्येक विद्यालय/केंद्र/महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हों। प्रतिनिधित्व प्रत्येक विभाग/ विद्यालय/केंद्र को दी जाएगी। नियमित आवर्तन तब तक किया जाएगा जब तक सभी को प्रतिनिधित्व प्राप्त नहीं हो जाता।	1. रिक्त 2. रिक्त
xvi.	नियमित आवर्तन पर कुलपति द्वारा नामित किए जाने वाले दो सहायक आचार्य ।	1. **डॉ० पंकज मेहता** पर्यावरण विज्ञान विभाग 2. **डॉ० शाहिद मुस्ताक** विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग

शैक्षणिक कर्मचारियों के प्रतिनिधि		
xvii.	नियमित आवर्तन पर कुलपति द्वारा नामित किए जाने वाले शैक्षणिक कर्मचारियों के तीन सदस्य, समूह 'क' से एक, समूह 'ख' से एक, समूह 'ग' से एक।	समूह 'क' 1. श्रीमती शफला परिहार उपकुलसचिव
		समूह 'ख' 2. श्री विकास कुमार सहायक
		समूह 'ग' 3. श्री रोहित जसरोटिया अवर श्रेणी लिपिक
सीखा व्यवसायों एवं विशेष हितों के प्रतिनिधि		
xviii.	उद्योग, वाणिज्य, व्यापार संघ (यूनियन), बैंकिग, कृषि, स्वास्थय एवं संस्कृति, वित्तीय संस्थान, नौकरशाही, पुलिस/थलसेना, प्रख्यात शिक्षाविदों, अभियंत्रिकी, वास्तुकला, मीडिया, टी०वी०/फिल्म समाज कार्य, कॉरपोरेट आदि के छः प्रशिक्षित व्यवसायियों और विशेष इच्छुक प्रतिनिधियों को कार्यपालक परिषद् द्वारा नामित किया गया था।	1. **डॉ० बलदेव राज** अध्यक्ष, सीआईआई अवंता केंद्र, सेंटर ऑफ कम्पेटिटिवनेस फॉर एस०एम०ई०, चंडीगढ़
		2. **डॉ० राम विश्वकर्मा** निदेशक, भारतीय एकीकृत चिकित्सा संस्थान, जम्मू।
		3. **प्रो० परवेज मुस्तजाब** जाकिर हुसैन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ऐएमयु, अलीगढ़-202002
		4. **श्री बलवंत ठाकुर** सलाहकार-सह-क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद
		5. **श्री अशोक भान** संरक्षक, आईआईपीए, जम्मू एवं कश्मीर क्षेत्रीय शाखा, जम्मू। पूर्व महानिदेशक, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस।
		6. **अंजू भसीन** कुलपति, कलस्टर विश्वविद्यालय जम्मू।

कुलाधिपति द्वारा नामित व्यक्ति		
xix.	कुलपति एवं प्रख्यात शिक्षाविदों में से कुलाधिपति द्वारा नामित दो सदस्य	1. **प्रो० (डॉ०) योगेश त्यागी,** कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय।
		2. **डॉ० आर के कोहली** कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब।
xx.	पूर्व छात्र एवं विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधि	पूर्व छात्र 1. **सुश्री सोनम अंगमो** सहायक आचार्य, अंग्रेजी विभाग, उच्चतर शिक्षा, जम्मू एवं कश्मीर सरकार।
		छात्र 2. **श्री अरीफ मोहम्मद** एमबीए-एचआरएम एवं ओबी

कार्यकारिणी परिषद

क.	कुलपति	**प्रो० अशोक ऐमा** कुलपति (अध्यक्ष, पूर्व-पदेन)
ख.	समकुलपति	रिक्त
ग.	सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, म.स.वि.म., भारत सरकार या उनके नामित संयुक्त सचिव के पद से नीचे के नहीं।	(सदस्य, पूर्व-पदेन)
घ.	अध्यक्ष, यूजीसी या उनके नामित व्यक्ति,	(सदस्य, पूर्व-पदेन)
ड.	उच्चतर शिक्षा से संबंधित मामलों से संबंधित राज्य सरकार के सचिव,	(सदस्य, पूर्व-पदेन)
च.	कुलाध्यक्ष द्वारा नामित किए जाने वाले शिक्षाविदों में चार व्यक्ति, (एमएचआरडी एफ. सं. 52-1/2019-सीयू.आईआईआई दिनांक 18.02.2019)	1. **प्रो० उदय प्रताप सिंह** प्रमुख एवं आचार्य एंथ्रोपोलॉजी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ। (सदस्य)
		2. **डॉ० विनिता सिंह** आचार्य, सांख्यिकी विभाग, सामाजिक विज्ञान संस्थान डॉ० बी० आर० अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा। (सदस्य)
		3. **प्रो० रामदेव भारद्वाज** कुलपति अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल। (सदस्य)
		4. **प्रो० सुशील कुमार गुप्ता** आचार्य, एग्रोफारेस्ट्री विभाग, कृषि संकाय, स्कास्ट, जम्मू। (सदस्य)
छ.	तीन प्रमुख शिक्षाविद जो विश्वविद्यालय की सेवा में नहीं हैं, जो एएमएचडी द्वारा कार्यकारी परिषद द्वारा अनुशंसित पैनल में से नामित किया जाए	1. सदस्य (रिक्त)
		2. सदस्य (रिक्त)
		3. सदस्य (रिक्त)

ज.	कुलाध्यक्ष द्वारा नामांकित कोर्ट का एक सदस्य	सदस्य (रिक्त)
झ.	वरिष्ठता के अनुसार रोटेशन द्वारा अध्ययन के स्कूलों के तीन अधिष्ठाता	1. **प्रो० एन० के० त्रिपाठी** अधिष्ठाता, जीव विज्ञान विद्यालय (सदस्य)
		2. **प्रो० गोविंद सिंह** अधिष्ठाता, मानावकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय (सदस्य)
		3. **प्रो० जया भसीन** अधिष्ठाता, व्यावसायिक अध्ययन विद्यालय (सदस्य)
ञ.	एक आचार्य, जो अधिष्ठाता नहीं है, वरिष्ठता के अनुसार रोटेशन द्वारा, कुलपति द्वारा नामित किया जाए।	**प्रो० ब्रिज मोहन भाउ** अध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग (सदस्य)
ट.	एक सह-आचार्य जो एक अधिष्ठाता नहीं है, रोटेशन द्वारा वरिष्ठता के अनुसार नामित किया जा सकता है	**डॉ० सुनील धर** सह-आचार्य, पर्यावरण विज्ञान विभाग (सदस्य)
ठ.	कुलसचिव, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	सचिव, पूर्व-पदेन

अकादमिक परिषद

क.	कुलपति	**प्रो० अशोक ऐमा** कुलपति (अध्यक्ष, सदस्य, पूर्व-पदेन)
ख.	समकुलपति	(सदस्य, पूर्व-पदेन)
ग.	अध्ययन के स्कूलों के	(सदस्य, पूर्व-पदेन)
घ.	अधिष्ठाता छात्र कल्याण	(सदस्य, पूर्व-पदेन)
ड.	प्रॉक्टर	प्रॉक्टर, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
च.	पुस्तकालय अध्यक्ष	(सदस्य, पूर्व-पदेन)
छ.	कोर्ट के निर्वाचित सदस्यों में से कोर्ट द्वारा मनोनीत एक सदस्य	----------
ज.	रोटेशन के आधार पर शिक्षण विभाग के दस विभागाध्यक्ष कुलपति द्वारा नामित किए जाएंगे,	1. **प्रो० ब्रिज मोहन सिंह भाउ** विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग
		2. **डॉ० यशवंत सिंह** विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
		3. **डॉ० अजय कुमार शर्मा** विभागाध्यक्ष, गणित विभाग
		4. **डॉ० धमेन्द्र सिंह** विभागाध्यक्ष, शैक्षिक अध्ययन विभाग
		5. **डॉ० वी० श्रीधरण** विभागाध्यक्ष, रसायनशास्त्र एवं रसायिनक विज्ञान विभाग
		6. **डॉ० गौरव सहगल** विभागाध्यक्ष, विपणन एवं श्रृंखला आपूर्ति प्रबंधन विभाग
		7. **डॉ० विनय कुमार** विभागाध्यक्ष, भौतिकी एवं खगोल विज्ञान विभाग
		8. **डॉ० अनिल कुमार ठाकुर** विभागाध्यक्ष, नैनो विज्ञान एवं पदार्थ विभाग
		9. रिक्त
		10. रिक्त

झ.	वरिष्ठता और रोटेशन के आधार पर केंद्रों के पांच निदेशक, यदि कोई हो, को कुलपति द्वारा नामित किए जाएगे।	1. तुलनात्मक धर्म और सभ्यता केन्द्र
		2. अणुजैविक विज्ञान केन्द्र
		3. रिक्त
		4. रिक्त
		5. रिक्त
ञ.	दो आचार्य, जो की किसी अध्ययन विद्यालय के अधिष्ठाता न हो अथवा विभाग/केंद के विभागाध्यक्ष न हो एवं कार्यकारिणी समिति के सदस्य न हो, वरिष्ठता के आधार पर प्रत्येक विद्यालय से कुलपति द्वारा नामित ।	1. रिक्त
		2. रिक्त
ट.	सह आचार्य, जो उपरोक्त (ग), (घ) एवं (ड) में शामिल न हो अथवा विभागाध्यक्ष अथवा केंद्र के निदेशक न हो अथवा जो कार्यकारिणी समिति के सदस्य न हो, वरिष्ठता के आधार पर रोटेशन, कुलपति द्वारा नामित ।	1. **डॉ० सुनील धर** सह-आचार्य पर्यावरण विज्ञान विभाग
		2. रिक्त
ठ.	दो सहायक आचार्य, जो कार्यकारणी समिति के सदस्य न हों, वरिष्ठता के आधार पर रोटेशन द्वारा कुलपति द्वारा नामित	1. **डॉ० पविन्द्र सिंह** गणित विभाग
		2. **डॉ० निलिका अरोड़ा** मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग
ड.	दस व्यक्ति, जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों, उनके शिक्षा विकास एवं औद्योगिक लिंकेज में विशेष ज्ञान के अकादमिक परिषद द्वारा नामित।	1. **प्रो० मोहम्मद मियां** पूर्व सदस्य, वि०अनुं० आ० पूर्व कुलपति, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय
		2. **प्रो० मनोज धर** कुलपति, जम्मू विश्वविद्यालय

		3. **प्रो० सुषमा यादव** कुलपति, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां, हरियाणा
		4. **प्रो० मनोज गौर** निदेशक, आई०आई०टी०, जम्मू
		5. **प्रो० आर०एन०के० बमजेई** पूर्व कुलपति, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय और जीव विज्ञान स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
		6. **प्रो० पुलीयन बी० नायक** पूर्व अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, अर्थशास्त्र विद्यालय दिल्ली, दिल्ली विश्वविद्यालय
		7. **प्रो० अशोक ओगरा** निदेशक, जनसंचार एपीजे विद्यालय नई दिल्ली
		8. **प्रो० एस०के० शर्मा** पूर्व अधिष्ठाता, पूर्व प्रमुख विधि संकाय विधि विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय
		9. **प्रो० रोमेश चदंर** विभागाध्यक्ष, गणित विभाग जम्मू विश्वविद्यालय
		10. **श्री धनंजय सिंह** महानिदेशक, राष्ट्रीय एच०आर०डी० नेटवर्क
च	कुलसचिव जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	सविच, पूर्व-पदेन